नई दिल्ली

रविवार 14 जून 2026

ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष,
चतुर्दशी वर्ष : 30, अंक : 56
पृष्ठ 12 मूल्य 2 .00

मौसम
अधि. 37
न्यून. 27

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

इंडिगो के विमान में मिला 4.26 करोड़ रु. का सोना

अहमदाबाद। भारत में सोने की कीमत प्रति 10 ग्राम डेढ़ लाख रुपए से अधिक है। सोने की कीमतों में आग लगने के बाद विदेशों से इसकी तस्करी बढ़ गई है। दुबई से अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई एयरपोर्ट पहुंची इंडिगो फ्लाइट (6ई-1478) से कस्टम में सोने के 24 बिस्कुट बरामद किए हैं। कस्टम ने जब इंडिगो के विमान की तलाशी ली तो उसे विमान से लगभग 4.26 करोड़ रुपए का सोना मिला। इस सोने को बाथरूम के आगे वाले टॉयलेट में लगे स्पीकर के अंदर छिपाया गया था। कस्टम्स अधिकारियों ने विमान इंजीनियरों की मदद से टॉयलेट में लगे स्पीकर बॉक्स के अंदर से काले प्लास्टिक टेप में लिपटे दो पाउच बरामद किए। इसमें बिस्कुट भरे हुए थे। कस्टम्स एक्ट, 1962 का उल्लंघन करके इसे भारत में तस्करी करने की कोशिश की गई थी। बरामद सोने पर अपना दावा करने के लिए कोई आगे नहीं आया। नतीजतन एक्ट के संबंधित प्रावधानों के तहत सोने को लावारिस मानकर ज़ब्त कर लिया गया। पाउच में मिले गोल्ड को 999.0 शुद्धता (24 कैरेट) पाई गई है।

वायुसेना ने किया जांच का गठन, मृतकों में 2 अधिकारी, 2 अग्निवीर, 1 सार्जेंट शामिल हैं

असम के जोरहाट में क्रैश हुआ वायुसेना का एएन-32 विमान, शहीद हुए 5 जवान

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

पूर्वोत्तर में चीन की सीमा से सटे असम के जोरहाट में भारतीय वायुसेना का एक एएन-32 परिवहन विमान शनिवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिसमें कुल 5 जवानों की दुखद मौत हो गई है। जबकि एक अन्य सह-पायलट को नाजुक हालात में जरूरी उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वायुसेना ने एक्स पर की गई अपनी कुछ पोस्ट के माध्यम से यह जानकारी दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस घटना पर गहरा दुख जताते हुए शोकाकुल परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना जताई और कहा कि शोक की इस घड़ी में पूरा राष्ट्र दृढ़तापूर्वक उनके साथ खड़ा है।

वायुसेना के मुताबिक, आज जोरहाट वायुसैन्य अड्डे पर अपनी नियमित उड़ान के बाद लैंडिंग के वक्त एक एएन-32 परिवहन विमान क्रैश हो गया और उसमें 5 जवानों की मृत्यु को गई है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी (सीओआई) का गठन कर दिया गया है। जिसके बाद यह पता लग सकेगा कि यह घटना किसी मानवीय चूक या तकनीकी गड़बड़ी की वजह से हुई। दुर्घटनास्थल का प्रबंधन और प्रारंभिक पूछताछ जारी है। प्रारंभिक परिणाम आने तक हर खासो आम से ये अपील की जाती है कि वह मामले में किसी भी तरह का अनुमान लगाने से बचें। हादसे में जान गंवाने वाले वायु वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वायुसेना ने शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहन संवेदनाएं व्यक्त की हैं। साथ ही कहा कि मुश्किल की इस घड़ी में वह सभी पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है।

रक्षा मंत्री ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए शोकाकुल परिवारों के प्रति प्रकट की संवेदनाएं

अब तक एएन-32 से जुड़े 22 हादसों में चली गई 42 वायु योद्धाओं की जान

22 बार हादसों का शिकार हुआ एएन-32

गौरतलब है कि वर्ष 1986 के बाद से लेकर अब तक सोवियत संघ द्वारा निर्मित (वर्तमान में रूस) यह एएन-32 परिवहन विमान कुल करीब 22 बार दुर्घटनाग्रस्त हो चुका है। जिसमें 42 वायुवीरों ने अपनी जान गंवाई है। इसमें भी अगर पिछले एक दशक यानी वर्ष 2016 से 2026 की बात करें तो उसमें तीन बड़े एएन-32 के हादसे हुए हैं। 2016 में विमान के चेन्नई से पोर्ट ब्लेयर जाते वक्त बंगाल की खाड़ी के क्षेत्र में हुए एक हादसे में सभी सवार 29 लोगों की मौत हो गई थी। 2019 में असम के जोरहाट से अरुणाचल प्रदेश के मेचुका जाते समय हुई एक दुर्घटना में सभी 13 सवार लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा पिछले साल 2025 में असम के ही बागडोगरा हवाईअड्डे पर एक एएन-32 विमान की क्रैश लैंडिंग हुई थी। इस दौरान हालांकि विमान में सवार किसी भी व्यक्ति की मृत्यु नहीं हुई।

1984 में वायुसेना में हुआ शामिल

एएन-32 वायुसेना का एक पुराना और भरोसेमंद परिवहन विमान है। जिसका बीते करीब चार दशक से अधिक समय से जरूरी रसद, सैन्य मालढुलाई के अलावा सैनिकों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाने-ले जाने के लिए भी बड़ी तादाद में इस्तेमाल किया जा रहा है। वायुसेना में इस विमान को वर्ष 1984 में आधिकारिक रूप से शामिल किया गया था।

मृतकों में शामिल हैं यह 5 शहीद

स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीर वायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीर वायु दानिश आलम शामिल हैं। वायुसेना ने कहा कि राष्ट्र की सेवा में इनके साहस और समर्पण को हमेशा गर्व, कृतज्ञता के साथ याद रखा जाएगा।

उबड़-खाबड़ जगह पर उतरा विमान

यह विमान अपने नियमित उड़ान मिशन को पूरा करने के बाद जोरहाट वायुसैन्य अड्डे पर लौट रहा था। तभी लैंडिंग के वक्त पर यह रनवे पर उतरने के बजाय परिसर के आसपास की उबड़-खाबड़ जगह पर लैंड हुआ। जिसके बाद पहले विमान दो टुकड़ों में टूट गया और फिर उसमें आग लग गई। आसपास की जगह पर धुएं का गुबार छा गया और अफरातफरी मच गई। वायुसेना ने तुरंत अपना आपातकालीन आग बुझाने वाला तंत्र एक्टिव किया, आग पर काबू पाया गया। इस कवायद के बीच को-पायलट को भी विमान से सुरक्षित बाहर निकाला गया और उन्हें तुरंत जरूरी उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब ये हादसा हुआ। उसके ठीक पहले उनके घरों के आसपास काफी तेज हलचल के साथ जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी। जिसे सुनकर उन्हें लगा कि कहीं भूकंप तो नहीं आया है। वो अपने-अपने घरों से बाहर निकले, फिर देखा कि एक विमान नीचे गिरा है और उसमें आग लगी हुई है।

यह जानकारी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर दी है

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ बने अगले सेनाप्रमुख, 30 जून को संभालेंगे कार्यभार

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शनिवार को लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को भारतीय सेना का अगला प्रमुख बनाए जाने की घोषणा की है। संभवतः वह इस महीने के अंत में 30 जून की दोपहर में अपना कार्यभार संभालेंगे। इसी दिन मौजूदा सेनाप्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनकी जगह पर ही लेफ्टिनेंट जनरल सेठ को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। वर्तमान में वह करीब 12 लाख से अधिक जवानों वाले इस जमीनी बल के उप-प्रमुख के रूप में कार्य कर रहे हैं। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान के जरिए यह जानकारी साझा की है।

चार दशक का लंबा अनुभव: मंत्रालय ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) खड़कवासला के पूर्व छात्र रहे हैं। सेना में कार्य करने का उन्हें चार दशक लंबा अनुभव है। वर्ष 1986 में सेना की बख्तरबंद कोर में वह कमीशन हुए थे। अपने व्यापक कार्य अनुभव के ⏩ शेष पेज 5 पर

विदेश मंत्रालय ने जहाज के कप्तान से सीधे बातचीत कर की पुष्टि, सभी नाविक सुरक्षित

भारतीय नाविकों वाले जहाज 'लियाकी फ्रीडम' पर नहीं हुआ हमला, खबरें गलत

⏩ सरकार ने आमजन से की अपील, सोशल मीडिया पर उड़ती अफवाहों पर न करें यकीन

⏩ जयशंकर ने रुबियो से बातचीत में जहाजों पर हो रहे हमलों, 3 भारतीयों की मौत को लेकर जताया कड़ा विरोध

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया संकट के बीच विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शनिवार को दो टूक अंदाज में सोशल मीडिया में जारी उन सभी खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है। जिनमें यह कहा जा रहा था कि ओमान के तट के पास भारतीय सवार मार्शल द्वीप के ध्वज वाले एक व्यापारिक जहाज एमटी 'लियाकी फ्रीडम' पर अमेरिका के हमले में 4 भारतीय नाविकों की मौत हो गई है। मंत्रालय ने जहाज के मार्शल यानी कप्तान से सीधे संपर्क साधकर ⏩ शेष पेज 5 पर

एनटीए ने शुरू किया नया कार्यक्रम

नीट समेत बड़ी परीक्षाओं के लिए अफसरों को ट्रेनिंग देगा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा केंद्रों पर निगरानी और परीक्षा संचालन को और मजबूत बनाने के लिए 'परीक्षा कर्मयोगी: कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम' शुरू किया है। यह कार्यक्रम आईजीओटी कर्मयोगी भारत प्लेटफॉर्म पर लॉन्च किया गया है, जिसके माध्यम से परीक्षा अधिकारियों और निरीक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह कार्यक्रम विशेष रूप से उन अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए तैयार किया गया है जो एनटीए की ऑफलाइन (पेन एंड पेपर) परीक्षाओं के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

■ 'परीक्षा कर्मयोगी: कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम' शुरू किया

इनमें सेंटर सुपरिंटेंडेंट, निरीक्षक और अन्य परीक्षा कर्मी शामिल हैं। एनटीए के अनुसार यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नीट (यूजी) सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में कार्यरत परीक्षा अधिकारियों को बेहतर तरीके से तैयार करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। कार्यक्रम का मकसद परीक्षा केंद्रों पर एक समान मानक स्थापित करना और परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता तथा जवाबदेही को बढ़ावा देना है। परीक्षा कर्मयोगी कार्यक्रम को चार अलग-अलग मॉड्यूल में विभाजित किया गया है, जो परीक्षा प्रक्रिया के हर चरण को कवर करते हैं।

करोड़ों के रियल एस्टेट धोखाधड़ी मामले में भगौड़ा अपराधी अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने कई निवेशकों से जुड़े करोड़ों रुपये के रियल एस्टेट धोखाधड़ी मामले में वर्षों से गिरफ्तारी से बच रहे एक भगोड़े अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी शिव नंदन सिंह यादव 2019 में दर्ज नौ मामलों में वांछित था। इन मामलों में कई पीड़ितों ने शिकायत की थी कि उन्हें एक ऐसे आवासीय परियोजना में निवेश करने के लिए ठगा गया, जो कभी अस्तित्व में ही नहीं आई। इसे शुक्रवार को हरियाणा के फरीदाबाद से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार ये मामले शाहदरा जिला स्थित कड़कड़डूमा अदालत निर्देश पर दर्ज किए गए थे। आर्थिक अपराध शाखा की जांच में पता चला कि सभी शिकायतों में आरोपियों का एक ही समूह एम/एस जीआरपीएल ग्लोब रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से काम कर रहा था। पुलिस ने बताया कि कंपनी ने 2013 में ग्रेटर फरीदाबाद के तिलोरी खादर गांव में कृष्ण कुंज टाउनशिप नामक आवासीय परियोजना शुरू की थी। कंपनी ने विज्ञापनों और एक विकसित आवासीय टाउनशिप का आश्वासन देकर लोगों को आवासीय भूखंडों में निवेश करने के लिए प्रेरित किया था। प्रस्तावित परियोजना में लगभग 10.26 एकड़ भूमि पर 496 आवासीय भूखंड विकसित किए जाने थे। हालांकि, जांच में पाया गया कि कंपनी और उसके निदेशकों ने परियोजना के संबंध में तथ्यों को कथित रूप से गलत ढंग से प्रस्तुत किया था और टाउनशिप विकसित करने के लिए उनके पास पर्याप्त वैध भूमि भी नहीं थी। निवेशकों से बड़ी रकम जुटाने के बाद आरोपियों ने कथित तौर पर वादा किए गए भूखंड नहीं दिए और परियोजना को बीच में ही छोड़ दिया, जिससे खरीदारों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। यादव 2019 से फरार था। कई वर्षों तक उसका पता नहीं चलने पर 2023 में अदालत ने उसे सभी नौ मामलों में भगौड़ा अपराधी घोषित किया था।

चोरी के मोबाइल का लॉक तोड़ने के आरोप में दो तकनीशियन गिरफ्तार

नई दिल्ली। पूर्वी जिले के स्पेशल स्टाफ ने चोरी के मोबाइल फोन लेने और उन्हें दोबारा बेचने के लिए खास सॉफ्टवेयर की मदद से उनका लॉक तोड़ने के आरोप में दो मोबाइल साफ्टवेयर तकनीशियन को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान लोनी निवासी मोहम्मद जलाल (29) और राजपुर खुर्द एक्सटेंशन निवासी इमरान (27) के तौर पर हुई है। आरोपी गफ्फार मार्केट में मोबाइल फोन की मरम्मत और सॉफ्टवेयर सर्विसिंग की दुकान चलाते थे। पुलिस के मुताबिक दोनों केजीएन सॉफ्टवेयर एंड मोबाइल रिपेयरिंग इंस्टीट्यूट चलाते थे और चोरी के स्मार्टफोन का लॉक तोड़ कर उन्हें अनधिकृत रूप से दोबारा बेचने के काम में शामिल थे। विशिष्ट सूचना के आधार पर पुलिस ने दुकान पर छापा मारा और 45 एंड्रॉयड स्मार्टफोन, 22 मोबाइल फोन बॉडी, एक लैपटॉप और चीन में बना एक एएमपी टूल बरामद किया। माना जा रहा है कि इस टूल का इस्तेमाल मोबाइल फोन के फैक्टरी रिसेट प्रोटेक्शन (एफआरपी) और अन्य सुरक्षा विशेषताओं को हटाने के लिए किया जाता था। आरोपी बरामद किए गए उपकरण के मालिकाना हक के संतोषजनक दस्तावेज पेश नहीं कर पाए। उन्हें शुक्रवार को पकड़ा गया और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त कर लिए गए। शुरुआती जांच में बरामद सात फोन का संबंध दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में दर्ज चोरी और खोने के मामलों से पाया गया है। इनमें मधु विहार, न्यू अशोक नगर, मंडावली, गाजीपुर, पानीपत और मुजफ्फरनगर में दर्ज मामले शामिल हैं।

ट्रैफिक पुलिसकर्मी को कार से उड़ाने वाला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण पूर्वी जिले के सराय जुलैना इलाके में एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी को कार से टक्कर मारकर भागने वाले आरोपी को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने किया कार भी जब्त कर ली है।

पुलिस के अनुसार 10 जून को न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी ट्रैफिक सर्कल के हेड कांस्टेबल राहुल कुमार, जामिया नगर की ओर जाने वाली सड़क पर सराय जुलेना रेड लाइट पर ड्यूटी कर रहे थे। सुबह लगभग 9:45 बजे जामिया की तरफ से सराय जुलैना की ओर एक काले रंग की किआ सोनेट कार को सड़क की गलत साइड पर तेज रफ्तार से आते हुए देखा गया। ट्रैफिक नियम का उल्लंघन होते देख हेड कांस्टेबल राहुल कुमार ने ड्राइवर को गाड़ी रोकने का इशारा किया। हालांकि, कानूनी निर्देश का पालन करने के बजाय ड्राइवर ने गाड़ी की गति बढ़ा दी और भागने की कोशिश करते हुए जानबूझकर पुलिसकर्मी को टक्कर मार दी। ट्रैफिक पुलिसकर्मी को टक्कर मारने के बाद ड्राइवर माता मंदिर मार्ग की ओर तेजी से भागा और घटनास्थल से फरार हो गया था। जोरदार टक्कर के कारण हेड कांस्टेबल घायल हो गए थे और उन्हें इलाज के लिए फोर्टिस अस्पताल ले जाया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद उनका बयान दर्ज किया गया और न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी पुलिस स्टेशन में संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। यह घटना सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हो गई थी और सोशल मीडिया पर इसे व्यापक कवरेज मिली थी। इससे जनता में भारी चिंता और निंदा का माहौल भी बन रहा था। इस घटना पर लोगों का ध्यान जाने को गंभीरता से लेते हुए एक खास टीम बनाई गई। टीम ने उस रास्ते के कई जगहों से कैमरा फुटेज की बारीकी से जांच की, जिस रास्ते से आरोपी की गाड़ी गुजरी थी। साथ ही जमीनी स्तर पर भी जानकारी जुटाई गई। तकनीकी सबूतों के आधार पर टीम ने आरोपी की पहचान जामिया नगर के रहने वाले मो. मुबशशिर अब्बास के तौर पर की गई। छापेमारी के दौरान पता चला कि आरोपी गिरफ्तारी से बचने की पूरी कोशिश कर रहा था। वह लगातार अपना मोबाइल फोन ऑन ऑफ कर रहा था। बार-बार अपनी जगह बदल रहा था और किसी एक जगह पर ज्यादा देर तक नहीं रुक रहा था। गुमराह करने की इन जानबूझकर की गई कोशिशों के बावजूद टीम ने लगातार नजर रखी और तकनीकी ट्रैकिंग की। आखिरकार 12 जून को उसे दिल्ली के कनॉट प्लेस से पकड़ लिया गया। आरोपी जामिया नगर का रहने वाला है और मास कम्युनिकेशन में पोस्ट-ग्रेजुएट है। वह शादीशुदा है और दो बच्चों का पिता है। वह पिछले दो सालों से दुबई में काम कर रहा था और घटना से लगभग दस दिन पहले ही भारत लौटा था। फिलहाल वह कनॉट प्लेस में स्थित एक प्राइवेट कंपनी में सेल्स डायरेक्टर के तौर पर काम कर रहा है।

डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन का प्रतिनिधिमंडल परिवहन मंत्री से मिलेगा

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम से संबंधित कर्मचारियों के संगठन डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन (शिवसेना) ने कहा है कि अपनी मांगों को लेकर जल्द ही दिल्ली के परिवहन मंत्री से मुलाकात करेंगे। इस बारे में शिवसेना दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष संदीप चौधरी ने कहा कि लंबे समय से डीटीसी अनुबंधित कर्मचारी विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे है। ऐसे में हमारा संगठन डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन लगातार कर्मचारियों की आवाज उठाता आया है। अब हमने फैसला किया है कि आगामी 20 जून को सुबह 11 बजे शिव सेना दिल्ली प्रदेश व यूनियन मिलकर परिवहन निगम मंत्री पंकज सिंह को उनके आवास पर अपनी लंबित मांगों का ज्ञापन सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर हमारे साथ यूनियन अध्यक्ष चौधरी ललित कुमार व अन्य पदाधिकारियों सहित सैकड़ों कर्मचारी मंत्री को ज्ञापन देगें। संगठन परिवहन मंत्री के सामने अनुबंधित कर्मचारियों के हितों की बात पूरे जोर शोर से रखेंगे। इस बारे में यूनियन अध्यक्ष चौरी ललित ने कहा कि अनुबंधित कर्मचारियों के हितों को मजबूती से रखेंगे और उम्मीद है कि दिल्ली सरकार हमारी मांगों को पूरा करेगी।

महिला की गला रेतकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

शाहदरा जिले के कैलाश नगर चंद्रपुरी झुग्गी में शनिवार शाम एक महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान रुखसार (35) के रूप में हुई है। महिला के पति पर हत्या का शक जताया गया है। गांधी नगर पुलिस केस दर्ज कर आरोपी पति की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार शनिवार को शाम लगभग 4:30 बजे कैलाश नगर बीट इलाके में पेट्रोलिंग ड्यूटी के दौरान हेड कांस्टेबल प्रमोद को सूचना मिली कि एक झुग्गी के अंदर महिला का गला कटा हुआ है। पुलिसकर्मी घटनास्थल चंद्रपुरी झुग्गी पहुंचा। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और जगह का मुआयना किया। मृतका के पति का नाम खालिद पता चला है। शुरुआती जांच से पता चला है कि पिछले दो सालों से मृतका और उसके पति के बीच अक्सर पारिवारिक झगड़े होते रहते थे। जांच के दौरान यह पता चला कि घटना वाले दिन पति मृतका के घर आया था। चल रही जांच के तहत उसकी भूमिका की जांच की जा रही है। क्राइम और एफएसएल ने घटनास्थल का मुआयना करर साक्ष्य एकत्र किये हैं। आरोपी का पता लगाने व उसे पकड़ने के लिए पुलिस की कई टीमें बनाई गई हैं।

दिल्ली के गांवों का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री गुप्ता से मिला, विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

पालम 360 के प्रमुख चौधरी सुरेंद्र सोलंकी के नेतृत्व में दिल्ली के गांवों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात की और ग्रामीण क्षेत्र को सीधे प्रभावित करने वाले कई अहम मुद्दों पर चर्चा की।

सोलंकी ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को हाल की कुछ घटनाओं के बाद चल रही तोड़फोड़ और सीलिंग की कार्रवाई से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों की गलती के कारण सभी को कठोर परिणाम नहीं भुगतने चाहिए। उन्होंने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है कि गांवों और उनके विस्तारित आबादी क्षेत्रों में पहले से मौजूद पुरानी ग्राउंड प्लस चार संरचनाओं पर कोई तोड़फोड़ नहीं की जाएगी।

सोलंकी के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव के लोगों को भ्रमित नहीं होना चाहिए और अगर अधिकारी अनुचित कार्रवाई करने की कोशिश करें तो सरकार को तुरंत सूचित करें। प्रतिनिधिमंडल ने किसानों के लिए फसल नुकसान मुआवजा बढ़ाकर 75,000 रुपये प्रति एकड़ करने पर मुख्यमंत्री का आभार भी जताया। सोलंकी ने कहा कि यह मुआवजा देश में सबसे अधिक है।

सर्कल रेट और मास्टर प्लान के मुद्दे पर बोलते हुए गांव के प्रतिनिधि ने बताया कि मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है कि सरकार जल्द ही इस संबंध में घोषणा करेगी। गांवों में वर्तमान में बदलाव देखा जा रहा है और सरकार ने ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए कई कार्य शुरू किए हैं, जो लंबे समय से उपेक्षित रहा है।

प्रतिनिधिमंडल में मौजूद रहने वालो मैं चौ धारा सिंह प्रधान बवाना 52, चौ नरेश प्रधान लाड़ो सराय 96, करण सिंह डबास खाप , पूर्व चेयरमैन चौ नारायण सिंह, चौ राजेन्द्र डागर आदि उपस्थित रहे।

एनसीसी कैंप में कैडेट्स ने लिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

आर पी एस इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 89 गुरूग्राम के दूसरे साल के कैडेट्स के लिए एनसीसी कैंप का आयोजन हरि मंदिर स्कूल, पटौदी (हरियाणा) में किया गया। एनसीसी कैंप में कैडेट्स को अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, शारीरिक दक्षता तथा विभिन्न सामाजिक एवं तकनीकी विषयों के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से एक प्रशिक्षण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। 10 दिवसीस शिविर 5 हरियाणा बटालियन एनसीसी गुरुग्राम के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें शारीरिक प्रशिक्षण, व्याख्यान, प्रदर्शन, प्रतियोगिताएं तथा संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए। कैडेट्स ने कैंप में अनेक पुरस्कार भी जीते। कैडेट शिवम ने ड्रिल टेस्ट प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल, कैडेट लताशा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता व्याख्यान प्रतियोगिता में कैडेट वीरेन वाधवा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। और कैडेट ध्रुव को मंच संचालन के लिए ब्रॉन्ज मेडल से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कैंप के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल एसके कौशिक ने कैडेट्स को ऑफिसर लाइक क्वालिटीज से अवगत कराया। कैडेट्स की इन उपलब्धियों की सराहना करते हुए विद्यालय की प्राचार्या शिवा यादव व एनसीसी ऑफिसर ऋषि कांत मिश्रा ने बधाई दी।

रैपिडो राइडर की हेलमेट से पिटाई करने वाले पकड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ समयपुर बादली इलाके की घटना

बाहरी उत्तरी जिले के समयपुर बादली इलाके में रैपिडो राइडर की हेलमेट से पिटाई का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से दोनों हमलावरों की पहचान कर उन्हें पकड़ने का दावा किया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित ने भी आरोपियों की पहचान की है।

पुलिस के अनुसार मामला 8 जून का है। रोहिणी के सेक्टर-18/19 मेट्रो स्टेशन के पास रोडरेज की एक घटना की जानकारी मिली थी। घटना में दो बाइक सवारों ने एक रैपिडो राइडर के साथ हेलमेट से मारपीट की थी। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। शिकायतकर्ता के बयान के आधार पर समयपुर बादली थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान हमलावरों द्वारा इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल का पता लगाया गया। आरोपियों की पहचान गौरव कुमार और बादल के तौर पर हुई है। वीडियो वायरल होने के बाद दोनों छिप गए थे, लेकिन बाद में उन्हें पकड़ लिया गया। शिकायतकर्ता ने भी उनकी पहचान की है। दिल्ली पुलिस रोड रेज की घटनाओं में शामिल लोगों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

तुगलकाबाद अग्निकांड हादसे से साजिश की तरफ मुड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

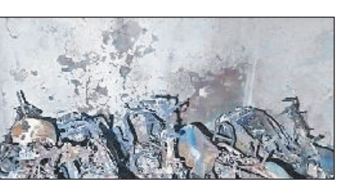

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के तुगलकाबाद एक्सटेंशन में हुए अग्निकांड में शनिवार को नया मोड़ आ गया है। सामने आये एक सीसीवीटी फुटेज से हादसा अब साजिश में तब्दील होता नजर आ रहा है। मकान के बाहर दुकान के सीसीटीवी कैमरा फुटेज में एक अज्ञात महिला आग लगने से महज डेढ़ से दो मिनट पहले इमारत में प्रवेश करती दिखाई दे रही है। इसके कुछ ही देर बाद आग भड़क जाती है और महिला बिल्डिंग से बाहर निकल चली जाती है।

तुगलकाबाद अग्निकांड में पुलिस ने भी शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट की बात कहीं थी। इलेक्ट्रिक स्कूटर से आग भड़कने का अंदेशा जांचकर्ताओं ने जाहिर किया था। लेकिन सामने आये एक सीसीटीवी फुटेज से खुलासा हुआ कि यह एक नकाबपोश महिला द्वारा की गई साजिश थी। महिला ने पार्किंग में गाड़ियों को आग लगाई थी। महिला डेढ़ मिनट के भीतर ही इस कारनामे को अंजाम देकर बिल्डिंग से बाहर निकल जाती है। घर के ठीक सामने एक दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज ने इस राज से पर्दा उठाया है। नकाबपोश महिला ज्वलनशील पदार्थ लेकर पार्किंग में घुसती नजर आई है। पुलिस संदिग्ध महिला की पहचान करने का प्रयास कर रही है। इस खुलासे के बाद स्थानीय लोग भी आगजनी के पीछे महिला की भूमिका को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं, जबकि पुलिस फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। गौरतलब है कि गोविंदपुरी इलाके के अंतर्गत तुगलकाबाद एक्सटेंशन की गली नंबर 1 में 11 और 12 जून की दरमियानी रात करीब 2:30 बजे पांच मंजिला इमारत में आग लगी थी। आग और धुएं के कारण एक ही परिवार के तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान पंकज (28), उनकी मां गुड्डी (50) और बहन सोनी (20) के रूप में हुई है, जो तीसरी मंजिल पर रहते थे। हादसे में परिवार के दो अन्य सदस्यों सहित लगभग 5 से 8 लोग घायल हुए हैं, जिनका सफदरजंग और एम्स ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है। इसमें ग्राउंड फ्लोर पर पार्क किये गये तीन स्कूटर, दो मोटरसाइकिल, एक साइकिल और चार्जिंग पर लगी एक इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी भी जलकर पूरी तरह राख हो गई थी।

सीसीटीवी में कैद हुई महिला पर आग लगाने का शक, तलाश में जुटी पुलिस

शाहबाद डेयरी के हत्या मामले में वांछित अपराधी पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने शाहबाद डेयरी थाना एरिया के एक हत्या मामले में वांछित अपराधी को गिरफ्तार किया है। कोर्ट भी इसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर चुके थे। आरोपी अंशु उर्फ आकाश (21) गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपनी जगह बदल रहा था। इसे रोहिणी से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार 23 मई को शाहबाद डेयरी के महादेव चौक पर चाकू मारने की घटना में नारायण दत्त (31) निवासी गुप्ता कॉलोनी, प्रहलादपुर घायल हुये थे। उन्हें पूठ खुर्द के महर्षि वाल्मीकि अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एमएलसी में कई धारदार हथियार के जख्म बताये गये थे। बाद में चोटों के कारण उसकी मौत हो गई थी। घटनास्थल के आसपास के एरिया में लगे कैमरों की जांच के दौरान तीन लड़कों को मृतक के साथ मारपीट करते हुए देखा गया था। इनकी पहचान सूरज, मनीष और अंशु उर्फ आकाश के रूप में हुई। सह-आरोपी सूरज और मनीष को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी अंशु शाहबाद डेयरी का ही रहने वाला है। 8वीं तक पढ़ाई के बाद वह फोटोग्राफर का काम करता है। उसके पिता रिक्शा चलाते हैं और मां का निधन हो चुका है।

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति	91-SRDEE-G-DLI-2026-27 "दिल्ली डिवीज़न में पंपों को हटाने, चालू करने और उनसे जुड़े अन्य कार्यों" से संबंधित इलेक्ट्रिकल काम।
निविदा की अनुमानित लागत	रू. 9887080.00/-
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य, डीआरएम कार्यालय, दिल्ली मंडल, उत्तरी रेलवे, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055
बयाना राशि	रू. 197800.00/
निविदा निवेदन की दिनांक व समय	06.07.2026, 16.00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय	06.07.2026, 16.00 बजे
वेब साइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, नई दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2030/2026

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **इमरान, पुत्रः** इसरार, **पताः** म.सं. 358, अपरकोट, मेन बाजार-2, खारी कुआँ देहात, लोनी, गाजियाबाद, उ.प्र.ने **FIR No. 04/2019, U/s: 379/411 IPC, थानाः करोल बाग, नई दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **इमरान,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **इमरान,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 04/2019, U/s: 379/411 IPC, थानाः करोल बाग, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त, **इमरान,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.07.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री निशात बांगढ़
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–01
(केन्द्रीय) कमरा नंबर 180
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/7857/CD/2026
(Court Matter)

जनकपुरी में गड्ढे में गिरने से हुई मौत के बाद भी नहीं चेता विभाग

आईजीएल का खुला गड्ढा बना खतरा, क्या जनकपुरी जैसी दुर्घटना का इंतजार ?

दया राम ▶▶ नई दिल्ली

राजधानी के जनकपुरी क्षेत्र में खुले गड्ढे में गिरने से हुई मौत की घटना के बाद भी विभिन्न एजेंसियां सबक लेती नजर नहीं आ रही हैं। ताजा मामला दिल्ली के नरेला क्षेत्र की संजय कॉलोनी, गली नंबर-10 का है, जहां आईजीएल (इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड) द्वारा घरेलू गैस कनेक्शन देने के लिए लगभग 10 दिन पहले सड़क खोदी गई थी, लेकिन न तो कनेक्शन का कार्य पूरा किया गया और न ही गड्ढे को भरा या सुरक्षित ढका गया। स्थानीय निवासी विनीत कुमार मिश्रा ने शनिवार को बताया कि यह गली सफियाबाद रोड को सबौली रोड से जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है, जहां दिन-रात वाहनों की आवाजाही रहती है। गली से बुजुर्ग, महिलाएं और स्कूली बच्चे भी नियमित रूप से गुजरते हैं। ऐसे में करीब 5 फुट गहरा खुला गड्ढा किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहा है। स्थानीय निवासी ने बताया कि आईजीएल के संबंधित अधिकारी लाल बहादुर को कई बार फोन कर शिकायत की गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन दिया गया। वहीं, संबंधित अधिकारी का कहना है कि कुछ तकनीकी कारणों के चलते कार्य में विलंब है। जल्द ही कार्यपूरा किया जाएगा।

■ 10 दिन से खुला पड़ा है करीब 5 फुट गहरा गड्ढा

शिकायत की गई, मिल रहा सिर्फ आश्वासन

निवासियों का आरोप है कि इस संबंध में आईजीएल के संबंधित अधिकारी लाल बहादुर को कई बार फोन कर शिकायत की गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन दिया गया। मिश्रा का कहना है कि गत दिनों जनकपुरी में खुले गड्ढे में गिरने से एक व्यक्ति की मौत की घटना ने पूरे शहर को झकझोर दिया था। इसके बावजूद यदि एजेंसियां लापरवाही बरतती हैं तो यह गंभीर चिंता का विषय है।

भाजपा व आप की निष्क्रियता के चलते लोग खटखटा रहे कांग्रेस का दरवाजाः देवेंद्र

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि वर्तमान भाजपा सरकार व आप पार्टी की निष्क्रियता के चलते दिल्ली में लोग अपने संकट और परेशानियों को लेकर कांग्रेस का दरवाजा खटखटा रहे है। कांग्रेस लोगों के दर्द को समझ रही है और तय है कि आने वाले 2029 में केंद्र में कांग्रेस सरकार बनाएगी। केंद्र में कांग्रेस सरकार बनाने का रास्ता पार्टी के बीएलए-2 की मेहनत और भाजपा की वोट चोरी के खिलाफ चुनौतीपूर्ण काम के बलबूते ही साफ होगा। यादव शनिवार को पूर्वी दिल्ली के जिला कृष्णा नगर और पटपड़गंज जिला कांग्रेस कमेटी में एसआईआर पर बीएलए-2 प्रशिक्षण शिविर में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित सांसद, मंत्री होंगे शामिल

यमुना नदी के 28 घाटों पर 'मां यमुना तट स्वच्छता अभियान' का आयोजन आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार आज, रविवार को यमुना नदी के 28 घाटों पर 'मां यमुना तट स्वच्छता अभियान' का आयोजन करेगी। 'एक संकल्प - स्वच्छ यमुना' के संदेश के साथ आयोजित होने वाला यह महा अभियान यमुना नदी को उसका गौरव लौटाने, नदी तटों को स्वच्छ बनाने, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने और जनभागीदारी को एक व्यापक जन आंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होगा।

इस अभियान में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता स्वयं ठोकर नंबर-14 गीता कॉलोनी घाट पर उपस्थित रहकर स्वच्छता अभियान का नेतृत्व करेंगी और हजारों नागरिकों के साथ श्रमदान कर स्वच्छ, निर्मल और जीवनदायिनी यमुना के संकल्प को मजबूत करेंगी। इस अभियान में दिल्ली के सांसद, सरकार के मंत्री व अन्य गणमान्यजन भी भागीदारी करेंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नदी पुनर्जीवन और जनभागीदारी आधारित विकास को नई दिशा मिली है। प्रधानमंत्री के 'स्वच्छ भारत' के संकल्प और प्रकृति संरक्षण के विजन से प्रेरित होकर दिल्ली सरकार यमुना के पुनरोद्धार को जन आंदोलन का स्वरूप देने के लिए प्रतिबद्ध है। यमुना की स्वच्छता केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। इसी भावना के अनुरूप दिल्ली सरकार समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर यमुना को स्वच्छ, निर्मल और अविरल बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

इस महा अभियान में लगभग 500 सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक और स्वयंसेवी संगठनों के साथ हजारों स्वयंसेवक व दिल्लीवासी भाग लेंगे। अभियान को व्यापक जनसमर्थन और जनभागीदारी का स्वरूप देने के लिए विभिन्न स्थलों पर दिल्ली के सांसद व कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ठोकर नंबर-14 गीता कॉलोनी घाट पर उपस्थित रहेंगी। केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा यमुना बैंक पर इस अभियान में भागीदारी करेंगे।

'मेरी यमुना, मेरा कर्तव्य' अभियान की सफलता से मिली प्रेरणा

मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष भी 'मेरी यमुना, मेरा कर्तव्य' अभियान के माध्यम से यमुना और उसके घाटों को स्वच्छ बनाने का व्यापक प्रयास किया गया था। उस अभियान में हजारों स्वयंसेवकों ने भाग लिया था और 12 टन से अधिक वेस्ट एकत्र कर उसका वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया गया था। अभियान को मिले उत्साहजनक जनसमर्थन ने यह सिद्ध किया कि जब सरकार और समाज मिलकर कार्य करते हैं तो बड़े सकारात्मक परिवर्तन संभव होते हैं। इसी अनुभव को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष का अभियान और अधिक व्यापक स्वरूप में आयोजित किया जा रहा है।

'यमुना के 28 घाटों और तटों पर एक साथ चलेगा अभियान'

मुख्यमंत्री के अनुसार, आज 14 जून को यमुना के विभिन्न घाटों, तटों और रिवरफ्रंट क्षेत्रों में एक साथ स्वच्छता एवं जन-जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी। अभियान के अंतर्गत चिल्ला गांव घाट, निजामुद्दीन घाट, ठोकर नंबर-14 गीता कॉलोनी घाट, ठोकर नंबर-18 गांधी नगर घाट, पुराना लोहे पुल घाट, सिग्नेचर ब्रिज-वजीराबाद घाट (पूर्वी तट), डेढ़ पुश्ता घाट (सोनिया विहार), चौथा पुश्ता घाट (सोनिया विहार), कर्तव्य कुंज घाट (वेस्ट बैंक), आईटीओ ओल्ड रेलवे ब्रिज स्थित हाथी घाट, रामघाट, काली घाट, श्याम घाट, यमुना बैंक, यमुनेश्वर घाट, वजीराबाद यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क (दायां किनारा), रेलवे ब्रिज यमुना बैंक, आईटीओ डाउनस्ट्रीम वेस्टर्न बैंक-1, आईटीओ डाउनस्ट्रीम वेस्टर्न बैंक-2, आईटीओ अपस्ट्रीम राइट बैंक, सराय काले खां आर/बी, ठोकर नंबर-13, कुंडेरिया घाट, निगम बोध घाट, ईस्टर्न बैंक डाउनस्ट्रीम वजीराबाद और कालिंदी कुंज डाउनस्ट्रीम (ईस्टर्न बैंक) सहित अनेक प्रमुख स्थलों पर एक साथ स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

'यमुना केवल नदी नहीं, बल्कि दिल्ली की सांस्कृतिक धरोहर'

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यमुना केवल नदी नहीं, बल्कि दिल्ली की सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यावरणीय धरोहर है। यह विशेष अभियान यमुना के घाटों पर सुबह 6 बजे से आयोजित किया जाएगा। यमुना का संरक्षण और उसकी स्वच्छता केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व भी है। इसी सोच को जन-जन तक पहुंचाने और सामूहिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह अभियान आयोजित किया जा रहा है। यमुना की स्वच्छता केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सतत जन-अभियान है, जिसमें समाज के हर वर्ग की सहभागिता आवश्यक है।

रविन्द्र इन्द्राज ने किया 20 करोड़ रूपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली देहात के बवाना विधानसभा क्षेत्र के दीप विहार में शनिवार को दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री एवं बवाना विधानसभा क्षेत्र से विधायक रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने शहरी विकास निधि के अंतर्गत लगभग 20 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर क्षेत्र में सड़कों एवं नालियों के निर्माण कार्यों की शुरुआत की गई, जिससे दीप विहार सहित आसपास के क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दीप विहार बवाना विधानसभा का अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है तथा यहां के निवासियों की लंबे समय से सड़कों एवं जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने की मांग रही है। मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि सड़कें, नालियां और अन्य आधारभूत सुविधाएं नागरिक जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं का हिस्सा हैं। इसी सोच के साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सभी विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति दी जा रही है तथा आवश्यक विकास निधि उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि जनता को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा सकें। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दूसरे दिन भी बारिश के बाद न्यूनतम पारा 6 डिग्री से ज्यादा नीचे लुढ़का

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

लगातार दूसरे दिन शुक्रवार व शनिवार की देर रात राजधानी दिल्ली में हुई झमाझम बारिश से न्यूनतम पारा 6 डिग्री से ज्यादा नीचे लुढ़क गया है। वहीं अधिकतम तापमान भी 4 डिग्री से अधिक लुढ़कने के चलते दिल्ली का मौसम सुहावना बना हुआ है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक राजघाट में सबसे अधिक 14.4 मिमी बारिश दर्ज की है। जबकि सफदरजंग वेधशाला ने समग्र दिल्ली में 5.9 मिमी बारिश रिकॉर्ड की है। आईएमडी के अनुसार इस दौरान पूसा में 13.5 मिमी, रिज एरिया में 12.1 मिमी, लोधी रोड 6.2 मिमी, मयूर विहार में 5.5 मिमी और नजफगढ़ में 5.5 मिमी, पालम में 2.2 मिमी और आया नगर में 2.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। आईएमडी ने शनिवार येलो अलर्ट जारी किया था, लेकिन देर रात खबर लिखे जाने तक कहीं कहीं बूंदाबांदी को छोड़ दे तो अच्छी बारिश देखने को नहीं मिली। आईएमडी ने रविवार के लिए ग्रीन अलर्ट जारी करते हुए अनुमान व्यक्त किया कि आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, शाम के समय बादल गरज सकते है। वहीं रविवार सहित अगले चार दिन दिल्ली में मौसम लगभग शुष्क रहेगा, आसमान में बादल जरूर नजर आ सकते है। इस बीच अधिकतम तापमान एक बार फिर गर्म होने लगेगा और तापमान बढ़कर 40-41 डिग्री तक पहुंच सकता है। आईएमडी के अनुसार शनिवार को अधिकतम पारा 35.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस नीचे है। इसी प्रकार न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ यह सामान्य से 6.6 डिग्री सेल्सियस नीचे है। यानी बारिश के बाद दिल्ली में मौसम में भारी बदलाव दर्ज हुआ जिससे लोगों ने राहत महसूस की है।

प्रवेश वाही ने कार्यकर्ता के परिवार के साथ किया रात्रि प्रवास

नई दिल्ली। बीते 12 वर्ष विश्वास, विकास और जनसेवा के प्रतीक रहे हैं। इस अवधि में भारत ने वैश्विक मंच पर एक नई पहचान स्थापित की है तथा करोड़ों नागरिकों के जीवन में सकारात्मक और ऐतिहासिक परिवर्तन देखने को मिले हैं। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने अपने वार्ड में रात्रि प्रवास के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने आधारभूत संरचना, डिजिटल क्रांति, सामाजिक कल्याण, महिला सशक्तिकरण और गरीब कल्याण के क्षेत्रों में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। महापौर वाही ने बताया कि उन्होंने अपने वार्ड में भाजपा की सक्रिय कार्यकर्ता एवं शक्ति केंद्र प्रमुख सविता गुप्ता तथा बूथ संख्या 144 की बीएलए-2, ई-16, सेक्टर-8, रोहिणी रूपाली गुप्ता के परिवार के साथ रात्रि प्रवास किया। महापौर ने परिवारजनों एवं क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के साथ आत्मीय संवाद स्थापित किया तथा संगठनात्मक गतिविधियों और जनसेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। रात्रि प्रवास के दौरान महापौर प्रवेश वाही ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत चर्चा की।

वैश्विक ईंधन कीमतों में वृद्धि के बावजूद दिल्ली सरकार ने उपभोक्ताओं को दी राहत : सूद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

वैश्विक ईंधन कीमतों में वृद्धि के बावजूद दिल्ली सरकार ने उपभोक्ताओं को राहत दी है। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पावर परचेज एडजस्टमेंट कॉस्ट (पीपीएसी) कोई नई व्यवस्था नहीं है।

यह बिजली कानूनों के तहत पहले से मौजूद एक प्रावधान है, जिसके माध्यम से बिजली कंपनियां ईंधन और बिजली खरीद की बढ़ी हुई लागत का समायोजन करती हैं। सूद ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और अन्य अंतरराष्ट्रीय कारणों से ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है। इसके कारण पिछले एक महीने में बिजली खरीद की लागत लगभग 31 प्रतिशत बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी वृद्धि के बावजूद दिल्ली सरकार के प्रयासों से उपभोक्ताओं पर इसका प्रभाव बहुत कम रखा गया है। बिजली खरीद की लागत 31 प्रतिशत बढ़ने के बावजूद दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) ने औसतन केवल 2.4 प्रतिशत पीपीएसी वृद्धि की अनुमति दी है। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि पहले पीपीएसी की सीमा 31 मार्च तक 14.5 प्रतिशत थी, जिसे अब बढ़ाकर लगभग 17.5 से 17.9 प्रतिशत किया गया है। इससे स्पष्ट है कि सरकार ने उपभोक्ताओं को बढ़ती वैश्विक ऊर्जा कीमतों के पूरे बोझ से बचाने का प्रयास किया है। सूद ने कहा कि पीपीएसी देशभर में लागू एक सामान्य नियामक व्यवस्था है और बिजली कानूनों के अनुसार इसका पालन किया जाता है।

'उपभोक्ताओं पर इस बढ़ोतरी का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा'

सूद ने कहा कि डीईआरसी का ताजा आदेश बिजली वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिति और उपभोक्ताओं के हितों के बीच संतुलन बनाए रखने का प्रयास है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्ली सरकार की बिजली सब्सिडी का लाभ लेने वाले उपभोक्ताओं पर इस बढ़ोतरी का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। ऐसे उपभोक्ताओं के बिजली बिल में कोई अतिरिक्त बोझ नहीं आएगा। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि कुछ लोग इस विषय पर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सरकार उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि बढ़ती ऊर्जा लागत का अनुचित बोझ जनता पर न पड़े।

डीयूः कैंपस ऑफ़ ओपन लर्निंग में विदेशी भाषा प्रोग्राम शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस ऑफ़ ओपन लर्निंग (सीओएल) के तहत स्कूल ऑफ़ ओपन लर्निंग (एसओएल), डिपार्टमेंट ऑफ़ डिस्टेंस एंड कंटिन्यूइंग एजुकेशन (डीडीसीई) और ओपन लर्निंग डेवलपमेंट सेंटर (ओएलडीसी) ने आठ विदेशी भाषाओं में एक साल के सर्टिफिकेट कोर्स और एक साल के डिप्लोमा कोर्स के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा कर दी है। यह जानकारी देते हुए सीओएल की निदेशक प्रो. पायल मग्गो ने बताया कि ये प्रोग्राम जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश, इटैलियन, पुर्तगाली, चीनी, जापानी और कोरियाई भाषाओं में दिल्ली विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ़ जर्मनिक एंड रोमांस स्टडीज़ और डिपार्टमेंट ऑफ़ ईस्ट एशियन स्टडीज़ के सहयोग से पेश किए जा रहे हैं।

मल्होत्रा ने मोदी सरकार की 12 साल की उपलब्धियों पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने शनिवार को शहीद राजगुरु कालेज आफ अप्लाइड साइंस की प्राध्यापिका प्रो. पायल मग्गो, कालेज की कुछ वरिष्ठ अध्यापकों एवं उत्कृष्ट छात्राओं के ग्रुप से भेंट करके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियों की पुस्तिका भेंट करके उन पर चर्चा की। हर्ष मल्होत्रा ने कालेज परिसर में लगाई गई विगत 12 साल की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियों एवं मशरूम स्किल डेवलपमेंट की प्रदर्शनी देखी और साथ कालेज के मैदान में पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा के नेता एवं विश्वविद्यालय में प्रोफेसर अभिषेक टंडन, मयूर विहार जिला भाजपा अध्यक्ष विजेन्द्र धामा एवं निगम पार्षद मुनेश ढेडा भी प्रदेश अध्यक्ष के साथ प्राध्यापिका एवं कालेज ग्रुप से मिले। प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने एक बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत के नवनिर्माण के विज़न की कालेज ग्रुप से चर्चा की और कहा कि मोदी की सरकार आज के युवाओं की कल्पना को भलीभांति समझती है और युवाओं की कल्पना के नये आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को संकल्पित है।

पेट्रोल, डीजल, गैस के बाद भाजपा बढ़ा रही है बिजली के दाम : यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि पेट्रोल, डीजल व गैस आदि पर पैसे बढ़ाने के बाद अब दिल्ली में बिजली भी मंहगी कर दी गई है। इससे पूरी तरह से साफ हो गया है कि भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार पूरी तरह फेल हो चुकी है।

यादव ने कहा कि दिल्ली की सत्ता में आने के बाद लगातार दूसरे वर्ष भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार ने गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली उपभोक्ताओं के मासिक बिलों में पीपीएसी में वृद्धि को हरी झंडी देकर सीधा बिजली वितरण कम्पनियों को फायदा पहुंचाया है। कांग्रेस मांग करती है कि बिजली बिलों पर पीपीएसी की दरों में बढ़ोत्तरी को तुरंत वापस लेकर लोगों को राहत दी जाए।

यादव ने कहा कि बिजली मंत्री आशिष सूद द्वारा बिजली कम्पनियों के महंगी बिजली खरीद पर चिंता जताने से साफ जाहिर होता है कि सरकार को दिल्ली की जनता की नहीं निजी बिजली कम्पनियों के हित की चिंता अधिक है। डीईआरसी के बिजली खरीद के अधिभार पर पीपीएसी बढ़ोतरी की मंजूरी के बाद उपभोक्ताओं के मासिक बिलों में 1 से 3.3 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

भजनपुरा वार्ड में चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

स्वच्छता ही है विकास की पहली सीढ़ी : सत्या शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

स्वच्छता ही विकास की पहली सीढ़ी है और स्वच्छ वातावरण के बिना स्वस्थ समाज की परिकल्पना संभव नहीं है। दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने स्वच्छता जागरूकता अभियान के अंतर्गत शनिवार को भजनपुरा वार्ड (घोंडा विधानसभा) के 4.5 पुस्ता क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से न केवल सफाई कार्यों को गति दी जा रही है, बल्कि नागरिकों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस अभियान में क्षेत्रीय विधायक अजय महावर, निगम पार्षद रेखा रानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान सत्या शर्मा ने स्वयं अभियान में भाग लेते हुए झाड़ू लगाकर सड़कों की सफाई की तथा सफाई कर्मियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने सफाई कर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। सत्या शर्मा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और स्थानीय निवासियों की सहभागिता से ही स्वच्छता अभियान को सफल बनाया जा सकता है। इस अवसर पर सभी उपस्थित लोगों ने क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषणमुक्त बनाए रखने का संकल्प लिया। स्थायी समिति अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली नगर निगम स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नियमित रूप से ऐसे अभियान चला रहा है और आगे भी इन्हें और व्यापक स्तर पर जारी रखा जाएगा, ताकि राजधानी को स्वच्छ और रहने योग्य बनाया जा सके।

भीड़भाड़ से बचे और 10 प्रतिशत छूट का लाभ उठाएः एनडीएमसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ 30 जून या पहले करें संपत्ति कर का भुगतान

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने क्षेत्र के करदाताओं के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के संपत्ति कर पर 10 प्रतिशत छूट (रिबेट) की घोषणा की है और भीड़भाड़ से बचने की सलाह दी है। एनडीएमसी प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह छूट उन करदाताओं को प्रदान की जाएगी जो अपने संपत्ति कर का भुगतान 30 जून, 2026 अथवा उससे पूर्व कर देंगे। एनडीएमसी क्षेत्र के सभी संपत्ति स्वामियों से आग्रह किया जाता है कि वे इस लाभकारी योजना का अधिकतम लाभ उठाते हुए समय पर अपने संपत्ति कर का भुगतान करें तथा एनडीएमसी द्वारा प्रदान की जा रही छूट के माध्यम से उल्लेखनीय बचत का लाभ प्राप्त करें। एनडीएमसी क्षेत्र के करदाता परिषद के ऑनलाइन भुगतान पोर्टल अथवा परिषद द्वारा अधिसूचित अन्य अधिकृत भुगतान माध्यमों के माध्यम से भी अपने संपत्ति कर का भुगतान कर सकते हैं। एनडीएमसी अपने क्षेत्र के सभी करदाताओं से अपील करती है कि वे अंतिम समय की भीड़भाड़ से बचने हेतु 30 जून, 2026 से पूर्व ही अपने संपत्ति कर का भुगतान करें और 10 प्रतिशत छूट का लाभ अवश्य प्राप्त करें।

खबर संक्षेप

अर्जन देव जी महाराज के 420 में शहीदी दिवस

गाजियाबाद। धन धन श्री गुरु अर्जन देव जी महाराज के 420 में शहीदी दिवस के उपलक्ष में गुरुमति

विद्या कार्यशाला का आयोजन गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा नवीन पार्क राजेंद्र नगर साहिबाबाद गाजियाबाद में हुआ। जिसमें गुरमुखी पंजाबी भाषा गुरु इतिहास की जानकारी जपुजी साहिब कंठ करवाना गुरबाणी कीर्तन शस्त्र विद्या गतका, कविता पढ़ने भाषण देना, दस्तार सजाना और नाटिका जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।

रोटरी क्लब ने लगाया जेल में रक्तदान शिविर

फरीदाबाद। जिला अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश राजेश गर्ग की सेवानिवृत्ति पर रोटरी क्लब ऑफ

ईस्ट ने नीमका जेल में रक्तदान शिविर लगाया। जिसमें लगभग 100 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में डीजीपी जेल आलोक मित्तल मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और रक्तदान करने वालों से रक्तदान करने का आह्वान किया।

20 लाख लोगों तक स्माइल फाउंडेशन की सेवाएं

गुरुग्राम । स्माइल फाउंडेशन ने इंटीग्रेटेड कम्युनिटी हेल्थकेयर के जरिए वर्ष 2025-26 में 20 लाख

लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं दी हैं। साल 2006 में प्रोग्राम की शुरुआत के बाद से 70 लाख से अधिक लोगों का इलाज पर कार्यकारी ट्रस्टी सांतनु मिश्रा ने कहा कि हमारे डॉक्टर, नर्स, कार्यकर्ता और पार्टनर्स सबसे चुनौतीपूर्ण इलाकों में सेवाएं दे रहे हैं।

झपटमारी करने का आरोपी काबू, फोन बरामद

फरीदाबाद। पुलिस चौकी सेक्टर 15 ए के अंतर्गत व्यक्ति से फोन स्नेचिंग के मामले में क्राइम ब्रांच

सेक्टर-48 की टीम ने देवेन को गिरफ्तार किया है। नरेंद्र वासी सेक्टर-15ए ने पुलिस चौकी सेक्टर-15ए में दी शिकायत में बताया कि 24 मई की रात को वह गांव अजरौंदा से दुध की थैली लेकर आ रहा था तथा फोन पर बात कर रहा था तभी पीछे से तीन बाइक सवार लडके उसके हाथ से फोन छीनकर फरार हो गए।

265 ग्राम गांजा सहित व्यक्ति को किया काबू

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर-48 की टीम ने 265 ग्राम गांजा सहित एक व्यक्ति को गिरफ्तार

किया है। जिसकी पहचान मुकेश निवासी गांधी कालोनी एनआईटी फरीदाबाद के रुप में हुई है। 12 जून को क्राईम ब्रांच सेक्टर-48 की टीम ने सूचना पर मुकेश को 265 ग्राम गांजा सहित एनआईटी क्षेत्र में गिरफ्तार किया था। जिसके विरुद्ध थाना एनआईटी में एनडीपीएस की धारा के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया।

पिता पर चाकू से हमला करने वाला बेटा गिरफ्तार

फरीदाबाद। थाना पल्ला पुलिस टीम ने पिता के साथ मारपीट और चाकू से हमला करने के मामले में

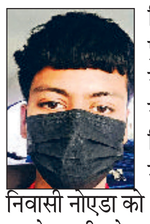

शिकायतकर्ता के पुत्र भरत निवासी गांव खरकानाटोली, जिला बागेश्वर उत्तराखंड हाल निवासी नोएडा को 11 जून तथा उसके साथी ओमकार को 12 जून को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि भरत की मां और उसके पिता के बीच विवाद चल रहा था।3 अप्रैल को पिता ने फोन पर उसकी मां के साथ गाली-गलौज की थी।

जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य

मोदी सरकार के 12 सालों में उद्योग, व्यापार व सुशासन को मिली नई दिशा

प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि कृषि और उद्योग शासन की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल हैं। सरकार का लक्ष्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक न्याय एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

प्रधानमंत्री श्नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकास भवन सभागार में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित उद्यमी परिचय बैठक व मीडिया संवाद कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री एवं प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह के अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

इस दौरान उद्यमियों एवं व्यापारी बंधुओ से परिचय प्राप्त किया गया। प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि कृषि और उद्योग शासन की

प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल हैं। सरकार का लक्ष्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक न्याय एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। मंत्री ने कहा कि लघु, मध्यम एवं बड़े सभी उद्योग देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। प्रदेश में कानून व्यवस्था में हुए व्यापक सुधार के कारण उद्यमियों का विश्वास बढ़ा है तथा उद्योग एवं व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है।

इसके परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में उद्योगों का विस्तार हुआ है और निवेश को नई गति मिली है। उन्होंने उद्यमियों से अपने संसाधनों का उपयोग उद्योगों के विस्तार में कर, देश के विकास में अधिक योगदान देने का आह्वान किया।

सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

मंत्री ने कहा कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। एनसीआर क्षेत्र में उद्यमियों के लिए सड़क, रेल एवं हवाई संपर्क जैसी बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध है। इसके साथ ही उद्योगों के लिए आवश्यक सुरक्षा, संपर्क व्यवस्था एवं विद्युत आपूर्ति जैसी मूलभूत सुविधाएं भी सुदृढ़ हैं। उद्योगों की स्थापना एवं उनके विस्तार को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रशासन का सहयोग उद्योग एवं व्यापार क्षेत्र को प्राप्त हो रहा कार्यक्रम के दौरान उपस्थित उद्यमियों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश और देश की तस्वीर बदली है।

मुख्य प्रधान सचिव अनुराग रस्तोगी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिए निर्देश

नीट यूजी 2026 परीक्षा की तैयारियों में किसी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं

सभी केंद्रों का पुनः निरीक्षण कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हरियाणा सरकार में मुख्य प्रधान सचिव अनुराग रस्तोगी ने नीट-यूजी 2026 की परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी जिलों के उपायुक्तों, पुलिस अधीक्षकों, आयोग अधिकारियों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। वे शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

सुरक्षा एजेंसियों की सतत निगरानीः मुख्य प्रधान सचिव ने कहा कि नीट-यूजी 2026 राज्य की अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील परीक्षा हैए इसलिए परीक्षा की पवित्रता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया के प्रत्येक चरण पर प्रशासनिक एवं सुरक्षा एजेंसियों की सतत निगरानी आवश्यक है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के उपरांत उपायुक्त आयुष सिन्हा ने कहा कि नीट यूजी की परीक्षा 21 जून 2026 को जिला के 19 परीक्षा केंद्रों पर दोपहर 2 बजे से लेकर सायं 5.15 बजे तक आयोजित की जाएगी। उन्होंने परीक्षा को शांतिपूर्ण, पारदर्शी और नकल मुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

> मुख्य प्रधान सचिव ने कहा कि नीट-यूजी 2026 राज्य की अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील परीक्षा हैए इसलिए परीक्षा की पवित्रता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया के प्रत्येक चरण पर प्रशासनिक एवं सुरक्षा एजेंसियों की सतत निगरानी आवश्यक है।

परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, शेड, बिजली, सीसीटीवी, बायोमेट्रिक एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की विशेष निगरानी

परीक्षा की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता

डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वारों पर अभ्यर्थियों के लिए पर्याप्त शेड एवं आवश्यकतानुसार अस्थायी टेंट की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रवेश बिंदुओं का विशेष निरीक्षण करने तथा सभी केंद्रों पर बिजली आपूर्ति एवं जनरेटर बैकअप की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए निर्देश दिए कि सभी इनविजिलेटर एवं सेंटर सुपरिंटेंडेंट निर्धारित ऑनलाइन प्रशिक्षण मॉड्यूल को अनिवार्य रूप से पूरा करें तथा उसका प्रमाण.पत्र भी प्राप्त करें।

सभी व्यवस्थाएं पहले से दुरुस्त रखने के निर्देश

डीसी ने परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि पिछली परीक्षाओं के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। सभी परीक्षा केंद्रों का पुनः निरीक्षण कर समयबद्ध रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा फर्नीचर, कक्षों, शौचालयों, पेयजल एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं की जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि पिछली बार प्राप्त शिकायतों को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं पहले से दुरुस्त कर ली जाएं।

नीमका जेल में कैदी रंकित भड़ाना की मौत

परिजनों ने की डिप्टी सुपरिटेंडेंट के खिलाफ एफआईआर की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

नीमका जेल में कैदी रंकित भड़ाना की मौत के मामले में उसके स्वजन शनिवार को केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर से मिलने पहुंचे।

वे नीमका जेल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट पर आत्महत्या के लिए मजबूर करने की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करने की मांग कर रहे हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री ने इन लोगों को उचित कार्रवाई करने का भरोसा

दिया है। मृतक का शव 8 जून को जेल के बाथरूम में फंदे पर लटका मिला था।

क्राइम ब्रांच सेंट्रल की टीम की कार्रवाई

देसी कट्टा के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

क्राइम ब्रांच सेंट्रल की टीम ने एक व्यक्ति को अवैध देसी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान रिजवान के रूप में हुई है।पुलिस प्रवक्ता अनुसार क्राइम ब्रांच सेंट्रल को सूचना प्राप्त हुई कि गांव सिरोही के रहने वाला रिजवान के पास अवैध हथियार है और कैली बाई पास के पास मौजूद है।

सूचना पर कार्रवाई करते हुए क्राइम

ब्रांच की टीम ने रिजवान को कैली बाई पास के पास से काबू किया है।

पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

टेलिग्राम टास्क के नाम पर 16,34,521 रुपए की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद पुलिस के साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने टेलिग्राम टास्क के नाम पर 16,34,521 रुपए की साइबर ठगी के मामले में दो आरोपियों को काबू किया है। जिनकी पहचान भूपिन्द्र सिंह निवासी गांव कोट भगतू, जिला बठिंडा पंजाब तथा अर्जन सिंह के रूप में हुई है।

जिनको 11 जून को बठिंडा पंजाब से गिरफ्तार किया गया है।पुलिस प्रवक्ता के अनुसार एक महिला ने साइबर थाना सेंट्रल में शिकायत दी थी कि 21 जून को टेलिग्राम के माध्यम से कुछ लोगों ने उससे संपर्क किया। ठगों ने उसे होटलों की रेटिंग कर प्रतिदिन 5-6 हजार रुपये कमाने का लालच दिया। इसके बाद उसे एक लिंक भेजकर पंजीकरण कराया गया और बोनस के रूप में 10 हजार रुपए दिखाए गए। बाद में उसको पेड टास्क करने के लिए कहा गया और टास्क के नाम पर उससे विभिन्न खातों में पैसे जमा करवाए गए। जब उसने अपनी राशि निकालने की कोशिश की तो उससे और पैसे जमा कराने की मांग की गई। आरोपियों ने झांसे में लेकर उससे कुल 16,34,521 रुपये की ठगी कर ली। शिकायत के आधार पर साइबर थाना सेंट्रल में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी अर्जन सिंह ने अपनी पत्नी का बैंक खाता भूपिन्द्र सिंह को उपलब्ध कराया था। उक्त खाते में ठगी के प्राप्त 2,94,000 रुपए आए थे, जिनको अर्जुन ने खाता से निकलकर भूपिन्द्र को दिए गए थे।

सुको के आदेश पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

दीपावली व पंचशील कॉलोनी पर लटकी तोड़फोड़ की तलवार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद की दीपावली और पंचशील कॉलोनी पर लटकी तोड़फोड़ की तलवार, नोटिस जारी फरीदाबाद। एनआईटी तीन नेहरू कॉलोनी में 300 मकानों में तोड़फोड़ के बाद अब सेक्टर-91 स्थित दुर्गा बिल्डर की भूमि पर विकसित कालोनियों पर संकट के बादल मंडरा गए है। बिना लाइसेंस के विकसित की गई दीपावली कालोनी और पंचशील कालोनी में रहने वाले लोगों को डीटीपीई की ओर से नोटिस जारी किए गए है।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि अधिसूचित टाउन एंड कंट्री प्लानिंग क्षेत्र में बिना लाइसेंस विकसित की गई कॉलोनियों और सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर किए गए अतिक्रमण, अवैध निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के दायरे में दीपावली कालोनी और पंचशील कालोनी सहित आसपास की कई बस्तियां आ सकती हैं।

राज्यमंत्री राजेश नागर से भी तोड़फोड़ रूकवाने की गुहार

लोगों को चेतावनी दी गई है कि वह किसी भी प्रकार का नया निर्माण नही करें और बिना वैधता जांचे कोई प्लॉट या संपत्ति नहीं खरीदे। विभाग से नोटिस मिलने के बाद लोग जनप्रतिनिधियों का दरवाजा खटखटाने लगे हैं। लोगों ने राज्यमंत्री राजेश नागर से भी तोड़फोड़ रूकवाने की गुहार लगाई है।

370 पव्वे, 94 अध्धे व 11 बोतल शराब बरामद

अवैध शराब तस्करी के अलग-अलग मामलों में दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

पुलिस की विभिन्न टीमों ने कार्रवाई करते हुए अलग-अलग जगहों से 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से देशी व अग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि अपराध शाखा सेक्टर-65 की टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुये ब्रह्मसिंह सैनी निवासी ऊंचा गांव जिला फरीदाबाद को मलेरना रोड सेक्टर-62 से गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से 170 पव्वे, 94 अध्धे व 11 बोतल देशी व अग्रेजी शराब बरामद हुई है। जिसके खिलाफ थाना आदर्श नगर के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी पर पूर्व में भी अवैध शराब बेचने के मामले दर्ज है। इसी प्रकार अपराध शाखा एनआईटी की टीम ने वाल्मीकी मौहल्ला एनआईटी फरीदाबाद, निवासी आकाश को 200 पव्वे देशी शराब सहित गिरफ्तार किया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राजू गुप्ता उर्फ राजीव गुप्ता पुत्रः जगदीश प्रसाद पताः मकान नं. 78ए, केवल पार्क, आजादपुर, दिल्ली** ने case **FIR No. 719/2014 U/s 420/34/174A IPC, थानाः शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजू गुप्ता उर्फ राजीव गुप्ता** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजू गुप्ता उर्फ राजीव गुप्ता** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 719/2014 U/s 420/34/174A IPC, थानाः शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राजू गुप्ता उर्फ राजीव गुप्ता** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद / मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 18.07.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री भारती बेनिवाल
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–05
उत्तर, रूम नं. 114, प्रथम तल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/7769/ON/2026 (Court Matter)

50 हजार का इनामी है बदमाश

ओमकार सिंह अपहरण कांड में फरार गौरव नागर गाजियाबाद पुलिस मुठभेड़ में घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

थाना लोनी पुलिस ने शनिवार को पुलिस मुठभेड़ के दौरान 50हजार के इनामी कुख्यात बदमाश को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की ओर से चली गोली से बदमाश घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बदमाश ग्राम गनौली के ओमकार सिंह के अपहण कांड में फरार चल रहा था।

डीसीपी (ग्रामीण) एसएन तिवारी ने बताया कि गुप्त सूचना पर लोनी पुलिस टीम बंथला चिरोड़ी मार्ग पर नहर के पास चेकिंग कर रही थी। तभी एक सफेद स्विफ्ट कार बंथला की ओर से चिरोड़ी की तरफ की आती दिखाई दी जिसे रुकने का इशारा किया तो नहीं रुकी।

पुलिस टीम ने पीछा किया तो गाड़ी सड़क किनारे खड़े एक पेड़ से टकरा गई और कार चालक कार से उतरकर पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से फायर करके भागने लगा। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ व जवाबी कार्यवाही में बदमाश के दोनों पैरों में गोली लगी। जिसे पुलिस ने दबोच लिया।पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम गौरव नागर निवासी ग्राम बादलपुर, थाना बादलपुर, गौतमबुद्धनगर बताया।

शव रोहटा मेरठ रोड पर गंगानगर में फेंक दिया था

आरोपी ने पुलिस को बताया कि मैने अपने साथियों के साथ मिलकर ओमकार पुत्र राममेहर निवासी ग्राम गनौली, थाना लोनी, गाजियाबाद का अपहरण कर हत्या कर शव रोहटा मेरठ रोड पर गंगानगर में फेंक दिया था।उसके कब्जे से एक स्विफ्ट कार,01 पिस्टल 32 बोर मय 2 जिंदा व 2 खोखा कारतूस बरामद हुए। अभियुक्त के विरुद्ध एनसीआर क्षेत्र में करीब आधा दर्जन अभियोग पंजीकृत है ।

सरिया-फावड़े से हमला, 7 लहूलुहान

दो साल की बच्ची ने तोड़े फूल तो चले लाठी-डंडे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

मोदीनगर के भोजपुर के गांव नंगौला अमीपुर में शुक्रवार दोपहर दो वर्षीय बच्ची द्वारा पड़ोसी के घर से फूल तोड़ने पर बलवा हो गया। गुस्साए आरोपियों ने घर में घुसकर परिवार पर सरिया, फावड़ा और लाठी डंडों से हमला कर दिया।

हमले में बच्ची समेत सात लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए मोदीनगर भेजा गया जहां से गंभीर हालत के चलते एक युवक को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। गांव नंगौला अमीपुर में आसिफ और फुरकान पास पड़ोस में रहते है। युवती सायदा ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे उनके भाई आसिफ की दो वर्षीय पुत्री अनाया घर के आंगन में खेल रही थी। बच्ची खेलते हुए पड़ोसी के यहां पहुंच गई और उसने वहां से फूल तोड़ लिया।

इससे गुस्साए पड़ोसी की पत्नी ने बच्ची अनाया को धक्का देकर गिरा दिया और उसकी पिटाई कर दी। बच्ची के रोने के आवाज सुनकर सायदा अपनी भतीजी रिजा के साथ पड़ोसी के यहां पहुंची और घटना का विरोध जताया।

गुस्साए आरोपियों ने उनकी भी पिटाई की। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 84 BNSS देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अनीता महतो पत्नी आरआर महतो निवासी आरजेड–75, आई ब्लाक, वेस्ट सागरपुर, नई दिल्ली** ने केस **एफआईआर नं. 542/2020, अन्तर्गत धारा 379/411/34 आईपीसी, थाना बवाना, आउटर नॉर्थ, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अनीता महतो** मिल नही रहा है, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अनीता महतो** फरार हो गया हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा हैं) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **एफआईआर नं. 542/2020, अन्तर्गत धारा 379/411/34 आईपीसी, थाना बवाना, आउटर नॉर्थ, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अनीता महतो** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.07.2026** को या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
भारती बेनीवाल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–05
कोर्ट कमरा नं. 114, प्रथम तल
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/7887/ON/2026 (Court Matter)

खबर संक्षेप

रांची एयरपोर्ट पर जमकर बरस रहा पैसा

रांची। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट ने मुनाफे के मामले में पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया है। एयरपोर्ट के निदेशक विनोद कुमार ने कहा कि एयरपोर्ट ने वित्त वर्ष 2025-26 में 87.56 करोड़ का शुद्ध मुनाफा कमाया है,इस अवधि में यात्रियों की संख्या बढ़कर 27 लाख हो गई। कहा कि यात्रियों की संख्या, सुविधाओं, वित्तीय प्रदर्शन और बुनियादी ढांचे के विकास में एयरपोर्ट की शानदार प्रगति झारखंड की आर्थिक उन्नति को दिखाती है।

नियोजित शिक्षकों को 4 महीने से सैलरी नहीं

पटना। बिहार के नियोजित शिक्षकों के बकाया वेतन व प्रमोशन के मुद्दे पर सियासत फिर गरमा गई है। राजद ने गंभीर मामले को लेकर सीधे राजभवन का दरवाजा खटखटाया है। आरजेडी प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने राज्यपाल को आधिकारिक पत्र लिखकर नियोजित शिक्षकों को समय पर वेतन भुगतान कराने व नियमावली के प्रावधानों के तहत उन्हें प्रोन्नति देने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की है।

छात्राओं की शिकायत सुन डीएम रह गए अवाक

ललितपुर। यूपी के ललितपुर के एक राजकीय महाविद्यालय में कार्यरत एक शिक्षक यहां पढ़ने वाली छात्राओं से क्लास रूम बंद करके बात करते हैं। उनसे कहते हैं कि 'तुम मेरा काम कर दो, मैं तुम्हारा काम कर दूंगा'। कलेक्ट्रेट में पीड़ति छात्राओं के मुंह से यह बातें सुनकर डीएम सत्य प्रकाश आवाक रह गए।

काशी में मणिकर्णिका घाट पर

शूटर जसपाल राणा का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

भारतीय निशानेबाज़ जसपाल राणा का पार्थिव शरीर शिवपुर के चांदमारी रिंग रोड स्थित द कासा रिजॉर्ट पर पहुंचा। यहां पर शव को बाक्स से निकालकर अर्थी सजाई गई। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के पुत्र विधायक पंकज सिंह समेत कई लोगों ने अर्थी को कंधा देते हुए एंबुलेंस पर रखा और मणिकर्णिका घाट के लिए रवाना हुए। शूटर

जसपाल राणा के अंतिम संस्कार के लिए मणिकर्णिका घाट पर चिता पहले से सजाई गई थी। इसके बाद शाम सात बजे तक पार्थिव शरीर घाट पर पहुंचा और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू हुई।

राम मंदिर के दानपात्र से कथित धन गबन मामले में रुदौली क्षेत्र से 10 से 12 लाख रुपये बरामद किए गए। आरोपी मंदिर कर्मी के घर पर कार्रवाई हुई।

आरोपी कार मिस्त्री को एक साल पहले ट्रस्ट में मिली थी नौकरी

राम मंदिर के दान में गबन बरामद हुए 12 लाख रुपए

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

राम मंदिर के दानपात्र से धन गबन के आरोप में रुदौली क्षेत्र के मीनापुर ठकुरन फगौली गांव में छापेमारी कर 10 से 12 लाख रुपए बरामद किए गए। कार्रवाई राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में की गई। बरामदगी आरोपी लवकुश मिश्रा के घर से हुई, जो मंदिर में कर्मी के रूप में कार्यरत रहा है। लवकुश के पिता बच्चूलाल ने बताया कि ट्रस्ट के तीन-

चार लोग उनके घर पहुंचे और ताला तोड़कर नकदी अपने साथ ले गए। उन्होंने कहा कि उन्हें इस धन के बारे में कोई जानकारी नहीं थी क्योंकि वे गाजियाबाद में रह रहे थे।

मंदिर में नौकरी मिलने के बाद आर्थिक स्थिति तेजी से बदली: उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फैजाबाद में बन रहे मकान का उनके बेटे से कोई संबंध नहीं है और मकान निर्माण के लिए उन्होंने 10-12 बीघा खेत गिरवी रखा है। ग्रामीणों के अनुसार, लवकुश पहले कार मिस्त्री था और मंदिर में नौकरी मिलने के बाद उसकी आर्थिक स्थिति तेजी से बदली थी। वहीं गांव में यह भी चर्चा है कि कुछ रुपये घूर में छिपाकर रखे गए थे, जिन्हें पुलिस ने

एक साल पहले उसे मंदिर ट्रस्ट में नौकरी मिली थी

ग्रामीणों के अनुसार, लवकुश पहले कार मिस्त्री था। शादी के बाद करीब एक साल पहले उसे मंदिर ट्रस्ट में नौकरी मिली थी। गांव आने पर वह खूब पैसे खर्च करता था, यहां तक कि एक बार उसने शराब ठेके पर 50 हजार रुपये उड़ाए थे। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि पुलिस ने लवकुश की ओर से घूर में छिपाए गए रुपये भी बरामद किए हैं।

आजमगढ़ में बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

बेटियों पर ऐसी टिप्पणी बर्दाश्त नहीं, अपने चेले-चपाटों को समझाएं सपा प्रमुख अखिलेश यादव

एजेंसी ▶▶ आजमगढ़

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आजमगढ़ में 955 करोड़ की 39 परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। उन्होंने कांग्रेस व सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा सरकार में देश 'नए भारत' का दर्शन कर रहा है और आजमगढ़ में विकास को गति मिली है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में भारत की पहचान भ्रष्टाचार के नाम पर थी। विश्व में सम्मान नहीं मिलता था। देश की सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीर नहीं थी। नक्सलवाद चरम पर था। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश एक नए भारत के रूप से उभर रहा है और देश की जनता एक नए भारत का दर्शन कर रही है।

कहा कि 2017 के पहले भी यहां पर ब्लैक पाटरी और मुबारकपुर की रेशमी साड़ी थी लेकिन पूर्व की सरकारों में इनको पहचान नहीं मिली। इसका प्रमुख कारण सरकारों की नकारात्मक मानसिकता थी। 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी। 2017 में यूपी में भाजपा की सरकार बनने के बाद डबल इंजन की सरकार में यूपी में विकास को गति मिली, जो आज भी चल रही है। डबल इंजन की सरकार में ब्लैक पाटरी और मुबारकपुर की रेशमी साड़ी को विश्व फलक पर पहचान मिली है।

खास बातें

- कांग्रेस व सपा सरकारों में भ्रष्टाचार, सुरक्षा पर सवाल उठाए
- ब्लैक पॉटरी, मुबारकपुर रेशमी साड़ी को विश्व पहचान मिली

इस बार निरहुआ को जिताइए

सीएम योगी ने कहा कि आजमगढ़ में 10 विधानसभा सीटें हैं। भाजपा ने एक भी नहीं जीतीं। इसके बावजूद हमारी सरकार ने आजमगढ़ के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले चुनाव में निरहुआ की जीत जरूर होगी। उन्होंने आजमगढ़ से सांसद रहे निरहुआ की चुटकी लेते हुए कहा कि मैं तो कहता हूं कि अपनी कुछ फिल्मों की शूटिंग यहां भी किया करो। आजमगढ़ के नौजवानों को भी अपनी कला के प्रदर्शन का मौका दो।

महाराजा सुहेलदेव विवि में 955 करोड़ की 39 परियोजनाओं का लोकार्पण

महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय में 955 करोड़ की 39 परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को सम्बोधित करते हुए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला। कहा कि इनकी सरकारों में अयोध्या में प्रभु श्रीराम का मंदिर नहीं बना। सपा की सरकार में हर आतंकी घटना में संजरपुर का नाम आता था। सपा सरकार में बेटियों की पढ़ाई से लेकर उनकी सुरक्षा को लेकर कोई योजना नहीं थी। युवाओं को भ्रमित करने का काम समाजवादी पार्टी की सरकार ने किया। अब बेटियों की पढ़ाई से लेकर उनकी सुरक्षा तक की जिम्मेदारी सरकार निभा रही है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव को नसीहत देते हुए कहा कि अभी कुछ दिन पूर्व ही इनकी बेटी के खिलाफ किसी ने टिप्पणी की थी।

आजमगढ़ विकास की तेज रफ्तार के साथ आगे बढ़ रहा

सीएम ने कहा कि सपा की सरकार में आजमगढ़ के सामने अपनी पहचान का संकट था। आज आजमगढ़ विकास की तेज रफ्तार के साथ आगे बढ़ रहा है। जितनी तेज गति होगी, उतनी ही तेज प्रगति होगी। कहा कि आजमगढ़ को सुरक्षित और समृद्ध बनाने के लिए डबल इंजन कि सरकार कार्य कर रही है।

7 मई को मंत्री पद की शपथ ली थी

फिलहाल मंत्री बने रहेंगे दीपक सम्राट चौधरी ने दूर किया सस्पेंस

एजेंसी ▶▶ पटना

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश के मंत्री पद पर संशय फिलहाल दूर हो गया है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्पष्ट कहा कि दीपक आज भी मंत्री हैं और आगे भी बने रहेंगे।

माना जा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी ने गेंद कुशवाहा के पाले में डाल दी है। अब रालोमो चीफ को देखना है कि वह अपने बेटे को मंत्री पद पर बनाए रखने के लिए क्या कदम उठाते हैं। दरअसल, बिहार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश अभी किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं।

भाजपा ने उपेंद्र कुशवाहा के पाले में डाली गेंद?

सीएम सम्राट के इस बयान के मायने निकाले जा रहे हैं। राजनीतिक जानकारों के अनुसार भाजपा ने गेंद उपेंद्र कुशवाहा के पाले में डाल दी है। अब कुशवाहा को यह तय करना है कि अपने बेटे को वह सम्राट कैबिनेट में बनाए रखने के लिए क्या कदम उठाते हैं। **नवंबर 2026 के पहले सप्ताह तक कैबिनेट में रह सकते हैं:** नई सम्राट चौधरी सरकार में दीपक प्रकाश ने 7 मई को मंत्री पद की शपथ ली थी। नियमों के अनुसार, नवंबर 2026 के पहले सप्ताह तक बिना विधायक या एमएलसी बने वह कैबिनेट में रह सकते हैं।

भाजपा ने राजनीति में खत्म कर दिया भाषाई शिष्टाचार: अखिलेश

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

सपा अध्यक्ष, लोकसभा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मैनपुरी में मीडिया से कहा कि भाजपा विपक्षी नेताओं की छवि खराब करती है। भाजपा के लोग असंसदीय भाषा बोलते हैं। उन्होंने राजनीतिक शिष्टाचार खत्म कर दिया है। ये खराब भाषा का प्रयोग करते हैं। समाजवादी पार्टी ने हमेशा भाषा और शब्दों के चयन का ध्यान रखा है। हमने कभी भी एक सीमा के बाहर जाकर विरोध नहीं किया, लेकिन भाजपा के लोगों ने लोकतंत्र की गरिमा के साथ खिलवाड़ किया है।

सपा में पीडीए को मिलेगी भागीदारी

उन्होंने कहा कि भाजपा नेता न किसी नेता का सम्मान करते हैं और न उसके सम्मान की परवाह करते है। भाजपा के लोगों ने ऐसी भाषा का प्रयोग किया है, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में शंकराचार्य का भी अपमान हुआ है। शंकराचार्य भी पीड़ित, दुःखी, अपमानित (पीडीए) हैं। समाजवादी सरकार में पीडीए को बड़े पैमाने पर भागीदारी मिलेगी। संसद में महिला आरक्षण बिल पास हो चुका है। सरकार 2027 में महिला आरक्षण लागू कर दें।

अखिलेश ने ईवीएम के जलने पर उठाए सवाल

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में इस्तेमाल हुई चार हजार ईवीएम के आग में जल जाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि यह शक का फसाना है, बाकी जनता खुद समझदार है।

एडिशनल एसपी को निगरानी की जिम्मेदारी

माफिया घोषित होंगे 84 अपराधी, 30 जून तक बड़ी तैयारी में यूपी पुलिस

एजेंसी ▶▶ बरेली

अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए यूपी पुलिस लगातार ऐक्शन ले रही है। इसी कड़ी में बरेली के एसएसपी अनुराग आर्य ने जघन्य अपराधों में शामिल 84 अपराधियों का चिह्नीकरण कराया है, जिन्हें माफिया घोषित किया जाएगा।

यह कार्रवाई 30 जून तक पूरी की जाएगी, एडिशनल एसपी को निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि अपराध और अपराधियों पर रोकथाम के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है।इनकी निगरानी के लिए गैंगस्टर, गैंग पंजीकरण, हिस्ट्रीशीट खोलने और माफिया घोषित करने की कार्रवाई भी की जाती है। इसी कड़ी में लूट, चोरी, डकैती, हत्या, मादक पदार्थ तस्करी, गोकशी, जमीनों पर अवैध कब्जे जैसे अपराधों में शामिल 84 अपराधियों का चिह्नीकरण करके माफिया घोषित कराया जा रहा है। इनकी सूची तैयार कराकर सभी थानों को सौंप दी गई है और संबंधित एडिशनल एसपी को 30 जून तक यह कार्रवाई पूरी कराने के निर्देश दिए हैं।

8 अपराधियों के गैंग रजिस्टर्ड

हत्या, लूट, डकैती, गोकशी जैसे जघन्य अपराधों में शामिल आठ अपराधियों के गैंग पंजीकृत किए गए हैं। 21 अन्य अपराधियों को गैंग के सदस्य के तौर पर पंजीकृत किया है। जल्दी ही इन सभी के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई भी होगी।

झारखंड में बड़ा हादसा

अवैध खनन के दौरान खदान में फंसे चार मजदूरों की मौत

एजेंसी ▶▶ रामगढ़

झारखंड के रामगढ़ जिले में बड़ा हादसा सामने आया है। यहां के सीसीएल अरगड्डा में बंद पड़ी खदान में अवैध खनन के दौरान गैस रिसाव शुरू हो गया। इस दौरान खदान में घुसे मजदूरों की जान सांसत में आ गई। एक मजदूर को बाहर निकाल लिया गया है, लेकिन 4 मजदूर खदान में ही फंस गए हैं। फंसे हुए मजदूर को बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा था, लेकिन 4 लोगों की मौत हो गई।

अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

खदान से मजदूरों को रेस्क्यू करके बाहर निकाला गया, इसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। नए खोदे गए अवैध खदान में मिट्टी निकासी कर रहे थे। दस बजे तक बाहर नहीं आने पर देखने गए अन्य दो मजदूर भी वहीं फंस गए। लगभग 11.30 बजे रेस्क्यू टीम मजदूरों को बाहर निकालने के बाद अस्पताल भेजा गया था। मरने वाले मजदूरों ने देव कुमार बेदिया(25 वर्ष), डब्लयू बेदिया (26 वर्ष) स्थानीय छोटकी टोंगी के रहने वाले, किशोर रवानी (26 वर्ष) और आशीष रजवार (29 वर्ष) सिरका बुध बाजार निवासी के रूप में पहचान हुई है।

पेज एक का शेष

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज ...

दौरान उन्होंने सेना में कई महत्वपूर्ण पदों (प्रशासनिक, परिचालन, स्टाफ और रणनीतिक) पर अपने कर्तव्य का बखूबी पालन किया है। मौजूदा साल में उप सेनाप्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने से पहले लेफ्टिनेंट जनरल सेठ सेना की दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिणी-कमांड के कमांडर के रूप में कार्य कर चुके हैं।

आधुनिकीकरण में निभाई अहम भूमिका: सेना के आधुनिकीकरण में उनके काम को काफी सराहना मिली। फिर उन्होंने सेना मुख्यालय में रणनीतिक योजना, क्षमता विकास विभागों में जरूरी पदों पर काम किया। उभरती हुई प्रौद्योगिकियों, भविष्य के युद्धक्षेत्र की अनिवार्यताओं के साथ परिचालन जरूरतों का समावेश करने में भी लेफ्टिनेंट जनरल सेठ का अहम योगदान रहा है। वर्तमान में सेना में उन्हें एक कुशल सैन्य पेशेवर के रूप में जाना जाता है।

भारतीय नाविकों वाले...

इस बात की पुष्टि की है कि चालक दल के सभी सदस्य पूरी तरह से सुरक्षित हैं। जहाज पर किसी भी तरह का कोई हमला या आगजनी नहीं हुई है। इसलिए इस संबंध में मीडिया में जो भी खबरें चल रही हैं। वह पूरी तरह से गलत और निराधार हैं। इसके अलावा केंद्र सरकार ने जनता से भी यह अपील की है कि वह सोशल मीडिया पर चल रही ऐसी किसी भी अफवाह पर आंख मूंदकर भरोसा न करें।

फैक्ट चेक ने खोली फर्जीवाड़े की पोल : मंत्रालय ने एक्स पर अपने आधिकारिक फैक्ट चेक के माध्यम से भी जहाज पर हमले संबंधी सभी खबरों को फर्जी बताया और उनकी सोशल मीडिया पर भी पोल खोलकर रख दी है। india sentin नामक एक एक्स हैंडल के जरिए एक पोस्ट की गई थी। जिसमें यह लिखा था कि एक सप्ताह के अंदर भारतीय चालक दल वाले चौथे जहाज एमटी लायिकी फ्रीडम पर ओमान के तट के पास अमेरिका ने हमला कर दिया है और उसमें चार लोगों की मौत हो गई है। इस पोस्ट के तथ्यों की जहाज के मार्शल से सीधे संपर्क साधकर एमईए ने जमीनी सच्चाई का पता लगाया। फिर लाल रंग के साथ फेक (गलत खबर) का ठप्पा लगाकर पोस्ट को पूरी तरह से फर्जी और भ्रामक करार दे दिया।

जयशंकर की रुबियो से हुई चर्चा : उधर, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 13 जून को तड़के अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो टेलीफोन पर बातचीत की है। जिसमें उन्होंने मुख्य रूप से ओमान की खाड़ी के इलाके में बीते दिनों अमेरिकी नौसेना द्वारा व्यापारिक जहाजों पर किए गए मिसाइल हमलों में मारे गए 3 भारतीय नागरिकों के मामले में कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इसके अलावा जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री को यह भी साफ कर दिया कि वाणिज्यिक जहाजों पर इस तरह की जानलेवा और घातक कार्रवाई को किसी भी तरह से सही नहीं ठहराया जा सकता है। भारत के विदेश मंत्री ने एक्स पर पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा की है।

मामले पर यूं फैला भ्रम : इस पूरे मामले पर ऊहापोह की स्थिति तब उत्पन्न हुई। जब फारवर्ड सीमैन्स यूनियन ऑफ इंडिया ने कहा कि उनका लियाकी फ्रीडम जहाज से संपर्क नहीं हो पा रहा है। जहाज का संपर्क टूट गया है। क्योंकि उसका वेरी हाई फ्रीक्वेंसी रेडियो (वीएचएफ) काम नहीं कर रहा है। इन सबके बीच अच्छी बात यह रही कि यूनियन सैटेलाइट के माध्यम से जहाज की लोकेशन का पता लगा पा रही थी।

अमेरिकी हेलफायर मिसाइल ने किया हमला : 8 जून- एमटी मारिवेक्स पर हमला हुआ, सभी सवार 24 भारतीय सुरक्षित हैं।

10 जून- एमटी सेटेबेलो पर हमला हुआ, कुल 28 में से 24 भारतीय थे। 3 की मौत हो गई, बाकी 21 सुरक्षित हैं।

11 जून- एमटी जलवीर पर हमला हुआ, सभी 20 भारतीय सुरक्षित हैं।

विदेशी ध्वज वाले थे जहाज: गौरतलब है कि अमेरिकी नौसेना ने अपनी हेलफायर मिसाइल से जिन तीन भारतीय सवार जहाजों पर हमला किया। उनमें से एक भी भारतीय ध्वज वाला नहीं था। बल्कि सभी विदेशी ध्वज वाले जहाज थे। एमटी मारिवेक्स और एमटी सेटेबेलो पलाऊ ध्वज वाले जहाज थे। जबकि एमटी जलवीर पश्चिम-अफ्रीकी देश गिनी बिसाऊ के ध्वज वाला जहाज था। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने बताया था कि इनमें से दो जहाज अमेरिका के वित्त विभाग द्वारा प्रतिबंधित थे। जबकि एक अन्य जहाज अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन की सूची में शामिल है। जहाजों पर अमेरिकी प्रतिबंध का मूल सार यही है कि यह युद्ध के बीच ईरान और रूस के तेल का क्रय-विक्रय करने में लगे हुए हैं।

कार्यवाहक अमेरिकी राजदूत को किया तलब: व्यापारिक जहाजों पर बढ़ते हमलों की कड़ी निंदा करते हुए भारत ने बीते सप्ताह भर के भीतर लगातार दो बार अमेरिका के कार्यवाहक राजदूत जेसन मीक्स को तलब कर विरोध जताया है। साथ ही उन्हें यह भी कहा कि वह मामले पर नई दिल्ली की चिंताओं को वाशिंगटन डीसी में अपने उच्च-अधिकारियों के समक्ष रखें। जिससे जल्द से जल्द इन हमलों को रोका जा सके। भारत से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते दिनों कुवैत के अमीर से बातचीत में क्षेत्र में तेजी से बदलते हालात पर गंभीर रूप से चिंता जताई थी। साथ ही उन्होंने होर्मुज और अन्य अंतरराष्ट्रीय जल-क्षेत्रों में स्वतंत्र, निर्बाध समुद्री आवाजाही को बनाए रखने पर जोर दिया था। पीएम ने कहा था कि भारत की यही मांग है कि इस तनाव का जल्द से जल्द संवाद और कूटनीति की मदद से हल निकाला जाना चाहिए। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने इलाके में व्यापारिक जहाज पर किए जा रहे हमलों की निंदा करते हुए कहा कि भारत इन्हें कतई स्वीकार नहीं करेगा। इन सबके बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक हालिया हुई परिचर्चा में भारत के स्थायी प्रतिनिधि और वरिष्ठ राजदूत पी.हरीश ने भी जहाजों पर हो रहे हमलों के मामले की निंदा करते हुए इन पर तत्काल आधार पर रोक लगाने की मांग की थी।

खाड़ी में 18 हजार से ज्यादा भारतीय नाविक: केंद्रीय बंदरगाह, पोत-परिवहन मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने बताया कि दुनियाभर में भारत के नाविकों की कुल संख्या 3.2 लाख है। जबकि अकेले खाड़ी क्षेत्र में इनकी संख्या 18 हजार से ज्यादा है। मौजूदा तनाव के बीच भारत के 13 जहाज क्षेत्र में फंसे हुए हैं। जिनमें सवार भारतीय नाविकों की संख्या 562 है। फारस की खाड़ी के पश्चिम में 329 और ओमान की खाड़ी के पूर्व में 233 नाविक हैं।

बिहार के 23 बड़े पुल की हालत गंभीर

60 मीटर से अधिक लंबाई के पुलों की सुरक्षा की समीक्षा

पचास ब्रिज को तुरंत मरम्मत की दरकार सरकार की जांच रिपोर्ट में हुआ खुलासा

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार के 23 बड़े पुल की स्थिति गंभीर है। यही नहीं, 50 छोटे-बड़े पुलों को तत्काल मरम्मत करने की भी दरकार है। राज्य भर के पुलों की हुई जांच के बाद आई रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। पुल निर्माण निगम ने 60 मीटर से अधिक लंबाई के पुलों की सुरक्षा एवं वर्तमान स्थिति की समीक्षा की है। इसमें कमजोर पुलों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता बताई गई है। दूसरी ओर, आईआईटी पटना के द्वारा राज्य के अत्यंत महत्वपूर्ण एवं लाइफलाइन माने जाने वाले 250 मीटर से अधिक लंबाई वाले 47 पुलों की भी जांच की गई है। आईआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट पर आगे की कार्रवाई

की जा रही है। पथ निर्माण सचिव पंकज कुमार पाल ने वरीय अधिकारियों के साथ निगम के इन पुलों की स्थिति से संबंधित जांच रिपोर्ट की उच्च स्तरीय समीक्षा की। समीक्षा के दौरान बताया गया कि राज्यभर में 60 मीटर से अधिक लंबाई वाले कुल 638 पुलों को चिह्नित किया गया। इसके बाद सभी 638 पुलों की जांच पूरी कर ली गई है। पश्चिम चंपारण में 49, पटना में 36, मुजफ्फरपुर में 39, अररिया में 38, पूर्णिया में 27, किशनगंज में 37, कटिहार में 36, सुपौल में 35, पूर्वी चम्पारण में 30, दरभंगा में 29 गयाजी में 25, नवादा में 20 जमुई में 16 एवं सहरसा में 19 सहित कुल 638 पुलों की गहन जांच की गई।

राज्य भर के पुलों का हुआ सेफ्टी ऑडिट

पिछले दिनों पथ निर्माण विभाग ने राज्य भर के पुलों का सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए थे। विभाग के सचिव पंकज पाल ने इंजीनियर और अफसरों को चेतावनी भी दी थी कि अगर उनकी लापरवाही से टूटे तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

विक्रमशिला सेतु हादसे के बाद हरकत में आई सरकार: पिछले महीने भागलपुर में विक्रमशिला सेतु का एक हिस्सा ध्वस्त होकर गंगा नदी में समा गया था।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली, रविवार 14 जून 2026

रिलेशनशिप का नया ट्रेंड डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड

हाल के वर्षों में एआई ने अनेक प्रोफेशंस में जबर्दस्त बदलाव कर दिया है। अब प्रोफेशंस से भी आगे बढ़कर रिलेशनशिप में भी इसका दखल बढ़ने लगा है। इसका प्रमाण है, रियल के बजाय डिजिटल पार्टनर बनाने का बढ़ता ट्रेंड। यह ट्रेंड क्या है, यह क्यों बढ़ रहा है और आने वाले समय में इसके किस तरह के असर हम सभी को देखने को मिल सकते हैं, इसका डिटेल्ड एनालिसिस।

कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम

भले ही आज यह बात आपको थोड़ा असहज कर सकती है, लेकिन यह सच है कि रिलेशनशिप का नया ट्रेंड तेजी से सामने आ रहा है, वो है डिजिटल गर्लफ्रेंड-ब्वॉयफ्रेंड। डिजिटल गर्लफ्रेंड और डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड (जीएफ/बीएफ) कोई साधारण ट्रेंड नहीं है, बल्कि इंसानी रिश्तों के ढांचे में अभूतपूर्व बदलाव की शुरुआत है।

रियल पार्टनर जैसी फीलिंग

आज एआई आधारित एप्स और विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे रिपेलिका और करेक्टर एआई मौजूद हैं, जो यूजर के साथ उसी तरह रोमांटिक, भावनात्मक या निजी बातचीत करते हैं, जैसे ब्वॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड आपस में करते हैं। ये आपकी पसंद ही नहीं भावनाओं को भी समझते हैं, आपकी बातों पर प्रतिक्रिया देते हैं और पर्सनल पार्टनर जैसा अनुभव देते हैं।

करोड़ों लोग हैं एक्टिव

डिजिटल गर्लफ्रेंड और डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड कोई रेयर या एक्सेप्शनल फिनोमिना नहीं है। सच्चाई तो यह है कि अगर एआई कंपेनियनशिप एप्स के आंकड़ों को मानें तो इस समय दुनिया में 5 से 6 करोड़ जीएफ/बीएफ सक्रिय रूप में मौजूद हैं। पूरी दुनिया में 10 करोड़ से ज्यादा लोग ऐसे हैं, जो इनके साथ किसी न किसी रूप से चैटबॉट्स के जरिए जुड़ते हैं। इनमें सिर्फ रिपेलिका के ही 3-4 करोड़ यूजर हैं, जबकि करेक्टर एआई के 2 करोड़ सिर्फ मंथली एक्टिव यूजर हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि दुनिया के 21 फीसदी वयस्क एआई कंपेनियनशिप का इस्तेमाल कर चुके हैं और 72 फीसदी किशोर कम से कम एक बार ऐसे एआई से बातचीत की है। मतलब यह कि अब यह कुछ थोड़े से लोगों का शौक या प्रयोग भर नहीं है बल्कि यह बड़ी जनसंख्या का न्यू नॉर्मल व्यवहार है।

अपने देश में भी बढ़ रहा ट्रेंड

भारत भी इस मामले में पीछे नहीं है। हालांकि भारत के अलग से सटीक आधिकारिक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इसका बढ़ता ट्रेंड साफ तौर पर देखा जा सकता है। और ऐसा हो भी क्यों न, आखिर भारत दुनिया का सबसे बड़ा इंटरनेट यूजर देश है। भारत में एक अरब से ज्यादा मोबाइल फोन इस्तेमाल में हैं और इनमें 80 करोड़ से ज्यादा में इंटरनेट का इस्तेमाल होता है। अगर एआई एप्स डाउनलोड ग्रोथ 2023-24 को देखें, तो भारत में इसकी रफ्तार 1400 फीसदी रही है यानी, हाल के सालों में भारत में एआई एप्स को डाउनलोड करने की रफ्तार 14 गुना तक बढ़ी है। क्योंकि भारत में मोबाइल फोन के सबसे बड़े उपभोक्ता 18 से 30 साल के युवा हैं। इसलिए भी भारत में एआई कंपेनियनशिप की मांग अविश्वसनीय रफ्तार से बढ़ रही है। क्योंकि इंटरनेट इस्तेमाल करने वाला यही वर्ग (18-30) सबसे बड़ा इंटरनेट यूजर वर्ग है। इसके बावजूद भी यह कहा जा सकता है कि भारत में यह सिलसिला अभी शुरुआती चलन में है, भले इसकी रफ्तार बहुत तेज हो।

इस ट्रेंड के बढ़ने की वजहें

सवाल है, आखिर इंसानों को डिजिटल जीएफ और बीएफ तक जाने की जरूरत ही क्यों पड़ी? यानी हम आखिर यहां पहुंचे क्यों और कैसे? इसका सबसे बड़ा कारण है लोगों में बढ़ता अकेलापन। शहरी जीवन, काम का दबाव, टूटते सामाजिक नेटवर्क और भावनात्मक सहारा ढूंढ़ते युवा। वास्तव में यही वजहें हैं, जिनके चलते पिछले कुछ सालों में ही डिजिटल जीएफ/बीएफ की रफ्तार तेजी से बढ़ी है। असली रिश्तों में लगातार बढ़ती असहमति, समझौते और जिम्मेदारियां एआई रिश्तों की तरफ हमें मोड़ रही हैं, क्योंकि वहां इस तरह की दुश्वारियां या तो नहीं हैं या इतनी नहीं है कि परेशान करके रख दें। क्योंकि एआई रिश्ते 'कंट्रोल्ड' होते हैं और उनको संभालना आसान होता है। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी है कि एआई अब इस कदर एडवांस हो चुका है कि वह लोगों को 'सोचने और समझने' का भी भ्रम पैदा कर रहा है।

रियल रिलेशन होंगे वीक

इस उभरते नए डिजिटल रिलेशन को लेकर गंभीर सवाल यह है कि अगर इस सिलसिले को जल्द रोका न गया, तो क्या होगा? भले ही अभी यह ट्रेंड रोमांचित कर रहा है, लेकिन सच है कि इससे हमारे जैविक रिश्ते आने वाले दिनों में बेहद कमजोर हो सकते हैं। अगर संबंध विशेषज्ञों की मानें तो यह सिलसिला इसी तरह बेकाबू आगे बढ़ता रहा तो असली रिश्ते में दूरियां बढ़ने लगेंगी। हममें से ज्यादातर लोगों के रिश्तों के नाम एआई पार्टनर होंगे, क्योंकि एआई पार्टनर झगड़ा नहीं करते और हमेशा आपकी हां में हां मिलाते हैं। इससे असली रिश्ते जटिल लगने लगते हैं और एआई रिश्ते आकर्षक हो जाते हैं। जो लोग हर दिन एआई के साथ एक से दो घंटे के लिए संपर्क में रहते हैं, उन्हें एआई से लगाव हो जाता है। वे उसे अपने पार्टनर के रूप में स्वीकार करने लगते हैं। यह वैसा ही है, जैसे सोशल मीडिया एडिक्शन। पर, यह उससे भी एक कदम आगे का एडिक्शन है, क्योंकि इससे हमारे न सिर्फ भावनात्मक रिश्ते पर चोट लग रही है बल्कि इसके कारण हमारे समाज का सदियों से मौजूद पारंपरिक ढांचा दरकने लगा है।

मेंटल हेल्थ पर बुरा असर

डिजिटल रिलेशन का असर सिर्फ भावनात्मक रिश्तों तक ही सीमित नहीं रहता है बल्कि बढ़ते जीएफ/बीएफ ट्रेंड के कारण हमारे युवाओं के मेंटल हेल्थ पर भी गंभीर असर पड़ता है, क्योंकि शुरुआत में ये डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड भले राहत देते हों, लेकिन जब आप लगातार इनके टच में रहते हैं या इनका इस्तेमाल करते हैं, तो ये न केवल आपको अकेलेपन के दलदल में खींच ले जाते हैं बल्कि आपको कई तरह की हताशाओं और निराशाओं से भी भर देते हैं। अकसर एआई कंपेनियनशिप के साथ जो लोग खुश होते हैं, उन्हें नजदीक के इंसानों से रिश्ते बनाने में बड़ी मुश्किल लगती है और अगर किसी तरह से इनके रिश्ते बन भी गए, तो उन्हें यह रिश्ते बहुत पसंद नहीं आते। *

बढ़ सकती हैं कई तरह की समस्याएं

डिजिटल जीएफ/बीएफ का बढ़ता ट्रेंड सचमुच में डरावना है। इससे आने वाले समय में कई समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसके बढ़ने से शादी और परिवार की संस्था कमजोर होगी। कस्टम पार्टनर की आदत यानी हम जैसा साथी चाहते हैं या दूसरे शब्दों में अपनी कल्पना के साथी की तलाश में रहने लगेंगे। अगर यह चलन इसी तरह तेजी से बढ़ता रहा, तो देश और दुनिया में अकेले रहने वाले लोगों की संख्या बहुत ज्यादा हो जाएगी। कई विशेषज्ञों के मुताबिक तो अगले दो-तीन दशकों में अकेले रहने वाले लोग, साथ में रहने वाले लोगों से भी ज्यादा हो सकते हैं। इससे सामाजिक दूरी भी बढ़ेगी। यह ट्रेंड मानव समाज के सामने एक गंभीर चुनौती बन सकता है।

इंसानी सभ्यता की शुरुआत से ही हमेशा जवान, खूबसूरत दिखने की चाहत रही है। इसे पाने के लिए नेचुरल तरीकों से लेकर, साइंस, दवाएं और अब एआई तक का यूज किया जा रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही खूबसूरती का कोई पर्मानेंट सॉल्यूशन हमें मिल जाएगा।

पर्मानेंट खूबसूरती की चाहत जल्द मिल सकता है सॉल्यूशन

टेक्नोसाइंस
प्रतिमा अरोड़ा

इंसानी खूबसूरती का क्या कोई स्थायी और सार्वभौमिक फार्मूला हो सकता है? 19वीं शताब्दी से ही विज्ञान इस सवाल का जवाब ढूंढ़ रहा है। आधुनिक विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, जेनेटिक्स और कॉस्मेटिक मेडिसिन का अब लगभग यह केंद्रीय विषय बन चुका है कि दुनिया भर के इंसानों के लिए एक सार्वभौमिक खूबसूरती का पैमाना क्या हो और इसे पूरी दुनिया के स्तर पर संभव कैसे बनाया जाए? यह सोच और यह खोज इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इंसान सदियों से सुंदर होने के उपाय खोजता रहा है। कभी प्राकृतिक नुस्खों से, कभी शल्य चिकित्सा से, कभी जीन एडिटिंग से, तो अब एआई आधारित तकनीकों से भी।

खूबसूरती की खोज की शुरुआत

19वीं सदी के अंत से ही वैज्ञानिक इंसान की स्थायी खूबसूरती का समाधान खोज रहे हैं। विशेषकर जब से शरीर रचना विज्ञान यानी एनाटॉमी और त्वचा विज्ञान यानी डर्मेटोलॉजी का व्यवस्थित विकास हुआ। तभी से विज्ञान कुछ बातों पर फोकस कर रहा है। जैसे-त्वचा की संरचना का विज्ञान क्या है और इसे हमेशा जवान कैसे बनाए रखा जा सकता है? आखिर उम्र बढ़ने की प्रक्रिया क्या है और इसे कैसे रोका जा सकता है? हार्मोन और सौंदर्य के बीच क्या संबंध हैं, क्या हार्मोन में ही इंसानी सौंदर्य का रहस्य छिपा है? 20वीं सदी के मध्य में प्लास्टिक सर्जरी के बाद कॉस्मेटिक सर्जरी लगभग चमत्कार की तरह उभरकर सामने आई। इस दौर में अनेक जैविक शोधों से यह स्पष्ट हुआ कि त्वचा का रंग, बालों की बनावट, चेहरे की आकृति और झुर्रियां इन सबका बड़ा हिस्सा जीन द्वारा नियंत्रित होता है। अतः जीन नियंत्रण का विज्ञान समझ लिया जाए तो एक तरह से खूबसूरती पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

सौंदर्य का केंद्र जेनेटिक्स

साल 2003 में ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट लांच हुआ और यह विज्ञान के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। इससे यह समझ में आया कि मानव शरीर में मौजूद हजारों जीन, हमारे शरीर की अलग-अलग संरचनाओं और गुणों के लिए जिम्मेदार हैं। इस शोध से पता चला त्वचा की मोटाई का कारण क्या है? कोलेजन का उत्पादन कैसे होता है? उम्र बढ़ने की गति क्या होती है? बाल झड़ते क्यों हैं? केंद्रीय रूप से इन सबके पीछे विशिष्ट कारण सिर्फ जीन हैं। आज वैज्ञानिक जीनों की पहचान करके एजिंग के रहस्य का पर्दाफाश करने में लगे हैं। इस शोध और लगातार कोशिश का निष्कर्ष यह है कि सैद्धांतिक रूप से जीन स्तर पर बदलाव करके उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा किया जा सकता है।

प्रभावी है कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी

हालांकि कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी अभी अस्थायी ही है। लेकिन निश्चित रूप से यह सौंदर्य विज्ञान का सबसे विकसित क्षेत्र है और एस्थेटिक मेडिसिन को भविष्य इंसान की खूबसूरती को स्थायी रूप देने में सक्षम माना जा रहा है। आज इसी विज्ञान के चलते-बोटोक्स, डर्मल फिलर्स, लेजर स्किन रिसर्फेसिंग तथा केमिकल पिल्स जैसी प्रक्रियाओं से लोग अपनी झुर्रियां कम कर रहे हैं। त्वचा को चिकनी, मुलायम और टाइट रख पाने में सफल हो रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि चेहरे को पसंदीदा आकृति देने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि अभी यह 100 फीसदी संभव नहीं है, लेकिन हर गुजरते साल के साथ यह पहले से बेहतर होती जा रही है। इस बात का सबूत है कि बहुत जल्द इंसानी खूबसूरती का स्थायी समाधान बनकर कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी सामने आएगा।

जीन एडिटिंग में है भविष्य

साल 2012 के बाद जीन एडिटिंग तकनीक, जिसे सीआरआईएसपीआर-सीएएस-9 कहा जाता है, ने चिकित्सा जगत में क्रांति ला दी। इस तकनीक के जरिए वैज्ञानिक खराब जीन काट सकते हैं, नए जीन जोड़ सकते हैं, जीन के व्यवहार को नियंत्रित कर सकते हैं। ये सब सहूलियतें उम्मीद जता रही हैं कि भविष्य में इंसान गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, थैलेसीमिया और जेनेटिक डिसऑर्डर से पार पाने में सफल रहेगा। एजिंग के प्रभाव को धीमा किया जा सकता है, बालों के झड़ने को रोका जा सकता है, त्वचा को युवा बनाए रखने की स्थायी तरकीब ढूंढ़ी जा सकता है। लब्बोलुआब यह कि सिर्फ सुंदरता बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए, जीन एडिटिंग की कवायद लगातार जारी है।

एआई और पर्सनलाइज्ड ब्यूटी

एआई आधारित सिस्टम के जरिए अब हम यह जान सकते हैं कि किसी व्यक्ति की त्वचा कितनी बूढ़ी है और वह किस रफ्तार से बूढ़ी हो रही है? वास्तव में इस सारी जानकारी को पर्सनलाइज्ड ब्यूटी प्लान के नाम से जानते हैं और इस प्लान के अस्तित्व में आने के बाद अब अलग-अलग इंसानों का स्वतंत्र रूप से खूबसूरत और स्वस्थ होना ज्यादा आसान और गारंटीड हुआ है। वैज्ञानिकों को भरोसा है कि अब खूबसूरती का स्थायी समाधान हासिल करने में बहुत देर नहीं है। *

गजल
सुधा मिश्रा 'तितिक्षा'

मौसमों की करवटें, इक आईना दिखला रही हैं,
वादियां, यादों के वो लम्हात, फिर दुहरा रही हैं।
जिन निगाहों में कभी, शर्म-ओ-हया की चिलमनें थीं,
हो चुकीं बेलौस, पलकें भी कहां झपका रही हैं।
शादमां है दिल, नजर की बेकरारी रंग पर है,
मस्तियां रुख्सारों पे, कुछ सिलवटें बिखरा रही हैं।
कंपकंपी में गर्म चादर, की तरह उनको लपेटे,
जो गुजारी हैं कभी, रातें वही तड़पा रही हैं।
जेठ की दोपहरियों में, जल रही वीरानियां ये,
चिलचिलाती धूप में, उनको पुकारे जा रही हैं।
भीगते सावन में फिर, झीनी फुहारें लौट आईं,
अश्क पलकों में लिए, परछाइयां टकरा रही हैं।
झूमती रिमझिम घटाएं, तिश्नगी में चूर होकर,
ये हवाएं सरसराती, मस्त हो बल खा रही हैं।
चुप मनाजिर थे मगर, फिर झील से हलचल उठी वो,
कुछ हिलोरें नाव में, तन्हाईयां भी ला रही हैं।
मुंतजिर बैठी 'सुधा', है सब्र का दामन संभाले,
जिंदगी कम पड़ न जाए, फिक्रें ये घबरा रही हैं।

स्मरण
अरविंद कुमार

सभी करते थे बाबू जी का सम्मान

हिंदी के प्रख्यात कथाकार अमरकांत जी का यह जन्मशती वर्ष है। उनकी कहानियों और उपन्यासों से तो अधिकांश साहित्यप्रेमी परिचित हैं ही, पर उनके व्यक्तित्व और स्वभाव में उपस्थित सदाशयता, विनम्रता के बारे में लोग कम ही जानते हैं। उनके सुपुत्र अरविंद कुमार ने अपने पिता से जुड़ी कुछ भावभीनी स्मृतियां **हरिभूमि** से साझा कीं। दुर्भाग्य से कुछ माह पूर्व अरविंद जी का निधन हो गया।

बाबू जी (अमरकांत जी) सपरिवार लखनऊ से जब करेलाबाग कॉलोनी (इलाहाबाद अब प्रयागराज) में आकर रहने लगे तो वहां एक अलग माहौल देखने को मिला। इस कॉलोनी में पांच सौ चार क्वार्टर्स हुआ करते थे, जिसमें हिंदू, मुसलमान, सिख और ईसाई सभी रहा करते। वहां बहुत ही सुखद सामाजिक रिश्तों का ताना-बाना, सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिला। हर तरफ हरियाली एवं सांस्कृतिक परिवेश का माहौल था। हमारे क्वार्टर के ठीक सामने एक बड़ा अमलतास का पेड़ था। गर्मियों में इसके फूल खिलते तो ऐसा महसूस होता था, जैसे पेड़ पीले गहनों से सजा हुआ है, एक बार नामवर सिंह जी दो-चार लोगों के साथ आए तो इस स्थान ने उन्हें अभिभूत कर दिया, वे बोले, 'अमरकांत जी हम लोग इसी मनोरम जगह पर बैठेंगे। सुबह का समय, यहां की अनुभूति कैसी होती है, महसूस किया जाए।' दरअसल, पेड़ों पर तरह-तरह के पक्षियों का आवागमन, उनका कलरव मोहक लगता। इसीलिए आने वाले लोगों को यह स्थान मनोरम लगता।

कॉलोनी के बाहर की एक सड़क (नूर उल्लाह रोड, जो स्टेशन से सीधी करेली गांव तक जाती) पर मिस्टर रफी अहमद नाम के व्यक्ति का प्रेस एवं पेपर कटिंग मशीन लगी थी। इस स्थान पर रोजाना दो खेल शतरंज एवं कैरम सायं सात बजे से रात्रि बारह बजे तक नियम से खेला जाता। रफी साहब का बाबू जी से बहुत अच्छा संबंध था। बाबू जी को भी उक्त दोनों खेल पसंद थे। शनिवार के दिन अकसर वहां उनका इंतजार रहता। बगल के मोहल्ला रसूलपुर से भी शतरंज और कैरम में रुचि रखने वाले कुछ लोग आते, जिसमें दो नाम खासतौर पर मुझे याद हैं एक बहार आलम, जो पेशे से वकील, साहित्य कला में भी दिलचस्पी रखते थे। और उनके छोटे भाई नन्हे पहलवान भी उनके साथ आया करते थे। एक रोज की बात है, मां ने मुझसे कहा, 'रात अधिक हो गई है। रफी अहमद के यहां जाकर देखो बाबू जी अभी आए क्यों नहीं?' मैं कुछ ही समय पश्चात वहां पहुंच गया। खेल में बड़ी खामोशी थी। शतरंज की अंतिम बाजी पर लोगों की निगाहें गड़ी हुई थीं। कई शोहरतमंद गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी में खेल हो रहा था। उर्दू अनुवादक हुनर साहब, स्थानीय विधायक हबीब अहमद आपस में बाजी लगा बैठे थे। बाबू जी की दूसरी तरफ खिलाड़ी बहार आलम थे। पंद्रह मिनट का समय लगा, बाजी बाबू जी ने अपने पक्ष में कर ली। सभी बाबू जी को बधाई देने लगे। पर वे बहार आलम के खेल की सराहना करते जा रहे थे, 'बहुत अच्छा खेला आपने।' बाबूजी का स्वभाव ऐसा ही था, उनमें दंभ जरा भी नहीं था।

बाबूजी से जुड़ी एक और स्मृति याद आ रही है। अक्टूबर 1987 का दिन, वे गंभीर रूप से बीमार पड़े। वे मेटाबॉलिक बोन डिजीज से ग्रसित हो गए। उन्हें स्पाइनल कॉर्ड में इंफेक्शन हो गया था। प्रारंभ में कई डॉक्टरों से संपर्क किया गया, डॉक्टरों ने जॉगिंग और एक्सरसाइज करने की सलाह दी। उन्हें पेनकिलर के सहारे मुक्त कर दिया गया। समस्या यह हो गई कि उन्हें कोई भी खान-पान की चीज अच्छी नहीं लग रही थी और उनके बैक बोन में असहनीय दर्द था। मेडिकल कॉलेज के हड्डी के एक्सपर्ट डॉक्टरों ने कहा,'घबराने की बात नहीं है उम्र का तकाजा है।' जबकि ऐसी भी उम्र नहीं थी कि उस पर दोष मढ़ा जाए। बहरहाल, वे घर आ गए। मगर समस्या जस की तस बनी रही।

वे उन दिनों महिलाओं की पत्रिका 'मनोरमा' का संपादन कर रहे थे, किंतु स्वास्थ्य की वजह से असमर्थ हो गए थे। इसकी जानकारी डॉ. शांति चौधरी जी को हुई तो वे भागे-भागे घर पर आईं और पूरी जानकारी ली। उन्होंने अगले दिन इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज में वीआईपी वार्ड बुक करवाया। सभी चेकअप हुए। जानकारी मिली कि बाबू जी का हीमोग्लोबिन चार प्रतिशत पर आ गया है, जोकि बहुत ही चिंताजनक था। नामी विशेषज्ञ डॉक्टर ने देखा। बाबू जी दो दिन अस्पताल में रहकर वापस घर आ गए। शांति चौधरी जी, बाबू जी को पिता तुल्य मानती थीं। हम लोगों का उनसे बहुत आत्मीय रिश्ता रहा है। वह 'मनोरमा' से विशेष कार्याधिकारी के रूप में जुड़ी थीं और इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज में पीआरओ के पद पर थीं।

कुछ दिनों तक जब बाबू जी की सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ तो चिंता हुई। तभी उन्हें देखने के लिए एस. के. दुबे आए जो टाइम्स ऑफ इंडिया के ब्यूरो चीफ थे। उन्होंने बताया डॉ. आर. सी. गुप्ता ऑस्ट्रेलिया से आ गए हैं, एक बार उन्हें बाबू जी को दिखाया जाएगा। उस समय रात्रि के आठ बजे हुए थे। लेकिन मुझे दूसरे दिन पर न टालकर रात्रि में ही ले जाना उचित लगा।

क्लीनिक बंद होने का समय रात्रि नौ बजे तक था। हम लोग पौने नौ बजे अस्पताल पहुंच गए। काउंटर बंद हो रहा था। डॉक्टर के असिस्टेंट डॉ. ए. के. सिंह ने बताया कि आप फीस जल्दी जमा कर दें, डॉ. साहब उठने वाले हैं। तभी डॉ. आर. सी. गुप्ता हम लोगों के समीप आए। उनकी पोशाक, पैर में खड़ाऊ और खद्दर का कुर्ता-पाजामा। पूछा, 'इन्हें क्या हो गया?' मैंने सभी बातें बताईं। उन्होंने असिस्टेंट डॉ. सिंह से कहा कि उस जगह का एक्स-रे करें जहां दर्द है। मैंने बताया प्रेस में जॉब करते हैं। फिर उनका सवाल था खड़े होकर काम करते हैं या बैठकर? मैंने कहा, 'बैठकर ही करते हैं।'

डॉक्टर गुप्ता ने पूछा, 'प्रेस कहां पर है?' जब मैंने प्रेस का नाम बताया, तो बोले, 'अरे यह प्रेस तो बहुत बड़ा है। यहां से तो पांच-छह मशहूर पत्रिकाएं निकलती हैं माया, मनोरमा, सत्यकथा, मनोहर कहानियां, प्रोब इंडिया। मनोरमा के संपादक तुम्हारे पिता के नाम वाले ही हैं, उनका नाम अमरकांत है, मगर वह बड़े राइटर हैं।'

मैंने जब उनसे कहा कि वे यही हैं। इस पर पहले तो डॉक्टर साहब मुझे कुछ सेकेंड एकटक देखते रहे फिर उठकर एक्स-रे रूम में गए। कुछ सेकेंड में डॉक्टर ए. के. सिंह जी बाहर आए और रसीद काउंटर रूम में गए। मेरे जमा किए गए पैसे लाकर विनम्रतापूर्वक मुझे दे दिए। बोले, 'डॉक्टर साहब ने पैसे वापस करने के लिए कहा है।' डॉक्टर आर. सी. गुप्ता पंद्रह-बीस मिनट में अपने चैंबर में वापस आ गए, बोले, 'जो मुझे शक था वही निकला।' उन्होंने अपने क्लीनिक से पूरे एक माह की दवा मुझे दी। मैं पैसे निकालने लगा, तो मना कर दिया, फिर बोले 'इनका पूरा इलाज मैं करूंगा। आपको कोई तनाव नहीं लेना है। मैं आपके साथ हूं। मुझे अमरकांत जी की सेवा करने का मौका मिला, मेरा सौभाग्य है। मैं कमिश्नर, मंत्री के घर नहीं जाता हूं, लेकिन मैं आपके घर नियमित आकर इनको देखूंगा। अस्पताल आने की जरूरत नहीं है, घर पर ही सभी इंतजाम करवा दूंगा।' उन्होंने सच में ऐसा ही किया। घर पर ही बाबू जी को ट्रैक्शन लगवाया, साथ ही कमर से लेकर छाती तक प्लास्टर भी करवाया। छह माह तक वे बाबू जी को देखने घर नियमित आते रहे, न कभी फीस लिया और दवा, इंजेक्शन के खर्च से भी मुक्त रखा। बाबू जी छह माह ट्रैक्शन, प्लास्टर और दवा पर रहे, सीधे लेटे रहते। मर्ज जरूर दूर हो गया किंतु स्पाइनल कॉर्ड डिफार्मर हो गया। बाबू जी को कष्ट तो बहुत रहा लेकिन डॉक्टर आर. सी. गुप्ता जैसे लोगों का उनके प्रति आदर और प्रेम देखकर मैं अभिभूत हो जाता था। बाबू जी इतने बड़े लेखक-संपादक थे लेकिन उनका व्यक्तित्व इतना सरल रहता कि हर कोई उनका सम्मान करता था। *

भाजपा ने मनाया विजय उत्सव, जमकर हुई आतिशबाजी, खिलाई मिठाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी द्वारा शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में राज्यसभा के तीनों नवनिर्वाचित सांसदों का विजय उत्सव आयोजित किया गया। इस दौरान जमकर आतिशबाजी हुई और मिठाई खिलाकर शुभकामनांए दी गईं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह एवं क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल भी शामिल हुए।इस दौरान प्रदेश कार्यालय में महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर राज्यसभा के तीनों नवनिर्वाचित सांसदों के विजय उत्सव में शामिल होकर उन्हें शुभकामनाएं दीं गईं।नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद रजनीश अग्रवाल एवं महेश केवट का मुंह मीठा कराया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. सिंह, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री जामवाल, वित्त मंत्री देवड़ा हुए शामिल

- प्रदेश कार्यालय में राज्यसभा के 3 नवनिर्वाचित सांसदों का विजय उत्सव आयोजित
- महापुरुषों की प्रतिमाओं पर किया माल्यार्पण सांसद रजनीश एवं महेश को खिलाई मिठाई

राज्यसभा के निर्वाचन में सत्य की जीत हुई है : खंडेलवाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खडेलवाल ने कहा कि राज्यसभा के निर्वाचन में सत्य की जीत हुई है। निर्वाचन अधिकारी ने अपराध की जानकारी छिपाने की जिस गलती के कारण कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन निरस्त किया था, आज सर्वोच्च न्यायालय ने भी उस पर मुहर लगा दी है। कांग्रेस पार्टी भाजपा को बदनाम करने और अपनी हार को छिपाने के लिए गलत आरोप लगा रही है। कांग्रेस का झूठ और राजनीतिक षड्यंत्र राज्यसभा के चुनाव में फिर उजागर हो गया है।

कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन में अपराध की जानकारी छिपाना कांग्रेस का पूर्व नियोजित षड्यंत्र : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस की राज्यसभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन के नामांकन में अपराध की जानकारी छिपाना कांग्रेस का पूर्व नियोजित षड्यंत्र है। कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं ने राज्यसभा चुनाव में संभावित हार से बचने और भाजपा को बदनाम करने के लिए नामांकन में जानबूझकर गलती की थी। कांग्रेस के नेता नहीं चाहते थे कि मीनाक्षी नटराजन राज्यसभा में पहुंचें, इसलिए जानबूझकर नामांकन पत्र में अपराध की जानकारी छिपाई गई। कांग्रेस को अपने नेता-कार्यकर्ताओं व जनता पर भी भरोसा नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के लिए राज्यसभा बड़े लोगों व नेताओं के लिए होती है, लेकिन भाजपा में सामान्य से सामान्य कार्यकर्ता को उच्च सदन भेजा जा रहा है। कांग्रेस पार्टी हमेशा से झूठ बोलती आ रही है, लेकिन इस बार कांग्रेस का झूठ पकड़ा गया।

कार्यकर्ताओं की मेहनत एवं संगठन शक्ति से भाजपा का विजय अभियान जारी : डॉ. महेंद्र

भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत व संगठन शक्ति से भाजपा का विजय अभियान जारी है। भाजपा ने मध्यप्रदेश की राज्यसभा की तीनों सीट विजय प्राप्त कर फिर एक बार इतिहास रचा है। सिंह ने कहा कि मप्र से निर्वाचित हुए राज्यसभा के तीनों सांसद देश के प्रगति, नीति-निर्माण व जनकलयाण के कार्यों को निष्ठा से निभाएंगे। सभी कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत व परिश्रम का परिणाम है कि विपक्षी दल के प्रत्याशी बहाना बनाकर चुनावी मैदान छोड़कर आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बोले- शिक्षा केंद्रों के निकट छेड़छाड़ की घटनाएं न हों, महिला सुरक्षा के प्रति गंभीर रहें

मप्र में अपराधों की छानबीन पर मिलेगा भत्ता, बेहतर कानून व्यवस्था के लिए वरिष्ठ अधिकारी रहें मुस्तैद

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बदलते दौर में पुलिस बल को नई चुनौतियों से निपटने के लिए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाए जाएंगे। अपराधों के अन्वेषण का दायित्व निभाने वाले विवेचना अधिकारियों को अन्वेषण भत्ता भी मिले, इस दृष्टि से अन्य राज्यों में लागू व्यवस्थाओं का अध्ययन किया गया है। इस क्षेत्र में अपराध स्थल पर त्वरित पहुंच, सुरक्षा व्यवस्था, साक्ष्य संकलन, अभियुक्त गवाह और पीड़ित के परिवहन, भोजन आदि के साथ फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी, डिजिटल साक्ष्य संग्रह, न्यायलीन प्रक्रिया से जुड़े आकस्मिक खर्च देखते हुए अन्वेषण भत्ता लागू किए जाने पर विचार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय में प्रदेश की कानून व्यवस्था समेत अनेक मुद्दों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि कानून व्यवस्था की स्थिति मजबूत रहे, इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर आरक्षक स्तर तक सजगता और सक्रियता से भूमिका निभाएं। साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या को देखते हुए गृह विभाग आईटी कंसल्टेंट की सेवाएं लेने का कार्य प्राथमिकता करें। बैठक में सिंहस्थ-2028 के लिए भीड़ प्रबंधन, वीआईपी सुरक्षा, यातायात प्रबंधन के उद्देश्य से आवश्यक पुलिस बल की व्यवस्था पर चर्चा हुई। मुख्य सचिव अनुराग जैन वर्चुअली शामिल हुए। एसीएस (मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई, एसीएस गृह संजय कुमार शुक्ल, एसीएस वित्त मनीष रस्तोगी, डीजीपी कैलाश मकवाणा, एडीजी ए. साई मनोहर सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

खास बातें

- मुख्यमंत्री ने गृह विभाग की समीक्षा में दिए निर्देश
- पुलिस बल को व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाए जाएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बैठक में डीजीपी मकवाणा समेत अधिकारियों से चर्चा करते हुए।

संगठित अपराधियों पर निरंतर नजर रखें पुलिस

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा केंद्रों के निकट छेड़छाड़ की घटनाएं किसी भी सूरत में नहीं हों। पुलिस महिलाओं की सुरक्षा के प्रति गंभीर रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति सुदृढ़ रहे, इसके लिए वरिष्ठ अधिकारी मुस्तैद रहें। गोवंश रक्षा पर पूरा ध्यान दें, उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध सख्त एक्शन लें। उन्होंने कहा कि भू-माफिया के विरूद्ध कार्रवाई सख्त होनी चाहिए। अपराधियों की सम्पत्ति कुर्क करने में पीछे न रहें।

कंट्रोल रूम तथा अन्य व्यवस्थाओं को स्थाई तौर पर पूर्ण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ की दृष्टि से विभिन्न कंट्रोल रूम तथा अन्य व्यवस्थाओं को इस तरह पूर्ण किया जाए, ताकि उनका स्थाई महत्व और प्रभाव रहे। उज्जैन में अनेक बाबा महाकाल मंदिर सहित प्रसिद्ध देव स्थान हैं। सभी व्यवस्थाओं को तात्कालिक के स्थान पर स्थायी अधोसंरचना के रूप में विकसित किया जाए। मुख्यमंत्री ने बसंत पंचमी और हाल ही में भोजशाला से संबंधित प्रसंग में पुलिस बल की सजग सक्रिय भूमिका के लिए वरिष्ठ अधिकारियों और फोर्स के अन्य सदस्यों को बधाई दी।

एआई दुरूपयोग रोकने विशेषज्ञों की

मुख्यमंत्री ने मप्र पुलिस चयन और भर्ती बोर्ड के गठन की पहल, साइबर अपराधों, सोशल मीडिया आधारित गतिविधियों और अपराधों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते दुरूपयोग के प्रभावी विश्लेषण के लिए राज्य साइबर सेल ने विशेषज्ञों की सेवाएं प्राप्त करने के संबंध में विचार किया गया। इसके साथ ही काउंटर टेररिस्ट ग्रुप की संरचना और बल में वृद्धि, जिला स्तर पर सीन ऑफ क्राइम मोबाइल इकाई के संचालन के प्रावधान, वीवीआईपी ड्यूटी में तैनात अधिकारी-कर्मचारियों को विशेष भत्ता देने, एआई का प्रयोग कर सेफगार्ड एमपी प्रणाली से कमजोर व्यक्तियों, महिलाओं की सुरक्षा पर भी चर्चा हुई।

आईएएस एसोसिएशन के वाटसएप ग्रुप में छिड़ी बहस

डायरेक्ट और प्रमोटी आईएएस अफसरों के मतभेद आए सामने

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्य प्रदेश में डायरेक्ट भर्ती (आरआर) और प्रमोटी (पीआर) आईएएस अधिकारियों के बीच लंबे समय से चल रहे अंदरूनी मतभेद अब सार्वजनिक रूप से सामने आते दिखाई दे रहे हैं। यह विवाद आईएएस एसोसिएशन के आधिकारिक वाटसएप ग्रुप में हुई चर्चा के बाद चर्चा का विषय बन गया है। जानकारी के अनुसार पूर्व केंद्रीय सचिव अनिल स्वरूप के एक लेख को मध्य प्रदेश कैडर के पूर्व आईएएस आलोक श्रीवास्तव ने आईएएस एसोसिएशन मध्य प्रदेश के वाटसएप ग्रुप में साझा किया। लेख में छिंदवाड़ा में कलेक्टर रहे युवा आईएएस अधिकारी शीलेंद्र सिंह के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें अन्य अधिकारियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया गया था।

प्रशासनिक उपलब्धियों का श्रेय बना बहस का मुद्दा

दीपाली की प्रतिक्रिया से चर्चा ने नया मोड़ ले लिया और ग्रुप में अधिकारियों की भूमिका तथा योगदान को लेकर बहस शुरू हो गई। श्रेय अक्सर केवल युवा या डायरेक्ट भर्ती आईएएस अधिकारियों को सूत्रों के मुताबिक, इसके बाद आईएएस एसोसिएशन के ग्रुप में बधाई और प्रशंसा संबंधी संदेशों का सिलसिला लगभग थम गया। वहीं दूसरी ओर प्रमोटी आईएएस अधिकारियों के अलग वाटसएप ग्रुप में इस मुद्दे पर चर्चा शुरू हो गई।

अबोहर में ओबीसी महासम्मेलन में मुख्यमंत्री नायब सिंह ने पंजाब सरकार पर साधा निशाना

पंजाब में आप सरकार की उल्टी गिनती शुरू, अगली बार बनेगी भाजपा सरकार

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राज्य में उसकी उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। अबोहर नगर निगम चुनाव में भाजपा की जीत आगामी राजनीतिक बदलाव का संकेत है और अगले विधानसभा चुनाव में पंजाब में भाजपा की सरकार बनेगी। मुख्यमंत्री शनिवार को पंजाब के अबोहर में आयोजित ओबीसी महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ तथा कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। सैनी ने कहा कि पंजाब की वर्तमान सरकार का 'युद्ध नशों के विरुद्ध' अभियान पूरी तरह विफल साबित हुआ है।

दूसरा बाइक सवार मामूली घायल पुलिस कर रही जांच

आमने-सामने की बाइक भिड़ंत में एक युवक की दर्दनाक मौत

- ओवरटेक करने के चक्कर में दोनों वाहन एक दूसरे से टकराए

हरिभूमि न्यूज ⏭ बालोद

जिला मुख्यालय से सटे पारारास में शनिवार दोपहर एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है। यहां दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई आमने-सामने की भीषण भिड़ंत में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना खौफनाक था कि टक्कर के बाद एक बाइक का ब्रेक पैडल युवक की गर्दन के आर-पार हो गया वहीं दूसरे युवक को सामान्य चोटें आई है वहीं घायल वामेंद्र को हाइयर सेंटर ले जाया जा रहा था जहां दुर्ग पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, पारारास निवासी वामेंद्र साहू (35 वर्ष) आज दोपहर बाइक से जा रहा था। इसी दौरान पारारास के पास ही ओवरटेक करने के चक्कर में दो बाइकों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही वामेंद्र सड़क पर गिर गया और दूसरी बाइक का ब्रेक पैडल उसकी गर्दन में गहरे तक धंस गया।

पैडल को काटकर किया गर्दन से अलग

घटना के तुरंत बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को अत्यंत नाजुक हालत में जिला अस्पताल बालोद पहुँचाया गया। युवक की गर्दन में फंसे लोहे के पैडल को निकालने के लिए डॉक्टरों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। आनन-फानन में ग्लैंडर मशीन मंगवाई गई, जिससे बेहद सावधानीपूर्वक पैडल को काटकर गर्दन से अलग किया गया। प्राथमिक उपचार के बाद युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे तत्काल रायपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था; रायपुर पहुंचने से पहले ही दुर्ग के पास युवक ने दम तोड़ दिया।

दुष्कर्म के मामले में बंद कैदी जेल से फरार, फिर गिरफ्तार

पेंड्रा मरवाही । जिले में दुष्कर्म के मामले में बंद कैदी के द्वारा जिला जेल से फरार होने का मामला सामने आया है। हालांकि लगभग 8 घण्टे बाद आरोपी को जिला जेल से 5 किलोमीटर दूर पेंड्रारोड रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया तो मामले में जेल प्रहरी की शिकायत पर अपराध पंजीबद्ध करा दिया गया है। पूरा घटना क्रम जिला जेल पेंड्रारोड़ का है जहां पर सुबह लगभग 7 बजे के आसपास जब कैदियों को दिनचर्या के लिए बैरक से बाहर निकाला जाता है उसी दौरान 10 जून को पेंड्रा थाना क्षेत्र के बचरवार गांव के रहने वाला आरोपी जो दुष्कर्म किये जाने के मामले में गिरफ्तार किए गया था आरोपी कुलदीप राठौर उर्फ पटेल को पेंड्रा पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था पर एक दिन बाद ही आरोपी कुलदीप मौका देखकर जेल की दीवार फांद कर वहां से भाग खड़ा हुआ।

SIR
(विशेष गहन पुनरीक्षण)
हरियाणा में
हर पात्र मतदाता का शामिल होना सुनिशिचित करें, कोई भी छूटने न पाएं!
हरियाणा
मतदाता सूची

SIR क्या है ?
विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) एक घर–घर किया जाने वाला सत्यापन अभियान है, जिसके तहत सभी पात्र मतदाताओं का सत्यापन किया जाता है ताकि मतदाता सूची पूरी तरह स्वच्छ, सटीक और अद्यतन बनाई जा सके।

SIR की प्रमुख विशेषताएं
प्रत्येक मतदाता केन्द्र के BLOs द्वारा घर–घर सत्यापन ।
हर मतदाता को गणना प्रपत्र (Enumeration Form) भरना होगा।
कृपया अपना फोटो अपडेट करें।
कृपया अपना मोबाइल नम्बर अपडेट/साझा करें।

गणना प्रपत्र (Enumeration Form) कैसे भरें ?
BLO द्वारा प्रदान किए गए गणना प्रपत्र को भरें तथा BLO को जमा करें।
गणना प्रपत्र ऑनलाइन भी भरा जा सकता है
वेबसाइट: voters.eci.gov.in

हरियाणा में विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 कार्यक्रम

गणना चरण	15 जून, 2026 से 14 जुलाई, 2026
मतदाता सूची का प्रारम्भिक प्रकाशन	21 जुलाई, 2026
दावे व आपत्ति अवधि	21 जुलाई, 2026 से 20 अगस्त, 2026
नोटिस चरण (सुनवाई और सत्यापन)	21 जुलाई, 2026 से 18 सितम्बर, 2026
मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन	22 सितम्बर, 2026

किसे गणना प्रपत्र (Enumeration Form) भरना आवश्यक है ?
हरियाणा के प्रत्येक पंजीकृत मतदाता को गणना प्रपत्र (Enumeration Form) भरना आवश्यक है ताकि आपका नाम मतदाता सूची में बना रहें।

SIR क्यों किया जा रहा है ?
18 वर्ष या उससे अधिक आयु वाले सभी पात्र नागरिकों को शामिल करने के लिए ।
अयोग्य, डुप्लीकेट या मृत प्रविष्टियों को हटाने के लिए ।
मतदाता सूची की पारदर्शिता और शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए

महत्वपूर्ण जानकारी
SIR एक समयबद्ध प्रक्रिया है। सभी नागरिकों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है।
आपकी जानकारी सुरक्षित है और केवल मतदाता सूची के लिए उपयोग की जाएगी।
किसी भी जानकारी या सहायता के लिए अपने BLO से संपर्क करें या Book a Call with BLO सुविधा का उपयोग करें।

Book a Call with BLO
अपने BLO से बात करें और अपनी सभी शंकाओं का समाधान पाएं।
अभी Book a Call with BLO करें
अभी कॉल बुक करें

ECINET ऐप डाउनलोड करें
और मतदाता सेवाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त करें
ECINET मतदाता सेवा ऐप
अभी डाउनलोड करें

आइए, मिलकर एक मजबूत, सटीक और समावेशी मतदाता सूची बनाएं।
हर पात्र मतदाता का नाम, हमारा सामूहिक संकल्प!
BE COUNTED. BE HEARD. VOTE!
PROUD TO BE A VOTER READY TO VOTE
CHIEF ELECTORAL OFFICER HARYANA
मजबूत लोकतंत्र, सशक्त हरियाणा
www.ceoharyana.nic.in CEO Haryana ceoharyana @CEOHaryana
मेरा वोट मेरी आवाज मेरा भविष्य
कोई मतदाता न छूटे, पीछे न रहे, मतदाता बनें, देश मजबूत करें

भारत ने पहली बार अपने 12 परमाणु हथियारों को सक्रिय स्थिति में रखा है। अब देश के शस्त्रागार को केवल 'भंडारित' के बजाय 'परिचालन रूप से तैनात' माना गया है। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, यह कदम चीन और पाकिस्तान की ओर से बढ़ते खतरों के बीच भारत की द्वितीय-प्रहार क्षमता को मजबूत करने के लिए उठाया गया है। अब हमारे पास 190 परमाणु बम हैं। हालांकि, 2003 में उद्घोषित की गई अपनी परमाणु सैन्य सुरक्षा रणनीति के तहत भारत अपनी तरफ से प्रथमतः न्यूक्लियर अस्त्रों का कदाचित इस्तेमाल नहीं करेगा। आज उच्च तकनीकी विकास, 'आत्म निर्भर भारत' व 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों ने स्थिति को पूरी तरह पलट दिया है। हथियारों व सैन्य उपकरणों के लिए बाहरी राष्ट्रों पर निर्भर रहने वाला भारत आज हथियार बाजार का एक बड़ा खिलाड़ी बन गया है। देश पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान स्टील्थ फाइटर जेट एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट या एएमसीए का स्वयं निर्माण करने जा रहा है। बेशक, रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भारत वैश्विक मंच पर एक महाशक्ति के रूप में स्थापित होने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है, लेकिन अभी भी देश को एक लंबा सफर तय करना है। आंकड़े बताते हैं कि सफर लंबा जरूर है, लेकिन मुश्किल नहीं है। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

आक्रामक हुई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति !

विश्लेषण

प्रभात कुमार राय

विदेशी मामलों के जानकार

क्या भारत अब रक्षात्मक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के स्थान पर आक्रामक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का अनुसरण करेगा? यह यक्ष प्रश्न तब उभरा है, जबकि स्वीडन के स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट संक्षेप में एसआईपीआरआई द्वारा इस ज्वलंत तथ्य को उद्घाटित किया गया कि आधुनिक इतिहास में पहली दफा भारत द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों पर लैस करके 12 न्यूक्लियर अस्त्र-शस्त्रों को सक्रिय स्थिति में अपने सुरक्षात्मक मोर्चे पर तैनात कर दिया गया है। अभी तक सभी बैलिस्टिक मिसाइल और न्यूक्लियर बम भारत के अलग-अलग गोदामों में सुरक्षित रखे गए थे। न्यूक्लियर बम की सक्रिय स्थिति में तैनाती के निर्णय को भारत की राष्ट्रीय सैन्य सुरक्षा रणनीति में बुनियादी बदलाव करार दिया गया है।

विश्व पटल पर यक्ष प्रश्न उभरा है कि क्या भारत द्वारा अपनी परंपरागत राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का परित्याग कर दिया गया है? क्या भारत अब रक्षात्मक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के स्थान पर आक्रामक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का अनुसरण करेगा? यह यक्ष प्रश्न तब उभर कर विश्व के सामने उपस्थित हुआ है, जबकि स्वीडन के स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट संक्षेप में एसआईपीआरआई द्वारा इस ज्वलंत तथ्य को उद्घाटित किया गया कि आधुनिक इतिहास में पहली दफा भारत द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों पर लैस करके 12 न्यूक्लियर अस्त्र-शस्त्रों को सक्रिय स्थिति में अपने सुरक्षात्मक मोर्चे पर तैनात कर दिया गया है।

गौरतलब है कि एसआईपीआरआई विश्व स्तर पर आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्रों की खरीद फरोख्त और विश्व पटल पर अस्त्र-शस्त्रों के निर्माण पर खर्च की जाने वाली अकूत धन दौलत का जायजा लेने के लिए शोध कार्य अंजाम देता है। एसआईपीआरआई के बताए तथ्यों का भारत सरकार द्वारा कदाचित खंडन नहीं किया गया है। अतः अंतरराष्ट्रीय तौर पर इस तथ्य को स्वीकार कर लिया गया है कि अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन और उत्तरी कोरिया की तरह भारत ने भी अपने न्यूक्लियर बमों को बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ सन्नद करके अपने सैन्य सुरक्षा मोर्चो पर बाकायदा तैनात कर दिया है। अभी तक सभी बैलिस्टिक मिसाइल और न्यूक्लियर बम भारत के अलग-अलग अस्त्र शस्त्र सैन्य गोदामों में सुरक्षित रखे गए थे। न्यूक्लियर बम को सक्रिय स्थिति में तैनात करने के निर्णय को भारत की राष्ट्रीय सैन्य सुरक्षा रणनीति में बुनियादी बदलाव करार दिया जा रहा है।

सुरक्षात्मक सैन्य रणनीति

राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के इस बदलाव से क्या यह समझ लिया जाए कि भारत परंपरागत सुरक्षात्मक सैन्य रणनीति का परित्याग करके, क्या भारत आक्रामक सैन्य सुरक्षा रणनीति की तरफ बढ़ गया है? सन् 2003 में भारत ने अपने परमाणु सैन्य रणनीति का सैद्धांतिक तौर पर खुलासा कर दिया था। भारत सरकार द्वारा तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में बाकायदा ऐलान किया गया था कि भारत द्वारा न्यूक्लियर अस्त्र-शस्त्रों का प्रयोग तभी किया जाएगा, जब भारत पर न्यूक्लियर आक्रमण अंजाम दिया जाएगा। भारत अपनी तरफ से प्रथमतः न्यूक्लियर अस्त्रों का कदाचित इस्तेमाल नहीं करेगा। भारत आज 2003 में उद्घोषित की गई, अपनी परमाणु सैन्य सुरक्षा रणनीति पर बाकायदा कायम है। भारत द्वारा परमाणु अस्त्र-शस्त्रों की सैन्य मोर्चे पर तैनाती के निर्णय ने वस्तुतः सारी दुनिया को अचंभित किया है। क्योंकि भारत को विश्व पटल पर शांति का मसीहा और बुद्ध और गांधी का देश स्वीकार किया जाता है।

अपनी घोषित नीति पर अडिग

अन्याय पूर्ण हिंसक आक्रमण का जवाब न्यायपूर्ण प्रतिहिंसक कार्यवाही द्वारा प्रदान करने का सैद्धांतिक आधार महात्मा बुद्ध द्वारा ही प्रतिपादित किया गया था और महात्मा गांधी द्वारा भी कायरता और हिंसा के मध्य विकल्प चुनने की स्थिति में हिंसा को ही विकल्प चुनने के लिए कहा था। न्यूक्लियर अस्त्र शस्त्रों की सैन्य मोर्चे पर तैनाती के बावजूद न्यूक्लियर बम द्वारा पहले इस्तेमाल करके प्रहार न करने की अपनी घोषित नीति पर भारत सदैव डटा रहेगा। अतः यह कहना एकदम अनुचित होगा कि भारत ने अपनी सुरक्षा सैन्य रणनीति में कोई बुनियादी बदलाव अंजाम दिया है। भारत की परमाणु बमों से लैस पनडुब्बियां क्रमशः आईएनएस अरिहंत, आईएनएस अरिघात और आईएनएस अरिदमन हैं, जो कि हिंद महासागर में तैनात कर दी गई। परमाणु अस्त्र शस्त्रों के जो आंकड़े विश्व पटल पर उपलब्ध हैं, उनके मुताबिक विश्व के परमाणु बमों से लैस देशों के पास कुल मिलाकर 12187 परमाणु बमों का जखीरा विद्यमान हैं।

खास बातें

- वर्तमान बजट में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए केवल 93 बिलियन डॉलर रखे गए
- भारत ने सन् 2003 में घोषित की थी अपनी परमाणु सैन्य रणनीति
- प्रथमतः न्यूक्लियर अस्त्रों का कदाचित इस्तेमाल नहीं करेगा देश
- अब पाक के साथ चीन का इलाका भी भारतीय परमाणु बमों की रेंज में आया

हमारे पास 190 परमाणु बम

परमाणु बमों की संख्या में से तकरीबन 4012 सैन्य मोर्चेबंदी पर तैनात किए गए हैं। तकरीबन 2200 परमाणु बमों को हाई रेंज बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ सन्नद करके हाई अलर्ट पर रखा गया है, ताकि उनको किसी भी वक्त दागा जा सके। रूस के पास अनुमानित तौर पर 6700 परमाणु बम हैं। अमेरिका के पास अनुमानित तौर से 5500 परमाणु बम हैं। चीन के पास अनुमानित रूप से तकरीबन 685 परमाणु बम हैं। भारत के पास केवल 190 परमाणु बम हैं और पाकिस्तान के पास 170 परमाणु बम हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा बजट पर सबसे अधिक खर्च अमेरिका करता है जो कि 954 बिलियन डॉलर है। भारत द्वारा वर्तमान बजट में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए केवल 93 बिलियन डॉलर रखे गए हैं। परमाणु संपन्न देश बनने के लिए भारत की ऐतिहासिक यात्रा अत्यंत दुश्वार और कठिनाइयों से परिपूर्ण रही है। विश्व पटल पर सबसे पहला परमाणु बम अमेरिका द्वारा वैज्ञानिक ओपनहाइमर के निर्देशन में निर्मित किया गया था। भारत को परमाणु संपन्न देश बनने की राह में सबसे अधिक रुकावट अमेरिका द्वारा ही उत्पन्न की गई थी। जबकि पाकिस्तान को परमाणु संपन्न देश बनाने में सबसे अधिक मदद भी अमेरिका द्वारा की गई। चीन द्वारा जब सन् 1964 में कामयाब परमाणु परीक्षण करके परमाणु बम निर्मित कर लिए गए तो फिर भारत ने भी परमाणु संपन्न देश बनने की दिशा में सोचना प्रारंभ किया।

पाकिस्तान को बड़ा पैगाम

भारत द्वारा फिलहाल 12 परमाणु बमों की राष्ट्रीय सुरक्षा मोर्चे पर तैनाती वस्तुतः पाकिस्तान को सबसे बड़ा पैगाम है, क्योंकि पाकिस्तान प्रायः भारत को परमाणु बम आक्रमण की धमकियां दिया कर है। लॉन्ग रेंज बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ परमाणु बम को सन्नद करने का भारतीय निर्णय यकीनन विस्तारवादी चीन को भी एक स्पष्ट पैगाम है। अब चीन का हर इलाका भारतीय परमाणु बमों की रेंज में आ गया है। अपनी ऐतिहासिक परंपराओं का निर्वाह करते हुए, भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति कदापि आक्रमणकारी नहीं होगी, किंतु अपनी राष्ट्रीय रक्षात्मक रणनीति के तहत परमाणु बम का इस्तेमाल करने में जरा भी संकोच नहीं करेगी।

प्रारंभ हुई 'मेक इन इंडिया' की उपलब्धि

सफलता

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

गुजरात के वडोदरा में भारत के रक्षा निर्माण क्षेत्र ने एक नए इतिहास की रचना की है। भारत में निर्मित सी-295 सैन्य परिवहन विमान सफलतापूर्वक अपनी पहली परीक्षण उड़ान पूरी कर चुका है। यह विमान गुजरात के वडोदरा स्थित फाइनल असेंबली लाइन से उड़ान भरकर 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बन गया है। टाटा और एयरबस की साझेदारी से बने इस प्रोजेक्ट में 56 विमान बनाए जाएंगे। मेक इन इंडिया की शुरुआत 25 सितंबर 2014 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई थी। इसके अंतर्गत वर्तमान में यह योजना 27 प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है, लेकिन विमान के क्षेत्र में यह पहली बार हुआ और सरकार इसको अपना सबसे बड़ा प्रोडक्ट बताने में सार्थक हुई। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि यदि सरकार का यह कदम सार्थक सिद्ध हो गया तो निश्चित तौर पर विश्व पटल पर भारत की उपस्थिति बड़े स्तर पर दर्ज हो जाएगी, लेकिन सवाल यही है कि क्या एक परीक्षण से इसको सफल मान लिया जाए या अभी और प्रतीक्षा करनी चाहिए। हालांकि संबंधित अधिकारियों के अनुसार यह हर तकनीकी पहलू में पास हो चुका है, तभी इसकी सफलतापूर्वक उड़ान हुई है। अधिकारियों ने यह भी कहा कि इस सफल परीक्षण उड़ान के बाद यह कार्यक्रम अब अपने अगले चरण में पहुंच गया है और उम्मीद है कि इसी साल भारतीय वायुसेना को भारत में बना पहला सी-295 विमान सौंप दिया जाएगा। भारतीय वायुसेना वर्तमान में मुख्य रूप से यूक्रेन, रूस, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका, और स्वदेशी रूप से भारत में निर्मित विमानों और हेलीकॉप्टरों का उपयोग करती है, जो सभी एक विशेष विमान हैं और इस श्रृंखला में सी-295 भी शामिल होने जा रहा है। यह पूरा कार्यक्रम करीब इक्कीस हजार करोड़ रुपये का है, जिसके तहत कुल सी-295 विमान भारत में बनाए जाएंगे। यह विमान भारतीय वायुसेना के पुराने एवीआरओ-748 विमानों की जगह लेंगे, जो 1960 के दशक से सेवा में हैं। यदि यह विमान संपूर्ण रूप से वर्चस्व में आ जाता है तो देश को सालाना कई अरबों का फायदा हो सकता है। चूंकि इस तरह के विमानों को हम विदेशों से ही खरीदते हैं, जिससे कई अरब रुपये बाहर चला जाता है। यदि यही पैसा देश में रहता है तो हमारी अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत होगी। यदि भारत में विमानों के पार्ट्स अपने वाहनों के अलावा बनाने के लिए बाहरी देशों में बेचें जाए तो इससे भी भारत को आर्थिक तौर पर मजबूती मिलेगी। जैसा कि बताया जा रहा है कि नया सी-295 विमान अधिक दूरी तक उड़ान भरने की क्षमता, ज्यादा भार वहन करने की क्षमता और आधुनिक तकनीकी एवं ऑपरेशनल सिस्टम से लैस है। इससे यह पहले से अधिक सक्षम और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें 85 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य भारत में ही किया जा रहा है और करीब 37 भारतीय कंपनियां इस सप्लाई चेन का हिस्सा हैं। यदि 85 प्रतिशत से अधिक निर्माण करने में सार्थक हो चुके और सभी संबंधित कंपनियां भारतीय हैं तो सफलता का स्तर बहुत बड़ा व सक्षम भविष्य के लिए अच्छा संकेत हैं। वैसे तो बीते कई वर्षों से हम बहुत सारी ऐसी चीजों का निर्माण कर रहे हैं जिससे बाहरी आत्मनिर्भरता धीरे-धीरे खत्म हो रही है। यदि इस विमान के क्षेत्रों में हम संपूर्ण सफलता पा लेते हैं तो यह वाकई नए भारत की नई तस्वीर बन जाएगी। वैसे सी-295 फॉर्मेट पहले से कई देशों में इस्तेमाल हो रहा है। यह विमान सैनिकों और सामान की ढुलाई, मेडिकल इवैक्यूएशन, निगरानी और टोही मिशन के साथ-साथ आपदा राहत और मानवीय सहायता जैसे कार्यों में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसकी विश्वसनीयता और उपयोगिता इसे आधुनिक सैन्य जरूरतों के लिए बेहद उपयोगी बनाती है। इस विमान का फॉर्मेट वैसे तो अपने अपने देश में बनाया हुआ कामयाब है, लेकिन अब भारत की बारी है। इस बार इस विमान को विशेष बनाने के लिए इसे खराब मौसम बचाव, दुर्गम क्षेत्रों (जैसे हिमालय और नॉर्थ-ईस्ट) और छोटी या कच्ची हवाई पट्टियों से आसानी से संचालित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे यह विषम परिस्थिति में क्षतिग्रस्त व प्रभावित न हो। इस विमान को लेकर भारत सरकार व नागरिकों में एक अद्भुत व सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा है। जहां दशक भर विपक्ष 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को लेकर तंज कसता रहा, वहीं सत्ता पक्ष इस प्रोजेक्ट से मुंहतोड़ जवाब देने की बात कर रहा है। लेकिन हमें यह समझना चाहिए कि देश की प्रगति करना किसी भी सरकार का धर्म, फर्ज व कर्तव्य माना जाता है। इसमें न तो विपक्ष सरकार को नीचा दिखाने की कोशिश करे और न ही सरकार इसमें अपने आप शाबाशी ले। आज भारत जैसे देश को हर स्थिति में अपनी सुरक्षा मजबूत करने की अनिवार्यता है। बहरहाल सी-295 के सफल परीक्षण के बाद अब बाकी विमानों की भी प्रतीक्षा रहेगी।

नया सी-295 विमान अधिक दूरी तक उड़ान भरने, ज्यादा भार वहन करने की क्षमता और आधुनिक तकनीकी एवं ऑपरेशनल सिस्टम से लैस है। इससे यह पहले से अधिक सक्षम और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें 85 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य भारत में ही किया जा रहा है।

रक्षा निर्माण क्षमता में आएगी आत्मनिर्भरता

क्षमता

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

इस सूचना से निश्चय ही पूरे देश का आत्मविश्वास बढ़ा होगा कि भारत महत्वाकांक्षी पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान स्टील्थ फाइटर जेट एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट या एएमसीए का स्वयं निर्माण करने जा रहा है। इसमें भी महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकारी विमान निर्माता कंपनी हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की जगह तीन निजी कंपनियों, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, एलएंडटी- बीईएल-डायनामेटिक कंसोर्टियम और भारत फोर्ज-बीईएमएल-डेटा पैटर्न्स कंसोर्टियम को चुना गया है। सरकार की घोषणा के साथ अलग-अलग तरह की टिप्पणियां आ रहीं हैं। 15,000 करोड़ रुपये की इस परियोजना के तहत चुनी गई प्राइवेट कंपनी आंध्र प्रदेश में एक नई ग्रीनफील्ड सुविधा केंद्र स्थापित करेगी।

इस केंद्र में एएमसीए के पांच प्रोटोटाइप तैयार किए जाएंगे। ये निजी कंपनियां रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए) के साथ मिलकर काम करेंगी। पूरी परियोजना आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में 650 एकड़ भूमि पर विकसित की जा रही नई सुविधा में किया जाएगा। सरकार ने चुनी गई कंपनियों को पहला प्रोटोटाइप तैयार करने के लिए 30 महीने की समय सीमा दी है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह देश का पहला स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान होगा। यह रक्षा निर्माण क्षमता में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की दृष्टि से अब तक का सबसे बड़ा कदम है। जैसा हम जानते हैं कि भारत को अमेरिका और रूस ने एफ-35 और सुखोई-57 विमान देने का ऑफर दिया था, लेकिन इसके बावजूद सरकार ने घरेलू स्तर पर इसे तैयार करने की ओर कदम बढ़ाया है तो इसका अर्थ है कि पिछले कुछ वर्षों में रक्षा उत्पादन निर्माण एवं निर्यात के क्षेत्र में प्रगति के कारण हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है। अभी तक की योजना के अनुसार पहला प्रोटोटाइप 2028 से 2032 के बीच उड़ान भर सकता है, जबकि बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू होने के बाद विमान 2035 के बाद भारतीय वायुसेना में शामिल हो सकता है। पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान भारत में निजी क्षेत्र की कंपनियों की भागीदारी से निर्मित होगा, इसकी पहले कल्पना नहीं की जा सकती थी। इससे रक्षा क्षेत्र में निजी भागीदारी के एक ऐसे दौर की शुरुआत होगी, जो हम अमेरिका, यूरोप और अन्य विकसित देशों में देखते हैं। भारतीय वायुसेना अभी मुख्य रूप से चौथी और 4.5 पीढ़ी के विमानों पर निर्भर है। दूसरी ओर चीन पहले से ही एडवांस स्टेल्थ कॉम्बैट फाइटर का इस्तेमाल कर रहा है और उसने 6वीं पीढ़ी के प्रोटोटाइप जैसे चेंगदू जे-36 और शेनयांग जे-50 भी पेश किए हैं। समाचार यह भी है कि पाकिस्तान आने वाले सालों में चीन के जे-35ए स्टेल्थ फाइटर जेट को अपनी वायुसेना में शामिल कर सकता है। भारत के पास उनके समानांतर स्वयं को सशक्त करने के लिए एक रास्ता बाहर से खरीद का भी था, किंतु जब हम रक्षा बाजार में स्वयं आगे बढ़ने की महत्वाकांक्षी योजनाओं पर काम कर रहे हैं, उसमें सफलताएं मिल रही हैं, हमारे वैज्ञानिक तकनीशियन और निजी क्षेत्र भी अपनी उपयोगिता साबित करने का संकेत दे रहे हैं तो फिर हमें स्वयं स्वदेशी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ना चाहिए। एचएएल जैसी सार्वजनिक कंपनी पर सारी जिम्मेदारी छोड़कर हम विश्व की रक्षा प्रतिस्पर्धा में खड़ा नहीं हो सकते। निजी क्षेत्र की कंपनियों को आगे लाना और सरकारी कंपनियों के साथ उनकी साझेदारी सबसे व्यावहारिक और उपयुक्त रास्ता है। मुख्य बात कुशलतापूर्वक योजना बनाने और उसके पहले ठोस आधारभूमि तैयार कर लेने में है। कहा जा सकता है कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत का रक्षा उत्पादन डेढ़ लाख करोड़ हो जाएगा तथा यह रक्षा क्षेत्र में निर्यात भी कर सकेगा, इसकी कल्पना पहले नहीं की जा सकती थी। भारत के कुछ ब्रांड ने तो दुनिया में स्थान बनाना आरंभ कर दिया है। ये हैं ब्रह्मोस , पिनाका, आकाश मिसाइलें, स्वाति रडार और 155 एम एडवांस्ड टावर आर्टिरीगंज यानी एटीएजीएस। इन्हें अर्मेनिया से लेकर फिलीपींस तक कई देशों ने अपनी रक्षा प्रणाली में शामिल किया है। इन्हीं आधारों पर भारत ने 2030 तक 50 हजार करोड़ के रक्षा निर्यात का लक्ष्य निर्धारित किया हुआ है। इसलिए उम्मीद रखनी चाहिए कि नियत समय पर हम पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान एएमसीए तैयार कर वायु सेना को सौंपने तथा आगे लड़ाकू विमान के रक्षा बाजार में भी उतरने की क्षमता हासिल कर सकेंगे।

भारत ने 2030 तक 50 हजार करोड़ के रक्षा निर्यात का लक्ष्य निर्धारित किया हुआ है। इसलिए उम्मीद रखनी चाहिए कि नियत समय पर हम पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान एएमसीए तैयार कर वायु सेना को सौंपने तथा आगे लड़ाकू विमान के रक्षा बाजार में भी उतरने की क्षमता हासिल कर सकेंगे।

अर्थव्यवस्था-कूटनीति को साधने का उपकरण

रक्षा निर्यात

डॉ. एन. के. सोमानी

वरिष्ठ स्तंभकार

एक समय वह था, जब भारत अपनी रक्षा जरूरतों के लिए बाहरी देशों पर निर्भर हुआ करता था। सैन्य साजो-सामान व भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सेना विदेशी मुल्कों में निर्मित उपकरणों पर निर्भर रहती थी। आज उच्च तकनीकी विकास, 'आत्म निर्भर भारत' व 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों ने स्थिति को पूरी तरह पलट दिया है। हथियारों व सैन्य उपकरणों के लिए बाहरी राष्ट्रों पर निर्भर रहने वाला भारत आज हथियार बाजार का एक बड़ा खिलाड़ी बन गया है। आंकड़े बताते हैं कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात सर्वकालिक उच्च स्तर 38,424 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह पिछले वित्त वर्ष के 23,622 करोड़ रुपये से 14,802 करोड़ रुपये (62.66 प्रतिशत) अधिक है। अब सरकार ने 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपये का रक्षा उत्पादन और 50 हजार करोड़ रूपये का रक्षा निर्यात हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

साल 2024-25 में रक्षा उत्पादन एक लाख 54 हजार करोड़ रुपये था। दरअसल साल 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार ने घरेलू रक्षा निर्माण को बढ़ावा देने व देश को रक्षा क्षेत्र में निर्यातक (आपूर्तिकर्ता) राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने का रोडमैप तैयार किया। रोडमैप मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान शुरू किए गए 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के जरिए धरातल पर उतरता दिखाई दिया। रक्षा बाजार में भारत का दबदबा कायम करने के लिए सरकार ने 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान जैसे बड़े कदम उठाए। इसके अलावा रक्षा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को बढ़ाकर 74 प्रतिशत तक कर दिया गया । इसका परिणाम यह हुआ कि रक्षा क्षेत्र में विदेशी कंपनियों के आने से देश में अनुसंधान और विकास में सुधार हुआ और वैश्विक स्तर पर भारत की विश्वसनियता बढ़ी। सरकार के इन नीतिगत प्रयासों के परिणामस्वरूप रक्षा उपकरणों का आयात घटा और निर्यात को बढ़ावा मिला।

इन नीतिगत परिवर्तनों के चलते रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भारत का दबदबा कायम हुआ। सरकार ने आयात पर निर्भरता कम करने के लिए कई रक्षा वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगाए । इससे देश के भीतर न केवल रक्षा उपकरणों के निर्माण में तेजी आई बल्कि रणनीतिक रूप से भी भारत मजबूत हुआ। नई उभरती शक्तियां जो पश्चिमी देशों या अन्य महाशक्तियों पर अपनी निर्भरता कम करना चाहती थी उनके लिए भारत एक सस्ता और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभरा है। इसका एक फायदा यह हुआ कि सहयोगी देशों को रक्षा साजो-सामान और प्रशिक्षण देकर हिंद प्रशात क्षेत्र और अन्य जगहों पर भारत ने अपने सुरक्षा तंत्र को मजबूत बनाया। 80 से अधिक देशों को हथियार और रक्षा सामग्री का निर्यात कर रहा है। पहले रक्षा उपकरण बनाने का काम केवल सरकारी कंपनियों तक ही सीमित था। जब सरकार ने निजी कंपनियों के लिए रक्षा उद्योग के द्वार खोले, उसके बाद टाटा एडवांस्ट सिस्टम्स (टीएएसएल), लार्सन एंड टुब्रो डिफेंस (एलएंडटी), महिंद्रा डिफेंस सिस्टम, अदानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस, एमएसएस डिफेंस, पारस डिफेंस और डेटा पैटर्न्स जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों की भागदीदारी बढ़ने के बाद रक्षा उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि हुई। निसंदेह रक्षा निर्यात में हुई इस ऐतिहासिक वृद्धि से न केवल देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की कूटनीतिक साख बढ़ी है। कुल मिलाकर कहा जाए तो भारत का रक्षा क्षेत्र एक नए युग में प्रवेश कर रहा है।

डोकलाम विवाद और ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन और पाकिस्तान भारत को अलग-अलग मोर्चो पर घेरने की कोशिशों में जुटे हैं। सीमावर्ती राज्यों में कई चरमपंथी संगठन सक्रिय हैं। ऐसे में भारत ने भी दुनिया के दूसरे देशों की तरह सेना के आधुनिकीकरण और परंरागत सशस्त्रों के बजाए भविष्य की टेक्नोलॉजी को ध्यान में रखते हुए निवेश करने की जो योजना शुरू की है, निसंदेह भविष्य में उसके परिणाम सकारात्मक देखने को मिलेंगे। हालांकि रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भारत वैश्विक मंच पर एक महाशक्ति के रूप में स्थापित होने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है, लेकिन अभी भी भारत को एक लंबा सफर तय करना है। आंकड़े बताते हैं कि सफर लंबा जरूर है, लेकिन मुश्किल नहीं है।

भारत ने भी दुनिया के दूसरे देशों की तरह सेना के आधुनिकीकरण और परंरागत सशस्त्रों के बजाए भविष्य की टेक्नोलॉजी को ध्यान में रखते हुए निवेश करने की जो योजना शुरू की है, निश्चित रूप से भविष्य में उसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

पीएम मोदी ने की नई पीढ़ी के योगदान की प्रशंसा

युवा भारतीय देश और दुनिया के भविष्य को दे रहे आकार

पीएम ने कहा कि भारत के युवा विज्ञान और तकनीक से लेकर विनिर्माण, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और ड्रोन जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ रहे हैं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि एनडीए सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास को मजबूत रूप से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि यह देखकर प्रसन्नता होती है कि युवा भारतीय उन क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं जो हमारे देश और दुनिया के भविष्य को आकार देंगे। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने हाल ही में 12 साल पूरे किए हैं। इस अवसर पर पीएम मोदी ने देश के युवाओं के लिए सरकार की योजनाओं, प्रयासों और उपलब्धियों को गिनाया है।

भारत दुनिया के प्रमुख स्टार्टअप डेस्टिनेशन में से एक

सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास को दे रही मजबूती

पीएम नरेंद्र मोदी

उद्यमशीलता को दिया बढ़ावा

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा कि एनडीए सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास के लिए मजबूती से काम कर रही है। पिछले 12 वर्षों की एक खास बात यह रही है कि भारत के युवाओं ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। 'स्टार्टअप इंडिया', 'डिजिटल इंडिया', 'स्किल इंडिया' और 'अटल इनोवेशन मिशन' जैसी पहलों के जरिए एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार हुआ है जो नवोन्मेष, उद्यमिता और उद्यमशीलता को बढ़ावा देता है।

छोटे कस्बों और गांवों से आगे आए युवा

पीएम ने लिखा कि आज भारत दुनिया के प्रमुख स्टार्टअप डेस्टिनेशन में से एक है और इनमें से कई सफलता की कहानियां हमारी युवा शक्ति लिख रही है, और वह भी छोटे कस्बों और गांवों से। पीएम ने कहा कि भारत के युवा विज्ञान और तकनीक से लेकर विनिर्माण, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और ड्रोन जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ रहे हैं। युवा भारतीय उन क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं जो हमारे देश और दुनिया के भविष्य को आकार देंगे।

खेलों में भी बढ़ा रहे देश का गौरव

पीएम मोदी ने खेल जगत में युवाओं ने प्रदर्शन को सराहा। उन्होंने लिखा कि हमारे युवाओं ने खेल के क्षेत्र में भी देश का मान बढ़ाया है। कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में युवा भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार देश का गौरव बढ़ाया है। पीएम मोदी ने कहा कि खेलों का मजबूत इकोसिस्टम, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और खिलाड़ियों को मिलने वाला अधिक समर्थन युवा प्रतिभाओं के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है और उन्हें खेलों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

यूपी के युवक ने पीएम को लिखा भावुक पत्र

कहा- आप राष्ट्र की 'अमूल्य' धरोहर, करोड़ों के प्रेरणा स्त्रोत

कानपुर। यूपी के एक युवा प्रतियोगी परीक्षा आकांक्षी ने पीएम नरेंद्र मोदी को एक भावुक पत्र लिखकर वैश्विक अस्थिरता, संघर्षों और उनसे उत्पन्न आर्थिक चुनौतियों के बीच उनके

नेतृत्व पर अटूट विश्वास व्यक्त किया है। कानपुर निवासी आशुतोष यादव ने अपने पत्र में कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों का ऊर्जा आपूर्ति, व्यापार और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। ऐसे समय में पीएम मोदी द्वारा आत्मनिर्भरता, संयम और राष्ट्रीय हित पर दिया जा रहा जोर करोड़ों भारतीयों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बना हुआ है। यादव ने लिखा कि आप केवल एक जनप्रतिनिधि नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आशा, विश्वास और प्रेरणा के प्रतीक हैं। आप इस राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। हम कठिनाइयों का सामना कर लेंगे लेकिन भारत के स्वाभिमान, पहचान और संप्रभुता को कभी आंच नहीं आने देंगे।

खबर संक्षेप

चंडीगढ़ में कैशियर पर फायरिंग, हालत नाजुक

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के पॉश इलाके सेक्टर-11 स्थित एक मेडिकल स्टोर में घुसकर हथियारबंद

बदमाशों ने दिनदहाड़े ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बदमाशों ने दुकान के काउंटर पर बैठे कैशियर को अपना निशाना बनाया और उसे गोलियों से भून दिया। इस जानलेवा हमले में कैशियर गंभीर रूप से घायल हो गया है।

असम में आधार कार्ड जारी करने पर रोक

गुवाहाटी। अवैध घुसपैठ पर रोक लगाने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए असम सरकार ने 18 साल से

अधिक आयु के लोगों को आधार कार्ड जारी करने पर रोक लगाने का फैसला किया है। सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने बताया कि विशेष परिस्थितियों में संबंधित जिले के उपायुक्त (डीसी) को राज्य सरकार के पास प्रस्ताव भेजना होगा।

पटियाला में लिवर संक्रमण का प्रकोप, 27 प्रभावित

पटियाला। पटियाला के डोगरा मोहल्ला क्षेत्र में हेपेटाइटिस ए के मामलों की संख्या 27 तक पहुंच

चुकी है। स्वास्थ्य विभाग को आशंका है कि दूषित पेयजल और सीवेज मिश्रित पानी इस संक्रमण की मुख्य वजह हो सकता है। कई मरीज अस्पताल में भर्ती हैं जबकि बाकी लोगों की निगरानी की जा रही है।

गोवा सीएम के काफिले में घुसी एसयूवी, 5 अरेस्ट

पणजी। उत्तरी गोवा में सीएम प्रमोद सावंत के काफिले में एक अज्ञात एसयूवी के घुसने के बाद

पुलिस ने एक कांस्टेबल समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया। यह घटना गुरुवार रात अमोनो में उस समय हुई, जब सीएम संखेलिम से पणजी जा रहे थे। गाड़ी में सवार लोग शराब के नशे में पाए गए।

पूर्ववर्ती ममता सरकार पर सीएम सुवेंदु अधिकारी का बड़ा एक्शन

बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट पर 635 करोड़ के भुगतान की होगी जांच

विस्तृत जांच के बाद किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा

सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि उनकी सरकार पूरे मामले की विस्तृत जांच कराएगी और यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता सामने आती है तो किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को पूर्ववर्ती ममता बेनर्जी सरकार के कार्यकाल में आयोजित बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट (बीजीबीएस) को लेकर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि सम्मेलन के आयोजन के नाम पर 635 करोड़ रुपए एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी को भुगतान किए गए थे। सीएम ने कहा कि उनकी सरकार पूरे मामले की विस्तृत जांच कराएगी और यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता सामने आती है तो किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। कोलकाता के न्यूटाउन स्थित विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व 12वर्ष पूरे होने और राज्य सरकार के एक मास पूरे होने पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में सीएम ने यह बात कही।

सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार ने कई वर्षों तक बड़े पैमाने पर बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट का आयोजन किया और हर बार राज्य में भारी निवेश आने के दावे किए गए। हालांकि, इन दावों के अनुरूप जमीनी स्तर पर उद्योगों का विस्तार और रोजगार सृजन अपेक्षित स्तर पर नहीं दिखाई दिया।

दावों के अनुरूप जमीनी स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं

पता करेंगे राशि किन मदों में खर्च की गई, वास्तविक उपयोग क्या रहा

भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितता मामलों में ढिलाई नहीं देंगे

सीएम सुवेंदु अधिकारी

पूर्व सीएम ममता बेनर्जी

सीएम ने आरोप लगाया कि बीजीबीएस के आयोजन के नाम पर 635 करोड़ रुपए एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी को भुगतान किए गए। उन्होंने कहा कि सरकार यह पता लगाएगी कि यह राशि किन मदों में खर्च की गई, उसका वास्तविक उपयोग क्या था और भुगतान की प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता हुई या नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं के मामलों में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरतेगी। कानून के दायरे में आने वाले किसी भी व्यक्ति को राजनीतिक पहचान या प्रभाव के आधार पर राहत नहीं मिलेगी।

अभिषेक बेनर्जी के घर तड़के 3 बजे पुलिस ने की छापेमारी

सहायक सुमित रॉय की तलाश जारी

पश्चिम मेदिनीपुर के सलबोनी थाने की टीम, एक डीएसपी के नेतृत्व में

और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों के साथ, शनिवार सुबह करीब 3 बजे दक्षिण कोलकाता के कालीघाट रोड स्थित अभिषेक बेनर्जी के आवास पर पहुंची। इसके कुछ ही देर बाद कालीघाट थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। टीम ने कई बार घर का दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब नहीं मिलने पर दो घंटे इंतजार के बाद पुलिस ने राज्य आपदा प्रबंधन विभाग की मदद से प्रवेश द्वार का ताला तोड़कर घर के अंदर प्रवेश किया।

ऋतब्रत बेनर्जी का दावा

64 विधायकों का समर्थन स्पीकर करा लें फ्लोर टेस्ट

टीएमसी के बागी नेता ऋतब्रत बेनर्जी ने दावा किया है कि बड़ी

संख्या में असंतुष्ट तृणमूल विधायक उनके समर्थन में हैं। उनका कहना है कि इस संबंध में आवश्यक जानकारी विधानसभा अध्यक्ष को उपलब्ध करा दी गई है।

कल्याण बेनर्जी के बदले सुर

अभिषेक बेनर्जी को बताया बेटे समान

हाल ही में कल्याण बेनर्जी ने ममता बेनर्जी को अल्टीमेटम दिया था कि वे अपने भतीजे अभिषेक बेनर्जी और उनमें से किसी एक को चुन लें। हालांकि अब कल्याण बेनर्जी के सुर बदले नजर आ रहे हैं और ताजा बयान में उन्होंने कहा कि अभिषेक बेनर्जी मेरे बेटा जैसा है। पिता का कर्तव्य है कि वह बेटे की सभी गलतियों को माफ कर दे।

... अब सांसद सुदीप बंदोपाध्याय हुए बागी

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुदीप बंदोपाध्याय शनिवार को

बागी सांसद शताब्दी रॉय के साथ दिल्ली में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर पहुंचे। बागी सांसद जगदीश बसुनिया ने कहा कि सभी बागी सासंद रविवार को पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी से मुलाकात करने वाले हैं। इसके बाद वे लोकसभा अध्यक्ष से भी मिलेंगे।

हम सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे, अभी गठबंधन की कोई बात नहीं: ढिल्लो

शाह और नवीन ने ली पंजाब भाजपा की बैठक, विधानसभा चुनाव की रणनीति पर की चर्चा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने अगले साल होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर नई दिल्ली में मंथन किया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने नई दिल्ली में पंजाब भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर पार्टी की रणनीति पर चर्चा की। इस बैठक में फिलहाल तय किया गया कि पार्टी सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और जीत हासिल करेगी। बैठक में पंजाब भाजपा के अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़, मनप्रीत बादल सहित अनेक नेता मौजूद रहे।

पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने बैठक के बाद मीडिया से कहा कि हम सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। अभी गठबंधन की कोई बात नहीं है। हम पंजाब में भाजपा सरकार बनाएंगे।

भाजपा नेता मनप्रीत सिंह बादल ने भी पुष्टि की कि पार्टी पंजाब को वर्तमान आर्थिक और सामाजिक संकट से उबारने के उद्देश्य से डबल-इंजन सरकार स्थापित करने के लिए सभी 117 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की योजना बना रही है। बादल ने कहा कि बैठक का मुख्य फोकस पंजाब के सामने आने वाली चुनौतियों, उनके समाधानों और आगामी चुनावों के संबंध में लोगों की अपेक्षाओं पर था। हमने इस पर विचार-विमर्श किया कि पंजाब को उसके आर्थिक और सामाजिक संकट से कैसे बाहर निकाला जाए और उसकी खोई हुई प्रतिष्ठा को कैसे बहाल किया जाए। यह तय किया गया कि पार्टी सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

सूत्रों के अनुसार बैठक में शाह ने पंजाब के नेताओं से कहा कि पूरी एकजुटता के साथ विधानसभा चुनाव लड़ना और जीतना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शहर और कस्बों के अलावा गांवों में भी आम आदमी पार्टी और कांग्रेस की कमियां लोगों के सामने लाई जाएं। भाजपा अध्यक्ष नवीन ने संगठन से जुड़ी बारिकियों को लेकर प्रदेश के नेताओं से चर्चा की। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किया जाए।

लोक सभा अध्यक्ष ने "विकसित भारत@2047 के लिए सतत कृषि : परंपरा, प्रौद्योगिकी और ठोस परिणाम" विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को किया संबोधित

परंपरा और प्रौद्योगिकी के समन्वय से भारत कृषि क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व प्रदान करेगा : बिरला

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक के प्रभावी समन्वय के माध्यम से भारत वैश्विक कृषि नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि सतत कृषि, नवाचार और अनुसंधान 'विकसित भारत@2047' के संकल्प को साकार करने के प्रमुख आधार हैं।

बिरला "विकसित भारत@2047 के लिए सतत कृषि : परंपरा, प्रौद्योगिकी और ठोस परिणाम" विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। यह सम्मेलन नई दिल्ली में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। अपने संबोधन में बिरला ने कहा कि भारत में कृषि केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि देश की संस्कृति, सभ्यता और जीवन-दर्शन का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, ग्रामीण समृद्धि को बढ़ावा देने, सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने तथा समावेशी विकास को गति देने में कृषि की केंद्रीय भूमिका है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के गाँव उसकी वास्तविक शक्ति हैं और किसान देश की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक संरचना के भी आधार स्तंभ हैं।

जलवायु परिवर्तन तथा वैश्विक परिस्थितियों में हो रहे तीव्र बदलावों से उत्पन्न चुनौतियों का उल्लेख करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान समय में विज्ञान-आधारित, अनुसंधान-संचालित और नवाचार-केंद्रित कृषि की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक कृषि ज्ञान और अत्याधुनिक तकनीकों का समन्वय ही ऐसे कृषि पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर सकता है जो टिकाऊ, लाभकारी और भविष्य की चुनौतियों के प्रति सक्षम हो। बिरला ने कृषि विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, वैज्ञानिकों और नवप्रवर्तकों को भारत के कृषि भविष्य का प्रमुख आधार बताते हुए कहा कि ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डेटा विश्लेषण और डिजिटल खेती जैसी उन्नत तकनीकें कृषि को अधिक सटीक, दक्ष और उत्पादक बना रही हैं। उन्होंने ग्रामीण विकास को नई गति प्रदान करने तथा किसानों की आय और आजीविका में सुधार के लिए कृषि-आधारित उद्योगों, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों और कृषि स्टार्टअप्स के विस्तार पर भी बल दिया।

सुदर्शन ने जीता 'ग्रैंड सैंड मास्टर कप 2026'

ग्लोबल वार्मिंग कलाकृति के लिए मिला अवार्ड

भुवनेश्वर। ओडिशा के प्रसिद्ध रेत कलाकार पद्मश्री सुदर्शन पटनायक को रूस में आयोजित द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सैंड स्कल्पचर महोत्सव में रूस ग्रैंड सैंड मास्टर कप 2026 से सम्मानित किया गया। इस सम्मान से सम्मानित होने वाले वाले वह पहले भारतीय सैंड आर्टिस्ट बन गए हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY KHARAGPUR
विज्ञापन संख्या : R/03/2026 दिनांक 01 जून 2026
संस्थान भारतीय नागरिकों से **कुलसचिव** पद के लिए **स्तर 14** के वेतन मैट्रिक्सः- 144200-218200/- में प्रतिनियुक्ति अवधि/संविदा के आधार पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है ।
विस्तृत विवरण एवं अद्यतन जानकारी के लिए
(http://www.iitkgp.ac.in> > Jobs >> Staff Opening) पर जाएं।
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथिः 30.06.2026 ।
डीन (प्रशासन) / Dean (Admin)
CBC 21255/11/0001/2627

प्राकृतिक खेती से डिजिटल एग्रीकल्चर तक, चार नए वैश्विक नेटवर्क पर सहमत ब्रिक्स देश

भारत की अध्यक्षता में 'ब्रिक्स इंदौर डिक्लेरेशन', वैश्विक कृषि सहयोग का नया घोषणापत्र जारी

छोटे किसान, महिलाएं और युवाओं पर फोकस, इंदौर बैठक में बना व्यापक रोडमैप: चौहान

इंदौर से दुनिया को संदेश: लैब से खेत तक नवाचार, हर छोटे किसान तक पहुंचेगा लाभ

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

इंदौर में आयोजित ब्रिक्स देशों की कृषि मंत्रिस्तरीय और अधिकारी स्तरीय बैठकों का समापन शनिवार को एक सर्वसम्मत 'इंदौर डिक्लेरेशन' के साथ हुआ जिसमें खाद्य सुरक्षा, किसान कल्याण, जलवायु-सहनीय खेती, कृषि व्यापार और डिजिटल एग्रीकल्चर को नई दिशा देने वाले कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वैश्विक संकट और अनिश्चितताओं के बीच ब्रिक्स देशों की यह बैठक पूरी दुनिया के लिए आशा, विश्वास और सामूहिक जिम्मेदारी का सशक्त संदेश लेकर आई है। चौहान ने अपने सहयोगी मंत्रियों रामनाथ ठाकुर और भागीरथ चौधरी तथा वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में मीडिया से चर्चा में कहा कि कृषि समूह की मंत्री स्तरीय तथा उससे पहले अधिकारी स्तरीय, दोनों बैठकें सानंद, सार्थक और सफलतापूर्वक संपन्न हुई हैं।

उन्होंने बताया कि सदस्य और सहयोगी देशों के लगभग 60 विदेशी प्रतिनिधियों सहित कुल लगभग 100 प्रतिनिधियों ने इस बैठक में भाग लिया जिससे यह स्पष्ट होता है कि कृषि और खाद्य सुरक्षा के प्रश्न पर ब्रिक्स देशों के बीच कितना गहरा जुड़ाव और गंभीरता है।

ब्रिक्स देश दुनिया की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं, इनके पास वैश्विक कृषि भूमि का करीब 42 प्रतिशत हिस्सा है और विश्व के खाद्यान्न उत्पादन में भी लगभग 42 प्रतिशत योगदान इन्हीं देशों का है, इसलिए इनकी सामूहिक आवाज वैश्विक मंच पर एक प्रभावी शक्ति के रूप में उभरी है।

उन्होंने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया में चार प्रमुख प्राथमिकताओं पर गहन विमर्श हुआ- दुनिया और ब्रिक्स देशों की खाद्य सुरक्षा (फूड सिक्योरिटी) और पौष्टिक आहार। ब्रिक्स देशों के बीच कृषि व्यापार और सहयोग को बढ़ावा, जलवायु परिवर्तन की चुनौती के बीच रीजेनेरेटिव फार्मिंग, जलवायु अनुकूल और सतत कृषि पद्धतियाँ, खाद्य प्रणालियों और कृषि क्षेत्र में नवाचार, तकनीक और साझेदारी को मजबूत करना। उन्होंने विशेष रूप से रेखांकित किया कि भरपूर अनाज उपलब्ध हो, साथ ही पोषणयुक्त भोजन भी सभी तक पहुंचे और जो अन्नदाता किसान दुनिया को भोजन देता है, उसकी आजीविका सुरक्षित और बेहतर हो, इन्हीं सवालों को बैठक की सोच के केंद्र में रखा गया।

चौहान ने कहा कि छोटे और सीमांत किसान, जिन्हें कई देशों में फैमिली फार्मर्स भी कहा जाता है, उन पर विशेष फोकस रखते हुए एक अलग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उनकी कठिनाइयों, इनपुट्स की उपलब्धता, ऋण प्रवाह, उचित कीमत और बाजार से जुड़ाव पर विस्तार से चर्चा हुई।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **(1) मोहम्मद आजम** पुत्र नूर मोहम्मद, निवासी मकान नंबर 01/291, त्रिलोक पुरी, दिल्ली, **(2) सोनू** पुत्र राजू, निवासी मकान नंबर 4/65, त्रिलोक पुरी, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 199/15, पांडव नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) मोहम्मद आज़म, (2) सोनू** मिल नहीं रहे और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **(1) मोहम्मद आज़म, (2) सोनू** फरार हो गए है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **(1) मोहम्मद आज़म, (2) सोनू, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 199/15, पांडव नगर, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.08.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।
आदेश से
सुश्री प्रिया गुप्ता-I
मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
कमरा नंबर-29, पूर्व
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली
DP/1646/ED/2026

महंगाई व टैक्स के दौर में

एफडी क्या सचमुच बढ़ा रही है बचत

फिक्स्ड डिपॉजिट आज भी पूंजी की सुरक्षा और स्थिर आय के लिए एक मजबूत विकल्प है, लेकिन केवल एफडी के भरोसे लंबी अवधि में बड़ी संपत्ति बनाना आसान नहीं है। महंगाई और टैक्स मिलकर इसके वास्तविक रिटर्न को काफी कम कर सकते हैं। इसलिए निवेशकों को अपनी जरूरत, लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुसार एफडी के साथ अन्य निवेश विकल्पों का संतुलित उपयोग करना चाहिए। आखिरकार निवेश की असली सफलता बैंक बैलेंस बढ़ने में नहीं, बल्कि समय के साथ आपकी क्रय शक्ति बढ़ने में छिपी होती है।

तैयारी
बिजनेस डेस्क

खास बातें

1 5 प्रतिशत महंगाई के बीच एफडी कैसे बन रहा है सीमित कमाई का साधन

2 विशेषज्ञों ने दी निवेश की रणनीति बदलने की सलाह

3 सुरक्षित निवेश तो है, लेकिन लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण के लिए अकेली एफडी काफी नहीं

भारत में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को लंबे समय से सुरक्षित और भरोसेमंद निवेश का प्रतीक माना जाता रहा है। निश्चित ब्याज, पूंजी की सुरक्षा और आसान प्रक्रिया के कारण लाखों निवेशक अपनी बचत एफडी में लगाते हैं। लेकिन बदलते आर्थिक माहौल में केवल ब्याज दर को देखकर निवेश का आकलन करना पर्याप्त नहीं रह गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी निवेश की वास्तविक सफलता इस बात से तय होती है कि वह महंगाई और करों का असर झेलने के बाद निवेशक की क्रय शक्ति को कितना बढ़ा पाता है। यदि एफडी पर मिलने वाला रिटर्न महंगाई दर के बराबर या उससे कम है, तो खाते में रकम बढ़ने के बावजूद वास्तविक लाभ सीमित रह जाता है। खासकर उच्च आयकर स्लैब वाले निवेशकों के लिए टैक्स कटने के बाद एफडी का रिटर्न और कम हो जाता है। ऐसे में यह सवाल महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या एफडी केवल धन सुरक्षित रखने का साधन है या फिर वास्तव में संपत्ति निर्माण का भी प्रभावी माध्यम है।

पूंजी सुरक्षा के लिए बेहतर, लेकिन वेल्थ क्रिएशन के लिए जरूरी है विविध निवेश रणनीति

महंगाई क्यों कम कर देती है

- मान लीजिए किसी निवेशक को एफडी पर 6 प्रतिशत ब्याज मिलता है और उसी अवधि में महंगाई दर 5 प्रतिशत रहती है। ऐसे में निवेशक का वास्तविक लाभ केवल 1 प्रतिशत के आसपास रह जाता है।
- वित्तीय सलाहकार इसी कारण ₹रियल रिटर्न₹ पर जोर देते हैं। रियल रिटर्न का अर्थ है निवेश से मिलने वाला वास्तविक लाभ, जो महंगाई घटाने के बाद बचता है।
- रियल रिटर्न = निवेश पर रिटर्न – महंगाई दर
- यदि एफडी का ब्याज 4.9 प्रतिशत और महंगाई 5 प्रतिशत है, तो निवेशक की क्रय शक्ति बढ़ने के बजाय घट भी सकती है।

एसबीआई की एफडी दरें क्या बताती हैं?

- 5 प्रतिशत महंगाई को आधार मानें तो छह महीने तक की छोटी अवधि वाली कई एफडी योजनाएं महंगाई को मात देने में संघर्ष करती दिखाई देती हैं। इन पर मिलने वाला ब्याज 3.05 प्रतिशत से 4.9 प्रतिशत के बीच है।
- हालांकि 1 से 3 वर्ष की अवधि वाली एफडी अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं। इस अवधि में एसबीआई करीब 6.25 से 6.4 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है, जिससे वास्तविक रिटर्न लगभग 1.25 से 1.4 प्रतिशत तक पहुंचता है। दिलचस्प बात यह है कि 5 से 10 वर्ष तक की लंबी अवधि की एफडी में भी महंगाई के बाद वास्तविक लाभ बहुत अधिक नहीं बढ़ता। यानी केवल लंबी अवधि के लिए पैसा लॉक करने से बड़ा लाभ मिलने की गारंटी नहीं है।

टैक्स के बाद और घट जाता है रिटर्न

महंगाई के अलावा टैक्स भी एफडी निवेशकों की कमाई को प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए 6.4 प्रतिशत ब्याज वाली एफडी पर।

- शून्य टैक्स स्लैब में रिटर्न: 6.4%
- 20% टैक्स स्लैब में रिटर्न: 5.12%
- 30% टैक्स स्लैब में रिटर्न: 4.48%
- यानी 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब वाले निवेशक के लिए 6.4 प्रतिशत का ब्याज प्रभावी रूप से 4.48 प्रतिशत रह जाता है, जो 5 प्रतिशत महंगाई से भी कम है। ऐसे में वास्तविक रिटर्न नकारात्मक हो सकता है।

लिक्विड फंड बन सकते हैं विकल्प

कम अवधि के निवेश के लिए लिक्विड फंड भी निवेशकों के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, एक प्रमुख लिक्विड फंड ने पिछले एक वर्ष में 6.29 प्रतिशत रिटर्न दिया, जो अधिकांश एफडी योजनाओं के बराबर या उनसे बेहतर रहा। हालांकि एफडी की तरह लिक्विड फंड में रिटर्न की गारंटी नहीं होती। ये बाजार से जुड़े होते हैं और समय के साथ इनमें उतार-चढ़ाव संभव है।

फिर भी एफडी क्यों है पसंदीदा?

एफडी की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण इसकी सुरक्षा और निश्चितता है। निवेशक को पहले से पता होता है कि उसे कब और कितना पैसा मिलेगा। एफडी विशेष रूप से इन लोगों के लिए उपयुक्त मानी जाती है:

- सेवानिवृत्त व्यक्ति
- आपातकालीन फंड रखने वाले निवेशक
- 1 से 3 वर्ष के लक्ष्यों के लिए बचत करने वाले लोग
- कम जोखिम पसंद करने वाले निवेशक

कौन-कौन से विकल्प उपलब्ध हैं?

- बेहतर महंगाई-समायोजित रिटर्न की तलाश करने वाले निवेशक अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार निम्न विकल्पों पर विचार कर सकते हैं।
- लिक्विड फंड
- मनी मार्केट और शॉर्ट ड्यूरेशन डेट फंड
- आरबीआई फ्लोटिंग रेट सेविंग्स बॉन्ड
- लंबी अवधि के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड

हर महिला को जरूर अपनानी चाहिए ये 5 वेल्थ मैनेजमेंट टिप्स

बिजनेस डेस्क

आज की महिलाएं सिर्फ परिवार और करियर की जिम्मेदारियां ही नहीं निभा रहीं, बल्कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। बदलते दौर में वित्तीय सुरक्षा और संपत्ति निर्माण महिलाओं की प्राथमिकताओं में शामिल हो चुका है। हालांकि, कई महिलाएं अभी भी निवेश, बीमा और रिटायरमेंट प्लानिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पातीं, जिससे भविष्य में आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि सही वित्तीय योजना और अनुशासित निवेश के जरिए महिलाएं न केवल अपने वर्तमान को सुरक्षित बना सकती हैं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए मजबूत आर्थिक आधार भी तैयार कर सकती हैं। नियमित निवेश, आपातकालीन फंड, पर्याप्त बीमा और वित्तीय निर्णयों में सक्रिय भागीदारी जैसे कदम महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हैं। आइए जानते हैं ऐसी पांच महत्वपूर्ण वेल्थ मैनेजमेंट टिप्स, जिन्हें अपनाकर महिलाएं अपने भविष्य को अधिक सुरक्षित और समृद्ध बना सकती हैं।

निवेश को करें ऑटोमेटिक

नियमित निवेश की आदत बनाने का सबसे आसान तरीका है निवेश को ऑटोमेट करना। इसके लिए सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) या फिर आरडी में निवेश कर सकते हैं और हर महीने नियमित निवेश कर सकते हैं। ऑटोमैटिक निवेश की सुविधा से करियर में बदलाव या आय में उतार-चढ़ाव के दौरान भी निवेश जारी रहता है। इससे समय के साथ कंपाउंडिंग का लाभ मिलता है और बिना ज्यादा निगरानी के अच्छी संपत्ति बनाई जा सकती है।

रिटायरमेंट के लिए अलग फंड बनाएं

रिटायरमेंट प्लानिंग को टालना भविष्य में आर्थिक परेशानी का कारण बन सकता है। ऐसे में करियर की शुरुआत से ही आय का एक हिस्सा रिटायरमेंट फंड के लिए अलग रखना चाहिए। इसके साथ ही बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य संबंधी खर्च और अन्य दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए भी अलग निवेश योजना बनाना फायदेमंद रहता है। समय-समय पर इन निवेशों की समीक्षा करना भी जरूरी है।

अपने फैसले खुद लें

आर्थिक आत्मनिर्भरता का मतलब सिर्फ कमाई करना नहीं, बल्कि अपने पैसों से जुड़े फैसले खुद लेना भी है। महिलाओं को निवेश, बचत, बीमा और टैक्स प्लानिंग जैसे विषयों की बुनियादी जानकारी रखनी चाहिए। जब आप अपने वित्तीय मामलों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं, तो आत्मविश्वास बढ़ता है और महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णयों के लिए दूसरों पर निर्भरता कम होती है।

वित्तीय फैसलों की जिम्मेदारी खुद लें

आर्थिक आत्मनिर्भरता का मतलब सिर्फ कमाई करना नहीं, बल्कि अपने पैसों से जुड़े फैसले खुद लेना भी है। महिलाओं को निवेश, बचत, बीमा और टैक्स प्लानिंग जैसे विषयों की बुनियादी जानकारी रखनी चाहिए। जब आप अपने वित्तीय मामलों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं, तो आत्मविश्वास बढ़ता है और महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णयों के लिए दूसरों पर निर्भरता कम होती है।

मजबूत इमरजेंसी फंड तैयार करें

जीवन में कब कौन सी चुनौती सामने आ जाए, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। नौकरी छूटना, स्वास्थ्य संबंधी समस्या या कोई अन्य अप्रत्याशित खर्च आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे समय में इमरजेंसी फंड और पर्याप्त बीमा कवरेज ही काम आता है।

ईपीएफ का छिपा फायदा

8.25% ब्याज, लेकिन असली रिटर्न 11.8%

विशेषज्ञों का मानना है कि ईपीएफ केवल बचत का माध्यम नहीं, बल्कि रिटायरमेंट योजना की रीढ़ है। नियमित योगदान, चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ, कर छूट और सरकारी निगरानी इसे एक भरोसेमंद निवेश बनाती है। यदि कर्मचारी नौकरी के शुरुआती वर्षों से ही ईपीएफ को गंभीरता से लें और बीच में निकासी से बचें, तो रिटायरमेंट तक एक बड़ा कोष तैयार किया जा सकता है।

तैयारी
बिजनेस डेस्क

भारत में नौकरीपेशा लोगों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) लंबे समय से रिटायरमेंट बचत का एक भरोसेमंद माध्यम रहा है। हर महीने वेतन से कटने वाली राशि और उस पर मिलने वाला ब्याज कर्मचारियों को भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है। हालांकि कई लोग ईपीएफ को केवल एक अनिवार्य बचत योजना मानते हैं और इसकी तुलना म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार या अन्य निवेश विकल्पों से करते हुए इसे कम रिटर्न वाला निवेश समझ बैठते हैं। लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ईपीएफ की वास्तविक ताकत केवल इसकी घोषित ब्याज दर में नहीं, बल्कि इसके साथ मिलने वाले कर लाभ और पूंजी सुरक्षा में छिपी है। वर्तमान में ईपीएफ पर 8.25 प्रतिशत की दर से ब्याज मिल रहा है। पहली नजर में यह रिटर्न सामान्य लग सकता है, लेकिन यदि कर लाभों को भी जोड़कर देखा जाए तो पुराने टैक्स रिजीम में 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब वाले कर्मचारियों के लिए इसका प्रभावी रिटर्न लगभग 11.8 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार ईपीएफ को नौकरीपेशा लोगों के लिए सबसे मजबूत और सुरक्षित रिटायरमेंट निवेश विकल्पों में गिनते हैं।

कैसे बढ़ जाता है ईपीएफ का वास्तविक रिटर्न?

अधिकांश निवेशक किसी भी योजना का मूल्यांकन केवल उस पर मिलने वाले ब्याज या रिटर्न के आधार पर करते हैं। लेकिन ईपीएफ के मामले में यह तरीका पूरी तस्वीर नहीं दिखाता। इसकी वजह यह है कि ईपीएफ निवेश पर कर छूट का अतिरिक्त लाभ मिलता है। मान लीजिए कोई कर्मचारी एक वर्ष में ईपीएफ में 1 लाख रुपये का योगदान करता है। यदि वह पुराने टैक्स रिजीम में है और 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब के अंतर्गत आता है, तो

टैक्स छूट, टैक्स-फ्री ब्याज और सुरक्षित निवेश का लाभ

आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत उसे लगभग 30 हजार रुपये तक की टैक्स बचत मिल सकती है। इसका मतलब यह हुआ कि कर्मचारी की जेब से वास्तविक रूप से केवल 70 हजार रुपये का खर्च हुआ, लेकिन ब्याज पूरे 1 लाख रुपये पर मिलेगा। 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर के हिसाब से एक वर्ष में 8,250 रुपये का ब्याज प्राप्त होगा। यदि इस ब्याज को वास्तविक निवेश यानी 70 हजार रुपये के अनुपात में देखा जाए तो प्रभावी रिटर्न लगभग 11.8 प्रतिशत के बराबर बैठता है। यही वह गणित है जिसे कई कर्मचारी नजरअंदाज कर देते हैं और केवल घोषित ब्याज दर देखकर ईपीएफ के वास्तविक लाभ का आकलन नहीं कर पाते।

ईपीएफ की बड़ी ताकत है ईपीएफ टैक्स सुविधा

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार EPF की सबसे बड़ी विशेषता इसका ईईई टैक्स ढांचा है। भारत में बहुत कम निवेश विकल्प ऐसे हैं जो यह तीनहरा लाभ प्रदान करते हैं। पहला लाभ निवेश के समय मिलता है। कर्मचारी द्वारा ईपीएफ में जमा की गई राशि पर धारा 80सी के तहत कर छूट का दावा किया जा सकता है। दूसरा लाभ निवेश अवधि के दौरान मिलता है। ईपीएफ खाते में जमा राशि पर मिलने वाला ब्याज पूरी तरह कर मुक्त होता है। तीसरा लाभ निकासी के समय मिलता है। यदि कर्मचारी ने पांच वर्ष या उससे अधिक समय तक लगातार सेवा की है, तो ईपीएफ से निकाली गई राशि भी कर मुक्त रहती है। यानी निवेश से लेकर निकासी तक तीनों चरणों में कर राहत मिलती है। यही वजह है कि ईपीएफ को कर-कुशल निवेश विकल्प माना जाता है।

नए टैक्स रिजीम में भी बना हुआ है आकर्षण

सरकार द्वारा लागू किए गए नए टैक्स रिजीम में धारा 80सी के तहत मिलने वाली अधिकांश कर छूट समाप्त कर दी गई है। ऐसे में कुछ लोगों को लगता है कि ईपीएफ का महत्व कम हो गया है। हालांकि ऐसा पूरी तरह सही नहीं है। भले ही नए टैक्स रिजीम में ईपीएफ योगदान पर कर छूट न मिले, लेकिन खाते में मिलने वाला ब्याज अभी भी कर मुक्त रहता है और निर्धारित शर्तों के तहत निकासी पर भी टैक्स नहीं लगता। इसलिए यह योजना आज भी रिटायरमेंट बचत के लिए एक आकर्षक विकल्प बनी हुई है। हालांकि वर्तमान नियमों के अनुसार कर्मचारी के 2.5 लाख रुपये से अधिक वार्षिक योगदान पर मिलने वाले अतिरिक्त ब्याज के एक हिस्से पर कर लगाया जा सकता है। यह प्रावधान मुख्य रूप से उच्च आय वाले कर्मचारियों पर लागू होता है।

सही होम लोन के चुनाव से मिलेगा बड़ा फायदा

मोरेटोरियम, नो-ईएमआई-टिल-पजेशन व बैलून पेमेंट से अति. लाभ | होम लोन का चयन करने से पहले विकल्पों को अच्छी तरह समझें

बिजनेस डेस्क

आज के समय में अपना घर खरीदना अधिकांश लोगों का सपना होता है, लेकिन लगातार बढ़ती प्रॉपर्टी कीमतों के कारण यह सपना पूरा करना आसान नहीं रह गया है। ऐसे में होम लोन लाखों लोगों के लिए घर खरीदने का सबसे बड़ा सहारा बनता है। हालांकि होम लोन लेते समय अधिकांश लोग केवल ब्याज दर और ईएमआई पर ध्यान देते हैं, जबकि बैंक और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार कई तरह के लोन विकल्प भी उपलब्ध कराती हैं। इन विकल्पों में मोरेटोरियम लोन, नो-ईएमआई-टिल-पजेशन स्कीम और बैलून पेमेंट लोन प्रमुख हैं। प्रत्येक योजना की अपनी विशेषताएं, फायदे और कुछ सीमाएं हैं। इसलिए किसी भी होम लोन का चयन करने से पहले इन विकल्पों को अच्छी तरह समझना जरूरी है।

मोरेटोरियम लोन देता है राहत

मोरेटोरियम लोन उन लोगों के लिए उपयोगी माना जाता है जो कुछ समय के लिए आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हों या भविष्य में उनकी आय बढ़ने की संभावना हो। इस योजना में उधारकर्ता को एक निश्चित अवधि तक नियमित ईएमआई का भुगतान नहीं करना पड़ता। हालांकि यह सुविधा पूरी तरह मुफ्त नहीं होती। मोरेटोरियम अवधि के दौरान भी लोन पर ब्याज लगातार जुड़ता रहता है। बाद में यह ब्याज मूल बकाया राशि में जोड़ दिया जाता है।

नो-ईएमआई-टिल-पजेशन योजना

वर्तमान समय में बड़ी संख्या में लोग निर्माणाधीन परियोजनाओं में घर खरीदते हैं। ऐसे खरीदारों के लिए नो-ईएमआई-टिल-पजेशन स्कीम आकर्षक विकल्प हो सकती है। इस योजना में घर का कब्जा मिलने तक खरीदार को नियमित ईएमआई का भुगतान नहीं करना पड़ता। कई मामलों में बिल्डर इस अवधि के दौरान ब्याज या ईएमआई का खर्च वहन करता है। इससे खरीदार पर तत्काल वित्तीय बोझ कम हो जाता है। यह योजना विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद मानी जाती है जो वर्तमान में किराए के मकान में रह रहे हैं और साथ ही नया घर भी खरीद रहे हैं। इससे उन्हें एक साथ किराया और ईएमआई दोनों का बोझ नहीं उठाना पड़ता। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इस सुविधा की लागत अक्सर किसी न किसी रूप में प्रॉपर्टी की कीमत में शामिल हो सकती है। इसलिए ग्राहकों को योजना के सभी नियम और शर्तें ध्यान से पढ़नी चाहिए।

बैलून पेमेंट लोन बेहतर

बैलून पेमेंट लोन पारंपरिक होम लोन से थोड़ा अलग होता है। इसमें शुरुआती वर्षों के दौरान ईएमआई अपेक्षाकृत कम रखी जाती है, जिससे मासिक भुगतान का दबाव कम रहता है। लेकिन लोन की अवधि के अंतिम चरण में उधारकर्ता को एक बड़ी राशि एकमुश्त चुकानी होती है। इसी बड़े अंतिम भुगतान को बैलून पेमेंट कहा जाता है। यह विकल्प उन लोगों के लिए उपयुक्त हो सकता है जिन्हें भविष्य में आय में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद हो। उदाहरण के लिए किसी कर्मचारी को बड़े बोनस, ईएसओपी (ईएसओपी) से लाभ या वेतन में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी की संभावना हो। वहीं व्यवसायियों को भविष्य में किसी बड़े लाभ की उम्मीद हो सकती है। हालांकि यदि अनुमानित आय वृद्धि नहीं होती तो अंतिम भुगतान करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसलिए इस विकल्प को चुनते समय वित्तीय स्थिति का वास्तविक आकलन करना जरूरी है।

लोन लेते समय रखें ध्यान

होम लोन का कोई भी विशेष विकल्प चुनने से पहले केवल कम ईएमआई या शुरुआती राहत को देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। यह समझना जरूरी है कि लंबे समय में कुल भुगतान कितना होगा और अतिरिक्त सुविधाओं की वास्तविक लागत क्या है। ग्राहकों को लोन की कुल अवधि, कुल ब्याज भुगतान, संभावित जोखिम और अपनी भविष्य की आय की स्थिति का मूल्यांकन करना चाहिए। इसके अलावा सभी नियमों और शर्तों को विस्तार से पढ़ना भी जरूरी है।

जरूरत अनुसार चुनें सही विकल्प

हर व्यक्ति की आर्थिक स्थिति और जरूरत अलग होती है। इसलिए कोई भी एक लोन योजना सभी के लिए उपयुक्त नहीं हो सकती। जहां मोरेटोरियम लोन अस्थायी राहत प्रदान करता है, वहीं नो-ईएमआई-टिल-पजेशन योजना निर्माणाधीन मकान खरीदने वालों के लिए फायदेमंद हो सकती है। दूसरी ओर बैलून पेमेंट लोन उन लोगों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है जिन्हें भविष्य में अधिक आय की उम्मीद हो। विशेषज्ञों का मानना है कि सही जानकारी और सावधानीपूर्वक मूल्यांकन के साथ चुना गया होम लोन न केवल घर खरीदने का सपना पूरा करता है, बल्कि लंबे समय तक वित्तीय संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है।

पति-पत्नी दोनों कमाते हैं तो सही बजट, नियमित संवाद जरूरी

डबल इनकम, डबल सुरक्षा : नौकरीपेशा दंपतियों के लिए कुछ जरूरी वित्तीय नियम

बेहतर आर्थिक भविष्य के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है। नियमित स्वास्थ्य जांच, मेडिकल इमरजेंसी फंड और पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा परिवार को अचानक आने वाले खर्चों से बचा सकते हैं। इसके अलावा जीवन बीमा भी परिवार की आर्थिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

तैयारी
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में जब पति-पत्नी दोनों नौकरी करते हैं, तो परिवार की आय बढ़ने के साथ-साथ आर्थिक अवसर भी बढ़ जाते हैं। घर खरीदने, बच्चों की शिक्षा, बेहतर जीवनशैली और सुरक्षित रिटायरमेंट जैसे बड़े लक्ष्य अपेक्षाकृत आसानी से हासिल किए जा सकते हैं। हालांकि दोहरी आय के साथ वित्तीय प्रबंधन की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। कई बार खर्च, बचत और निवेश को लेकर स्पष्ट योजना न होने से मतभेद और आर्थिक असंतुलन पैदा हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि डबल इनकम वाले दंपतियों के लिए नियमित वित्तीय चर्चा, साझा बजट, व्यक्तिगत और संयुक्त खर्चों के बीच संतुलन, पर्याप्त बीमा और अनुशासित निवेश बेहद जरूरी हैं। यदि दोनों साथी मिलकर स्पष्ट वित्तीय लक्ष्य तय करें और उनके अनुसार योजना बनाएं, तो न केवल वर्तमान जरूरतें बेहतर ढंग से पूरी की जा सकती हैं, बल्कि भविष्य की आर्थिक चुनौतियों का सामना भी आसानी से किया जा सकता है। छोटी-छोटी वित्तीय आदतें लंबे समय में बड़ी सफलता की नींव बनती हैं।

‘मेरा, तुम्हारा और हमारा’ फॉर्मूला अपनाएं

शादी के बाद भी आर्थिक स्वतंत्रता का महत्व बना रहता है। इसके लिए आय को तीन हिस्सों में बांटा जा सकता है। एक हिस्सा साझा खर्चों और पारिवारिक लक्ष्यों के लिए, जबकि बाकी दोनों पार्टनर के व्यक्तिगत खर्चों के लिए रखा जा सकता है। इससे जिम्मेदारियों और व्यक्तिगत जरूरतों के बीच संतुलन बना रहता है।

पैसों को लेकर खुलकर करें बातचीत

अक्सर दंपति आय और खर्चों को लेकर नियमित चर्चा नहीं करते, जिससे कई बार गलतफहमियां पैदा हो जाती हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर महीने एक तय समय पर बैठकर आय, खर्च, बचत और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करनी चाहिए। इससे वित्तीय फैसले पारदर्शी बनते हैं और आपसी विश्वास भी मजबूत होता है।

सही वित्तीय योजना से रख सकते हैं सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की मजबूत नींव

मिलकर बनाएं संतुलित बजट

दोनों की कुल आय को ध्यान में रखते हुए मासिक बजट तैयार करना जरूरी है। इसमें घर का किराया, राशन, बच्चों की जरूरतें, यात्रा और अन्य नियमित खर्चों के साथ भविष्य के लक्ष्यों के लिए भी राशि निर्धारित करनी चाहिए। एक व्यवस्थित बजट अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखने में मदद करता है।

बचत और निवेश को बनाएं आदत

दोहरी आय का सबसे बड़ा लाभ तभी मिलता है जब उसका एक हिस्सा नियमित रूप से बचत और निवेश में लगाया जाए। विशेषज्ञ कम से कम छह महीने के खर्चों के बराबर इमरजेंसी फंड बनाने की सलाह देते हैं। इसके बाद जोखिम क्षमता और वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार म्यूचुअल फंड, पीपीएफ, एनपीएस या अन्य निवेश विकल्पों में निवेश किया जा सकता है।

छोटी आदतें, बड़ा फायदा

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि आर्थिक सफलता किसी एक बड़े फैसले से नहीं, बल्कि रोजमर्रा की छोटी और अनुशासित आदतों से हासिल होती है। नियमित संवाद, सही बजट, पर्याप्त सुरक्षा और व्यवस्थित निवेश के जरिए डबल इनकम वाले दंपति अपने सपनों को तेजी से पूरा कर सकते हैं और भविष्य को अधिक सुरक्षित बना सकते हैं।

अंडर-19 पुरुष और महिला एशियन बॉक्सिंग ट्रायल

हरियाणा के आदित्य, सिकंदर और ध्रुव ने फाइनल में बनाई जगह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के प्रतिष्ठित नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीओई) रोहतक के बॉक्सिंग रिंग में शनिवार को अंडर-19 पुरुष और महिला एशियन बॉक्सिंग प्रतियोगिता के चयन ट्रायल का रोमांचक आगाज हुआ। ट्रायल के पहले ही दिन देश के कोने-कोने से आए युवा मुक्केबाजों के बीच रिंग में जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता देखने को मिली। हर एक पंच के साथ खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अपना दावा मजबूत किया। इस दो दिवसीय चयन प्रक्रिया का समापन 14 जून को अंतिम और निर्णायक फाइनल मुकाबलों के साथ होगा। 55 किलोग्राम में हरियाणा के आदित्य ने दिल्ली के सक्षम को, 60 किलोग्राम में हरियाणा के सिकंदर ने राजस्थान के दक्ष को और 65 किलोग्राम में हरियाणा के ध्रुव ने पंजाब के समरित सिंह को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। साई एनसीओ रोहतक के उन निदेशक गौरव रावत ने भी विजो खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। बीएफआई की ओर से ओमबीर हुड्डा ने ऑब्जर्वर की भूमिका निभाई। निर्णायक मंडल की भूमिका अर्जुन अवॉर्डी कविता चहल व चीफ कोच अभिषेक मालवीय ने निभाई। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में साई रोहतक के पूरे स्टॉफ का योगदान रहा।

पुरुष वर्ग में ये रहे परिणाम

50 किलोग्राम भारवर्ग में सर्विस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) के पीयूष ने उत्तराखंड के प्रियांशु वर्मा को मात देकर फाइनल में जगह बनाई। 70 किलोग्राम भारवर्ग में मणिपुर के प्रबीन नाओरेम ने हरियाणा के वैभव को हराया, जबकि 75 किलोग्राम में उत्तर प्रदेश के देवेन्द्र चौधरी ने पंजाब के कंवर प्रताप सिंह पर जीत दर्ज की। इसके अलावा, 80 किलोग्राम में एसएससीबी के राहुल ने असम के संदीप बासुमतारी को पराजित किया। 85 किलोग्राम में दिल्ली के सागर ने हरियाणा के अवलीक धनखड़ को और 90 किलोग्राम में दिल्ली के शुभम राजपूत ने हरियाणा के हनी को धूल चटाई। प्लस 90 किलोग्राम भारवर्ग में चंडीगढ़ के लोवन गुलिया ने महाराष्ट्र के ऋषिकेश राजेश चंदालिया को हराकर जीत हासिल की।

महिला वर्ग : हरियाणा की गुंजन ने मणिपुर की लांचलु हो हराया

48 किलोग्राम भारवर्ग में हरियाणा की गुंजन ने मणिपुर की लांचलु मलांगमेई को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। 51 किलोग्राम भारवर्ग के पहले मैच में एसएससीबी की चंद्रिका पुजारी ने मिजोरम की टी.सी. मल्सव्मकिमी को हराया, जबकि इसी भारवर्ग के दूसरे मैच में एसएससीबी की ज़ीनत शेख ने आंध्र प्रदेश की निहारिका कोलूसु को शिकस्त दी। 54 किलोग्राम में हरियाणा की जन्नत ने हिमाचल प्रदेश की राधिका को और 57 किलोग्राम में मणिपुर की राधामाणि लोंगजाम ने दिल्ली की गौरी गोस्वामी को पराजित किया। 60 किलोग्राम भारवर्ग में एसएससीबी की हर्षिका ने आंध्र प्रदेश की सिरिपुरापु मिहिरा को मात दी। इसके बाद हरियाणा की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 65 किलोग्राम में वंशिका ने आंध्र प्रदेश की पेद्दिंती चैतन्या को और 70 किलोग्राम में हंशिका ने जम्मू और कश्मीर की बरीना को धूल चटाई। 75 किलोग्राम भारवर्ग में केरल की शनफ्रिया एस. ने दिल्ली की प्रियांशी को मात दी। 80 किलोग्राम भारवर्ग में चंडीगढ़ की प्राची खत्री ने हिमाचल प्रदेश की दीक्षा को और प्लस 80 किलोग्राम भारवर्ग में दिल्ली की प्राची तोकस ने पंजाब की अनिष्का को हराकर अपनी

एशियन चैंपियनशिप में मेडल लाएंगे मुक्केबाजः प्रमोद कुमार

भारतीय बॉक्सिंग संघ (बीएफआई) के महासचिव प्रमोद कुमार ने कहा कि अंडर-19 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप हमारे युवा मुक्केबाजों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित करने का एक बेहतरीन मौका है। भारतीय बॉक्सिंग संघ का लक्ष्य जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को सीधे वैश्विक मंच प्रदान करना है। जो भी मुक्केबाज इस कड़े चयन ट्रायल को पार कर फाइनल टीम में जगह बनाएंगे, वे आगामी एशियन प्रतियोगिता में निश्चित तौर पर देश के लिए मेडल जीतकर लाएंगे। पहले दिन के मुकाबलों का स्तर बेहद ऊंचा था, और 14 जून को होने वाले फाइनल मैचों में हमें बेहद कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

सुरक्षित हाथों में है बॉक्सिंग का भविष्यः मेजर सत्यपाल सिंधु

हरियाणा बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु ने ट्रायल के सफल आयोजन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, एनसीओई रोहतक में चल रहे ये ट्रायल देश की भावी बॉक्सिंग प्रतिभाओं को तराशने का सबसे बड़ा मंच हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा की मुक्केबाजी परंपरा देश का गौरव है। पहले दिन हमारे राज्य और देश भर के खिलाड़ियों ने जो खेल भावना और कौशल दिखाया है, वह काबिले तारीफ है। हरियाणा की बेटियां और बेटे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का तिरंगा लहराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और इस चयन प्रक्रिया से देश को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मिलेंगे। आज देश भर के युवाओं ने जो दमखम दिखाया है, उससे साफ है कि भारतीय बॉक्सिंग का भविष्य बेहद सुरक्षित हाथों में है। हरियाणा के मुक्केबाज न केवल शारीरिक रूप से मजबूत हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी अंतरराष्ट्रीय रिंग के लिए तैयार हैं। हमें पूरा विश्वास है कि यहाँ से चुनी गई टीम देश के लिए मेडल का अंबार लगाएगी।

मोरक्को के खिलाफ नहीं खेलेंगे नेमार

न्यू जर्सी। फीफा वर्ल्ड कप में मोरक्को के खिलाफ होने वाले अपने पहले मुकाबले में ब्राजील फुटबॉल टीम स्टार खिलाड़ी नेमार के बिना खेलेगी। टीम के कोच कार्लो एंसेलोटी के अनुसार, पिंडली की चोट से उबर रहे नेमार पूरे ग्रुप स्टेज में शायद सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। कोच एंसेलोटी ने कहा कि नेमार में सुधार हो रहा है, लेकिन वह अभी वापसी के लिए तैयार नहीं हैं। एंसेलोटी ने कहा, वह जल्द से जल्द फिट होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि वह अगले हफ्ते पूरी ट्रेनिंग पर लौट पाएंगे।

स्पेन टीम में यामल, विलियम्स और मुनोज ने की वापसी

गुआडालाजारा। स्पेन सोमवार को केप वर्डे के खिलाफ विश्व कप फुटबॉल के अपने पहले मैच में पूरे दलबल के साथ उतरेगा क्योंकि लामिन यामल और निको विलियम्स के बाद फॉरवर्ड विक्टर मुनोज ने भी पूरी तरह फिट होकर वापसी कर ली है। स्पेन की टीम विश्व कप से पहले कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने की समस्या से जूझ रही थी, जिससे उसे अपनी तैयारियों में बदलाव करने पड़े। मिकेल मेरिनो और फैबियान रुइज़ भी चोटिल थे, लेकिन बाद में वे टीम में वापस आ गए।

अमेरिका की सबसे बड़ी जीत, पराग्वे को 4-1 से रौंदा

अमेरिकी टीम ने रचा इतिहास पहले हाफ में दागे तीन गोल

इंगलवुड (कैलिफोर्निया)। फोलारिन बालोगुन ने पहले हाफ में दो गोल किए, जिससे अमेरिका ने अपनी घरेलू धरती में 32 वर्षों में पहली बार खेले जा रहे फुटबाल विश्व कप में पराग्वे पर 4-1 की धमाकेदार जीत के साथ अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। अमेरिका की विश्व कप में यह सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने इस टूर्नामेंट में कभी तीन से अधिक गोल नहीं किए थे। यही नहीं अमेरिकी टीम ने पहले हाफ में तीन गोल दागे, जो विश्व कप में उसका रिकॉर्ड है।

पुलिसिच का शानदार प्रदर्शन

क्रिश्चियन पुलिसिच ने पहले हाफ में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दो गोल करने में मदद की। अमेरिका ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया लेकिन उसने खाता आत्मघाती गोल से खोला था। बालोगुन ने 31वें और पहले हाफ के इंजरी टाइम में गोल करके अमेरिका को मध्यांतर तक 3-0 से आगे रखा था। दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के आखिरी क्षणों में जियो रेना ने एक और गोल दागा। इस तरह से अमेरिकी टीम ने विश्व कप के किसी मैच में पहली बार चार गोल किए। अमेरिका ने चार साल पहले कतर में खेले गए विश्व कप में अपने चार मैचों में कुल मिलाकर केवल तीन गोल किए थे।

मॉरीसियो ने किया पराग्वे की तरफ से एक गोल

पराग्वे की तरफ से एकमात्र गोल मॉरीसियो ने 73वें मिनट में किया, लेकिन 16 साल में अपना पहला विश्व कप खेल रही दक्षिण अमेरिका की यह टीम शुरू में पिछड़ने के बाद किसी भी समय वापसी नहीं कर पाई।

कनाडा को 1 पॉइंट हासिल करने में लगे 40 साल

टोरंटो। कनाडा ने शुरू में पिछड़ने के बाद वापसी करके बोस्निया-हर्जेगोविना को 1-1 से ड्रॉ पर रोककर विश्व कप फुटबॉल में अब तक खेले गए अपनी कुल सात मैचों में पहली बार अंक हासिल किया। इससे पहले कनाडा टीम 1986 में मैक्सिको में और 4 साल पहले कतर में हुए विश्व कप में अपने सभी मैच हार गई थी। स्टेडियम जब कनाडा की लाल जर्सी के रंग में रंगा हुआ था और दर्शक 'गो कनाडा' के नारे लगा रहे थे तब उसकी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही, जिससे दर्शक सन्न रह गए। बोस्निया-हर्जेगोविना के लिए जोवो लुकिच ने 21वें मिनट में कॉर्नर किक पर हेडर से गोल दागा। कनाडा की टीम और उसके प्रशंसकों ने हालांकि भरोसा बनाए रखा और आखिर में उसे 78वें मिनट में जश्न मनाने का मौका मिल गया जब स्थानापन्न खिलाड़ी साइल लारिन ने बराबरी का गोल किया। ऐसे में लारिन ने मैदान पर उतरने के महज दो मिनट बाद ही प्रॉमिस डेविड के पास को गोल में बदल दिया।

- कनाडा ने बोस्निया-हर्जेगोविना को 1-1 से ड्रॉ पर रोक

प्रशंसकों के साथ जश्न मनाना अद्भुत अहसास

लारिन के लिए यह और भी बेहतर अनुभव था, जो आमतौर पर शुरुआती लाइनअप में होते हैं, लेकिन उन्हें दूसरे हाफ के आखिर क्षणों तक बेंच पर बैठकर मैच देखना पड़ा। लारिन ने कहा, 'अपने गृहनगर में गोल करना और प्रशंसकों के साथ जश्न मनाना अद्भुत अहसास है। माहौल शानदार था।' लारिन का यह गोल विश्व कप में कनाडा का केवल दूसरा गोल था। बोस्निया-हर्जेगोविना के लिए गोल करने वाले लुकिच को भी शुरुआती एकादश में जगह नहीं मिलती लेकिन एडिन डेज़ेको (कंधे में चोट) और हारिस तबाकोविच (चोट का कारण अज्ञात) के चोटिल होने के कारण उन्हें शुरू में ही मैदान पर उतारा गया और वह अपेक्षाओं पर खरे उतरे। बोस्निया-हर्जेगोविना दूसरी बार विश्व कप में हिस्सा ले रहा है।

अमेरिकी टीम का खेल देखने स्टेडियम में उमड़े 70492 दर्शक

इंगलवुड। खचाखच भरे स्टेडियम में अमेरिकी टीम की जर्सी पहने और चेहरे पर देश के झंडे के लाल सफेद और नीले रंग पुते दर्शक अमेरिका के किसी भी स्टेडियम में दिख जाएंगे लेकिन इस बार पहली बार ये दर्शक फुटबॉल के लिए उमड़े थे। विश्व कप के सह मेजबान अमेरिका के पहले मैच में लॉस एंजिलिस के पास स्टेडियम में 70492 दर्शक आए, जिन्होंने अपनी टीम को पराग्वे पर 4-1 से जीत दर्ज करते देखा। हजारों डॉलर खर्च करके अमेरिका को ऐसे खेल के महासमर में अपनी सरजमीं पर खेलते देखने ये दर्शक आए थे, जो खेल देश में लोकप्रियता खोता जा रहा था। अधिकांश प्रशंसकों का कहना है कि बचपन में मनोरंजन क्लबों के लिये फुटबॉल खेलते हुए वे बड़े हुए हैं। लॉस एंजिलिस में रहने वाली 37 वर्ष की नकिशा गुतिरेज और उनकी बहन दोनों फुटबॉल खेलती हैं।

1930 के बाद 2 गोल करने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बने बालोगुन

इंगलवुड। अमेरिका के नए फुटबॉल नायक बने फोलारिन बालोगुन तीन में से किसी भी देश के लिए खेल सकते थे। लेकिन उन्होंने अमेरिका को चुना और अब विश्व कप फुटबॉल में पहले मैच में उन्होंने दो गोल करके अपनी टीम को पराग्वे पर 4-1 से शानदार जीत दिलाई। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम की मौजूदगी में बालोगुन 1930 के बाद विश्व कप के किसी मैच में दो गोल करने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बन गए। उस समय बर्ट पटेनाउड ने पराग्वे के खिलाफ ही अमेरिका की 3-0 की जीत में तीनों गोल किए थे, जो विश्व कप के इतिहास में पहली हैट्रिक थी।

कैंसस सिटी में चोरी हुए इंग्लैंड टीम के उपकरण

कैंसस सिटी। फीफा वर्ल्ड कप में अपने शुरुआती मुकाबले से पहले इंग्लैंड फुटबॉल टीम की तैयारियों को बड़ा झटका लगा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टीम के कुछ ट्रेनिंग उपकरण कैंसस सिटी पहुंचने के दौरान चोरी हो गए हैं। इस मामले की जांच स्थानीय पुलिस कर रही है। बताया जा रहा है कि इंग्लैंड टीम का ट्रेनिंग सामान फ्लोरिडा स्थित प्री-टूर्नामेंट ट्रेनिंग कैंप से कैंसस सिटी के स्वोप सॉकर विलेज भेजा जा रहा था। इसी दौरान सामान ले जा रही गाड़ी से कुछ उपकरण गायब हो गए। इंग्लैंड की टीम कैंसस सिटी पहुंचने वाली थी और वहां अभ्यास शुरू करने की तैयारी कर रही थी। स्थानीय पुलिस ने पुष्टि की है कि इस मामले को चोरी के रूप में दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

जसपाल राणा का निधन अपूरणीय क्षतिः भाकर

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने अपने कोच जसपाल राणा के निधन को अपूरणीय क्षति बताया। भारत के सर्वश्रेष्ठ पिस्टल निशानेबाजों में से एक जसपाल के मार्गदर्शन में मनु ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीते थे। सोशल मीडिया पर पोस्ट में मनु ने अपनी और राणा की तीन तस्वीरें साझा करते हुए लिखा,' अपूरणीय क्षति।' मनु देहरादून में राष्ट्रीय शिविर में भाग ले रही है। राणा का पार्थिव शरीर जब देहरादून लाया गया तो वह मौजूद थी और अपने आंसुओं पर काबू नहीं रख सकीं।

भारत ने अफगानिस्तान को सात विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

भारत ने पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज गुरनूर बरार और स्पिनर हर्ष दुबे की शानदार गेंदबाजी के बाद कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 84 रन) के अर्धशतक से शनिवार को यहां बारिश से प्रभावित पहले वनडे में अफगानिस्तान को सात विकेट से हरा दिया।

लगातार बारिश के कारण मैच शुरू होने में चार घंटे 15 मिनट की देरी हुई, लेकिन आसमान साफ होने के बाद बेहतरीन 'ड्रेनेज सिस्टम' से ज्यादा समय बर्बाद नहीं हुआ। इससे मैच को घटाकर 25-25 ओवर का कर दिया गया और उम्मीद के मुताबिक भारत ने टॉस जीतकर विपक्षी टीम को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। बरार और दुबे ने तीन तीन झटके देकर प्रभावित किया जिससे अफगानिस्तान की टीम विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज (51 गेंद में 102 रन) के शतक के बावजूद 24.5 ओवर में 194 रन पर सिमट गई। बरार ने 4.5 ओवर में 27 रन देकर तीन विकेट झटके जबकि बांए हाथ के स्पिनर दुबे ने 47 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए। अर्शदीप सिंह ने 27 रन और नीतिश कुमार रेड्डी ने 31 रन देकर दो दो विकेट लिए।

गिल का नाबाद अर्धशतक

11 चौके और दो छक्कों के साथ नाबाद रहे गिल

गिल ने अपने सलामी जोड़ीदार और पूर्व कप्तान रोहित शर्मा (16 रन) के रन आउट होने के बाद 66 गेंद में 11 चौके और दो छक्के जड़ित नाबाद पारी खेली। गिल ने छठे ओवर में जोखिम भरा एक रन लेने से इनकार कर दिया जिससे रोहित रन आउट हुए। केएल राहुल (19 गेंद में चार चौके, तीन छक्के से नाबाद 39 रन) ने चौका जड़कर 13 गेंद रहते भारत को जीत दिलाई और श्रृंखला में 1-0 से आगे कर दिया। यह श्रृंखला भारत की 2027 वनडे विश्व कप तैयारियों की शुरूआत है जिसमें खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। ईशान किशन (22 गेंद में 34 रन) भी तीसरे नंबर पर वनडे में वापसी के दौरान अच्छी लय में दिखे लेकिन राशिद खान की गुगली ने उनकी पारी का अंत किया। श्रेयस अय्यर 15 गेंद में 12 रन ही बना सके और तेज गेंदबाज जियाउर रहमान की गेंद पर आउट हुए।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में भाग लेने के लिए भारतीय लड़कों व लड़कियों की टीम रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में भाग लेने के लिए शनिवार को भारतीय लड़कों और लड़कियों की टीम रवाना हुई। इसमें 10 लड़कों और 10 लड़कियों की टीम में खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय टीम में रोहतक से मीनाक्षी, नैना और ज्योति शामिल हैं। यह प्रतियोगिता 15 जून से 21 जून तक चीन में आयोजित की जाएगी। हरियाणा बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। कोच विजय हुड्डा ने भी सभी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करके देश का नाम रोशन किया।

लड़कों की टीम

50 किलोग्राम भार वर्ग में ऋषि एस, 55 किलोग्राम में निखिल, 48 किलोग्राम में ज्योति, 60 किलोग्राम में अनमोल, 65 किलोग्राम में अभिनाश, और 70 किलोग्राम भार वर्ग में दीपक पंच लगायेंगे। वहीं 80 किलोग्राम में मलसावमतलुआंगा, 85 किलोग्राम में जुगनू, 90 किलोग्राम में हर्ष, और 90+ किलोग्राम के सुपर हैवीवेट वर्ग में सावन भारतीय मुक्केबाजी का प्रतिनिधित्व करेंगे।

लड़कियों की टीम

51 किलोग्राम भार वर्ग में मीनाक्षी, 54 किलोग्राम में पूनम, 57 किलोग्राम में प्राची, 60 किलोग्राम में माही लामा, और 65 किलोग्राम भार वर्ग में सनेह रिंग में अपना दम दिखाएंगी। इसके अलावा 70 किलोग्राम में गीतिमनी, 75 किलोग्राम में सनमाचा, 80 किलोग्राम में नैना, और 80+ किलोग्राम के सबसे भारी भार वर्ग में अल्फिया पी विरोधी मुक्केबाजों को चुनौती देंगी।

महिला टी20 विश्व कप : भारत और पाकिस्तान में हाई-वोल्टेज मैच आज, टीम इंडिया का पलड़ा भारी

टी20 में दोनों टीमों में हुई 16 बार भिड़ंत, 13 मुकाबलों में जीती भारतीय टीम

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2026 में रविवार को भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम पाकिस्तान पर हावी रही है। टी20 इंटरनेशनल में भारत और पाकिस्तान की अब तक कुल 16 बार भिड़ंत हुई है, जिसमें से 13 मुकाबलों में जीत भारतीय टीम के हाथ लगी है। सिर्फ 3 मुकाबलों में ही पाकिस्तान की टीम जीत दर्ज कर सकी है। भारतीय टीम रविवार को बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट स्टेडियम में अपने दमदार रिकॉर्ड को बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारतीय टीम और पाकिस्तान की आखिरी भिड़ंत साल 2024 में खेले गए महिला टी20 वर्ल्ड कप के दौरान हुई थी, जहां भारतीय टीम ने 6 विकेट से जीत दर्ज की थी।

भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (वीसी), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नंदनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, याजक पाटिल, श्रीदेवी, यतिका भाटिया।

पाकिस्तान टीम

फातिमा सना (कप्तान), गुल फिरोजा, आयशा जफर, इरम जावेद, अयमान फातिमा, आलिया रियाज, नतालिया परवेज, सायरा जबीन, मुनीबा अली, तुबा हसन, रामिन शमीम, सादिया इकबाल, नशरा संधू, डायना बेग, तस्मिया रुबाब।

मैच शाम 7 बजे शुरू होगा। सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स टीवी चैनल पर किया जाएगा, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग जियो हॉटस्टार पर उपलब्ध होगी।

ऑस्ट्रेलिया ओपन

सेमीफाइनल में हारी सिंधू 17 महीने का इंतजार बरकरार

सीडनी(एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू शनिवार को ऑस्ट्रेलिया बैडमिंटन ओपन के सेमीफाइनल में जापान की शीर्ष वरीय अकाने यामागुची से सीधे गेम में पराजित हो गईं, जिससे इस भारतीय खिलाड़ी का बीडब्ल्यूएफ खिताब का इंतजार बरकरार रहा। दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सिंधू को यहां तीसरी वरीयता मिली थी। उन्होंने पहले गेम में कड़ी टक्कर दी लेकिन 43 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी यामागुची से 20-22, 12-21 से हार गईं।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

PUBLIC NOTICE

The Public at large is hereby notified that Mahalakshmi Buildcon, C/o Mrs. SAROJ RANI intend to purchase a Property No.160, Measuring Area 347.9 Sq.Mtrs. Gyan Khand-I, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014, from Ms. Ritu Kukreja alias Ria Goil wife of Mr. Nakul Goil R/o H.No.75, Sector-15A, Noida, Uttar Pradesh-201301, who represent Herself absolute owner of the property.It is therefore, Notified that anybody claiming any rights, title, interest, share or lien over the aforesaid property may file such claim or objection to the undersigned within a period of 03 days from the date of Publication of this notice. Otherwise, it will be presumed that the said property is free from all encumbrances, charges and/or lien, etc. and I am free to purchase the said property from the above named seller.

Mahalakshmi Buildcon,
C/o Mrs. SAROJ RANIat 202, Gyan Khand-1, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014.

फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, राष्ट्रपति ट्रंप से हो सकती है मुलाकात

फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा पर रवाना हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

यूरोप के इन दोनों देशों के साथ मजबूत होगी भारत की द्विपक्षीय-रणनीतिक साझेदारी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया और खाड़ी में युद्ध के जटिल माहौल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को यूरोप के दो देशों फ्रांस और स्लोवाकिया की अपनी छह दिवसीय आधिकारिक यात्रा (13 से 18 जून तक) पर रवाना हो गए हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि पीएम की इस यात्रा का पहला पड़ाव फ्रांस होगा। जिसमें 16 से 17 जून तक एवियन में आयोजित किए जाने वाले जी-7 देशों के शिखर सम्मेलन में पीएम भाग लेंगे। इस दौरान उनकी सम्मेलन के महत्वपूर्ण सत्रों में हिस्सेदारी के अलावा समूह के कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी होंगी। जिसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ भी प्रधानमंत्री मोदी की एक बैठक हो सकती है। सूत्रों ने कहा कि अगर दोनों शीर्ष नेताओं के बीच यह बैठक हुई तो इसमें भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका के राष्ट्रपति के समक्ष ओमान की खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर हो रहे हमलों के मामले को भी उठा सकते हैं। जिसमें अब तक कुल तीन भारतीय नागरिकों की मौत हो गई है।

मैक्रों संग होगी संबंधों की व्यापक समीक्षा

अपनी इस विदेश यात्रा पर रवाना होने से पहले दिए वक्तव्य में प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरी यह यात्रा फ्रांस और स्लोवाकिया के राष्ट्राध्यक्षों के निमंत्रण पर हो रही है। जिसमें राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से नीस में होने वाली मेरी मुलाकात के दौरान दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं और विशेष वैश्विक सामरिक साझेदारी में इस साल फरवरी महीने से लेकर अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की जाएगी। साथ ही सहयोग के अगले चरणों की भी योजना बनाई जाएगी। मैं पारस्परिक हितों से जुड़े हुए वैश्विक मुद्दों पर भी फ्रांस के राष्ट्रपति के साथ चर्चा करूंगा। उन्होंने कहा कि 14 जून को मैं नीस में भारत इनोवेट्स का राष्ट्रपति मैक्रों के साथ उद्घाटन करूंगा।

खास होगी पीएम की स्लोवाकिया यात्रा

पीएम ने यह भी कहा कि 14 से 15 जून को मैं स्लोवाकिया की राजकीय यात्रा पर रहूंगा। जो 1993 में स्लोवाकिया की आजादी के बाद की जा रही किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा होगी। जिससे हमारे दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों को और अधिक मजबूती मिलेगी। स्लोवाकिया में मेरी राष्ट्रपति ब्रातिस्लावा और प्रधानमंत्री फिको के साथ चर्चा होगी। साथ ही स्लोवाकिया के व्यापारिक नेताओं के साथ मुलाकात का एक कार्यक्रम भी रहेगा।

18 जून को होगी पुनः फ्रांस वापसी

18 जून को प्रधानमंत्री मोदी एक बार फिर से फ्रांस लौटेंगे और वहां राष्ट्रपति मैक्रों के साथ विवाटेक-2026 में शिरकत करेंगे। यह प्रौद्योगिकी और नवाचार का सबसे बड़ा सम्मेलन है। इस संस्करण में भारत का एक बड़ा राष्ट्रीय पवेलियन भी होगा। जो भारत, यूरोपीय नवाचार इकोसिस्टम के बीच साझेदारी की अपार संभावनाओं का एक उपयुक्त प्रतीक है। प्रधानमंत्री के मुताबिक, पेरिस में मेरी भारतीय समुदाय से भी मुलाकात होगी। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि इन दोनों देशों की मेरी यह यात्राएं यूरोप तथा जी-7 के साथ भारत की गहन होती सहभागिता को नई गति प्रदान करेंगी। इसके अलावा महाद्वीप के देशों व उससे परे अपने साझेदारों के साथ सहयोग के क्षितिज का विस्तार करने को लेकर हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करेंगी।

खबर संक्षेप

भारतीय मूल के शख्स को मिली लंदन में सजा

लंदन। ब्रिटेन की अदालत ने भारतीय मूल के गगनदीप सिंह को महिला के अपहरण, टॉर्चर और रेप

मामले में 34 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट में बताया गया कि आरोपी ने 24 वर्षीय महिला को लंदन के एक घर में बंधक बनाकर घंटों तक प्रताड़ित किया। पीड़िता को पीटा गया, जलाया गया और उसके साथ दुष्कर्म किया गया। महिला शुरुआत में पुलिस के पास जाने से डर रही थी, लेकिन उसकी मां ने सबूत संभालकर रखे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच के बाद गगनदीप सिंह को गिरफ्तार किया गया।

खैबर पख्तूनख्वा में 72 घंटे में 21 आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने आतंकवाद के

खिलाफ बड़ा अभियान चलाते हुए पिछले 72 घंटों में 21 आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। मीडिया को मिली जानकारी के शनिवार को जारी बयान में कहा गया कि यह कार्रवाई खुफिया सूचनाओं के आधार पर उत्तरी वजीरिस्तान जिले में की गई। मारे गए आतंकवादियों में चार प्रमुख कमांडर भी शामिल हैं, जो सुरक्षा बलों पर हमलों और आम नागरिकों की हत्याओं समेत कई गंभीर वारदातों में वांछित थे।

खामेनेई के अंतिम संस्कार का ऐलान

तेहरान। करीब चार महीने से पहले अमेरिका-इजराइल के हमलें में जान गंवा चुके ईरान के सर्वोच्च

नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार कार्यक्रम की घोषणा की गई है। जानकारी मिली है कि ये कार्यक्रम 6 दिन तक चलेगा। यह कार्यक्रम 4 जुलाई से शुरू होकर 9 जुलाई को मशहद शहर में उनके दफन के साथ खत्म होगा। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार 4 से 9 जुलाई के बीच विदाई समारोह, अंतिम संस्कार और दफन से जुड़े सभी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अंतिम संस्कार की शुरुआत 4 जुलाई से तेहरान में तीन दिन तक चलने वाले समारोह से होगी। वही 7 जुलाई को पवित्र शहर कोम में एक बड़ा श्रद्धांजलि कार्यक्रम किया जाएगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डिंडीगुल अकादमी में किया संयुक्त दीक्षांत परेड समारोह का निरीक्षण

वायुसेना में कमीशन हुए 231 युवा फ्लाइट कैडेट, हरियाणा की तन्नु भी शामिल

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को हैदराबाद के डिंडीगुल स्थित वायुसैन्य अकादमी में हुए संयुक्त दीक्षांत परेड समारोह में हरियाणा के हिसार की रहने वाली तन्नु समेत कुल 231 युवा फ्लाइट कैडेट, अधिकारी के रूप में वायुसेना में कमीशन हुए हैं। जिसमें 194 पुरुष और 37 महिलाएं शामिल हैं। इस आयोजन की एक खास बात यह रही कि इसमें देश की वायुसेना में कमीशन होने वाले कैडेटों में पिछले साल राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) खड़कवासला से उत्तीर्ण होकर निकली 5 महिलाओं को भी बल में आधिकारिक रूप से कमीशन प्रदान किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह अकादमी के 217वें पाठ्यक्रम की संयुक्त स्नातक परेड थी। जिसकी रक्षा मंत्री ने समीक्षा की और उसके बाद उन्होंने युवा कैडेटों को

वायुसेना में आधिकारिक रूप से शामिल होने के प्रमाण के रूप में कमीशन किया। वायुसेना इस प्रक्रिया को बल की विभिन्न शाखाओं में कैडेटों के शामिल होने से पहले की कवायद मानती है। क्योंकि इसके बाद उनके असली प्रशिक्षण की शुरुआत होती है। फिर उन्हें युद्धक और गैर युद्धक जैसी शाखाओं में तैनात किया जाता है। कार्यक्रम में नौसेना के 9, तटरक्षकबल के 3, वियतनाम के दो अधिकारियों को भी विंग्स से सम्मानित किया गया है। साथ ही नौवहन प्रशिक्षण पूरा करने वाले 3 अधिकारियों को ब्रेवेट प्रदान किए गए।

वायुसेनाप्रमुख ने किरण में भरी उड़ान

समारोह के दौरान वायुवीरों ने एक भव्य परेड निकाली, वायुसेना के विमानों का एक आकर्षक फ्लाई पास्ट भी हुआ। वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी.सिंह ने बल के प्रशिक्षण विमान किरण में उड़ान भरी। उनके नेतृत्व में एक सुव्यवस्थित और समन्वित फ्लाईपास्ट भी प्रस्तुत किया गया। जिसमें चार प्रकार (पिलाटस पीसी-7 एमके-2, हॉक, किरण और चेतक शामिल हैं) के प्रशिक्षण शामिल हुए। परेड का निरीक्षण करने के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वायुसेना के कुछ कैडेटों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित भी किया। जिसमें पायलट कोर्स में पहले स्थान पर रहने वाले फ्लाइंग ऑफिसर आशीष कुमार यादव को प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पट्टिका और नवानगर सम्मान तलवार से नवाजा गया। नौवहन क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली फ्लाइंग आफिसर एकता गुप्ता को राष्ट्रपति पट्टिका और ग्राउंड ड्यूटी शाखा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली फ्लाइंग ऑफिसर दिव्यांशी सिंह को भी राष्ट्रपति पट्टिका से सम्मानित किया है।

कंधों पर लगे पंख बैज नहीं, देश का भरोसा हैं

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि युवा अधिकारियों के कंधों पर लगे पंख केवल बैज नहीं बल्कि प्रत्येक भारतवासी का भरोसा है। आप जिस जिम्मेदारी को संभालने वाले हैं। वह इतनी जटिल है कि कई मौकों पर आपको अपने निर्णय मिनटों या सेकंडों में नहीं बल्कि उससे भी कम समय में लेने होंगे। ऐसे में सभी को उच्च स्तर के मानकों और आचरण को बनाए रखना होगा। जो दूसरों को भी प्रेरित करे।

360 डिग्री बनाए रखें सतर्कता

उन्होंने भविष्य की युद्ध प्रणालियों, रणनीतियों को समझने, अपनाने, आत्मसात करने और जरूरत पड़ने पर उनमें बदलाव करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही कहा कि आधुनिक युद्ध में न तो दुश्मन दिखाई देता है और न ही उसके द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे हथियार। रडार, ड्रोन, उपग्रह, सेंसर और रोबोटिक्स जैसी प्रणालियों की वजह से हथियारों का पता लगाना असंभव हो जाता है। इसे देखते हुए कैडेटों को हमेशा सतर्क रहना चाहिए। राजनाथ सिंह ने सभी मोर्चों पर निर्णायक बढ़त हासिल करने के लिए नवाचार, क्रियान्वयन और प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व में ये माना जाता था कि प्रमुख शक्तियों को हर मोर्चे पर बढ़त प्राप्त है। जबकि आज अपेक्षाकृत छोटी शक्तियां भी अपने छोटे घातक हथियारों और नई रणनीतियों की बदौलत बड़े प्लेटफार्म को भारी नुकसान पहुंचा सकती हैं।

यूं खास है तन्नु की यात्रा

फ्लाइंग अधिकारी तन्नु हरियाणा के हिसार जिले के एक किसान परिवार में जन्मी हैं। जहां बच्चों के सपने खेत के मैदानों से बड़े नहीं होते हैं। ऐसे में उनकी दुनिया भी यहीं तक सीमित रही। लेकिन वायुसेना अकादमी तक पहुंचने के पीछे तन्नु की माताजी श्रीमती मीनू का बेहद महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जो यह जानती थी कि शिक्षा ही एकमात्र ऐसा रास्ता है। जो उनकी बेटी के लिए एक अलग भविष्य के द्वार खोल सकता है। तन्नु ने दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस कॉलेज से स्नातक की डिग्री ली है। 2024 में वायुसेना की प्रशासनिक शाखा में उन्होंने मेरिट हासिल की। जिसके बाद ही वह अपने परिवार की पहली सदस्य बनीं जो वायुसेना में शामिल हुई। अपने कठिन परिश्रम के बूते ही तन्नु वर्ष 2026 में स्प्रिंग टर्म में महिला कैडेट कैप्टन बनीं और 13 जून को उनका वायुसेना में बतौर अधिकारी के रूप में शामिल होने का सपना साकार हो गया है।

देहरादून में राष्ट्रपति ने पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया

एनडीए के पहले महिला बैच की कैडेट्स अधिकारी के रूप में पासआउट हुईं

सुखोई 30 एमकेआई, सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम और सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों का मन मोह लिया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संग एनडीए की पहली महिला बैच की 9 थलसेना अधिकारी

एजेंसी ⏭ देहरादून

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी में 158वें रेगुलर कोर्स और 141वें टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स की पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया। यह अवसर भारतीय सेना और देश की महिलाओं के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है, क्योंकि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एनडीए के पहले महिला बैच की कैडेट्स अधिकारी के रूप में पासआउट हुई हैं।

भव्य फ्लाइपास्ट और एरोबेटिक प्रदर्शन रहे आकर्षण का केंद्र

परेड के दौरान वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के नेतृत्व में फ्लाईपास्ट का आयोजन किया गया। इसमें पिलाटस पीसी-7 एमके II, हॉक, किरण और चेतक जैसे प्रशिक्षण विमानों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में आकाश गंगा टीम, महिला वायु योद्धा ड्रिल टीम शक्ति, सु-30 एमकेआई, सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम और सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों का मन मोह लिया।

एनडीए की पहली महिला बैच ने रचा इतिहास

आईएमए की पासिंग आउट परेड में एनडीए की पहली महिला बैच की 9 महिला कैडेट भारतीय थलसेना में अधिकारी के रूप में शामिल हुईं। यह उपलब्धि भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण प्रतीक है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद खुला था रास्ता

इससे पहले एनडीए में महिलाओं के प्रवेश की अनुमति नहीं थी। जून 2022 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद महिलाओं के लिए एनडीए के द्वार खुले थे। इस निर्णय ने सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका को नई दिशा प्रदान की और आज उसका ऐतिहासिक परिणाम देखने को मिला।

आईएमए से 515 कैडेट हुए पासआउट

इस वर्ष आईएमए से कुल 515 कैडेट पासआउट हुए, जिनमें 16 देशों के 34 विदेशी कैडेट भी शामिल हैं। पासआउट होने वाले कैडेट्स में एनडीए की पहली महिला बैच की 9 कैडेट भी शामिल रहीं, जिन्होंने कठिन प्रशिक्षण पूरा कर भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में कदम रखा।

वायुसेना में भी शामिल हुईं पहली महिला एनडीए कैडेट्स

भारतीय वायुसेना अकादमी में आयोजित कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड के दौरान भारतीय वायुसेना के 217वें कोर्स के तहत 231 फ्लाइट कैडेट्स ने प्री-कमीशनिंग प्रशिक्षण पूरा किया। इनमें 194 पुरुष और 37 महिला कैडेट शामिल थीं। इन 37 महिला कैडेट्स में से 5 एनडीए की पहली महिला बैच की थीं, जिन्हें भारतीय वायुसेना में कमीशन प्राप्त हुआ।

सुखोई, सारंग और सूर्यकिरण टीम ने किया रोमांचक प्रदर्शन

कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड का समापन भव्य एयर शो के साथ हुआ। भारतीय वायुसेना के सुखोई लड़ाकू विमान, सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम और सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के शानदार प्रदर्शन समारोह के प्रमुख आकर्षण रहे।

भूस्खलन से यात्री हुए परेशान

पुंछ में भारी बारिश के बाद भूस्खलन एनएच-144 पर फंसे 200 से ज्यादा वाहन

एजेंसी ⏭ पुंछ

जिले में पिछले कुछ घंटों से हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। भारी बारिश के चलते पुंछ को जोड़ने वाले एनएच-144 लसाना के पास पर अचानक भारी भूस्खलन हो गया, जिससे मार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया। सड़क बंद होने के कारण हाईवे के दोनों ओर 200 से अधिक छोटे-बड़े वाहन फंस गए। अचानक आए इस भूस्खलन से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कई लोग घंटों तक सड़क पर ही फंसे रहे। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और सीमा सड़क संगठन की टीमें तुरंत सक्रिय हो गईं। भारी बारिश के बीच भी जवानों ने

बिना देरी किए सड़क से मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया। प्रशासन ने इस पूरे ऑपरेशन को युद्धस्तर पर अंजाम दिया।

5 घंटे बाद यातायात बहाल

बीआरओ की कड़ी मेहनत के बाद करीब 5 घंटे के गहन अभियान के बाद सड़क से मलबे को पूरी तरह हटा दिया गया। सुरक्षा जांच के बाद, प्रशासन ने हाईवे को सामान्य यातायात के लिए फिर से खोल दिया है, जिसके बाद फंसे हुए वाहनों ने राहत की सांस ली और अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान किया।

नेटवर्क ने 9 हजार से अधिक नकली वेबसाइट्स बनाई थीं

एआई से बनाईं हजारों फर्जी वेबसाइट्स चीनी गिरोह के खिलाफ कोर्ट पहुंचा गूगल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

गूगल इस समय अपने ही सबसे एडवांस एआई टूल जेमिनी के गलत इस्तेमाल से परेशान है। इसी सिलसिले में गूगल ने न्यूयॉर्क की एक अदालत में एक कथित चीनी साइबरक्राइम नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ा मुकदमा दायर किया है। मुकदमे के मुताबिक, इस चीनी गिरोह का नाम आउटसाइडर इंटरप्राइज है, जो चीन से चलाया जा रहा था और आपस में बातचीत व तालमेल के लिए टेलीग्राम का इस्तेमाल करता था। इसने जेमिनी का इस्तेमाल कर 131 फिशिंग किट्स तैयार किए, जिनकी मदद से बेहद कम समय में फर्जी वेबसाइट्स बनाई जा सकती थीं। मुकदमे में दावा किया जा रहा है कि इस नेटवर्क ने 9,000 से अधिक नकली

वेबसाइट्स बनाई थीं। जो गूगल, यूट्यूब, यूएस पोस्टल सर्विस और न्यूयॉर्क के ई-जेडपास जैसी सेवाओं और संस्थानों की हूबहू नकल करती थीं।

इनका उद्देश्य लोगों को धोखा देकर उनके पासवर्ड, बैंकिंग जानकारी और अन्य व्यक्तिगत डेटा हासिल करना था।

इतना ही जांच में और भी कई चौंकाने वाली बाते सामने आई हैं। गूगल का कहना है कि मई में सिर्फ दो सप्ताह के भीतर एंड्रॉयड यूजर्स को करीब 25 लाख स्कैम एसएमएस भेजे गए।

डीआरडीओ ने किया बीएमडी क्षमता का सफल परीक्षण, रक्षा मंत्री ने दी बधाई

अब नहीं चलेगी दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला करने की कोई चाल...

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

घरेलू, वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के मुश्किल दौर में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने एक बड़ी और महत्वपूर्ण कामयाबी हासिल करते हुए मल्टी लेयर्ड बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस क्षमता (बीएमडी) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसके लिए संगठन की पूरी टीम को बधाई दी है। डीआरडीओ अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने भी संगठन के वैज्ञानिकों की टीम और उद्योग जगत को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी है।

चुनिंदा देशों में शामिल हुआ भारत

मंत्रालय ने बताया कि इन सफल परीक्षणों के साथ अब भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है। जिनके पास अंतर-महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों (आईसीबीएम) तक को रोकने की क्षमता वाली बीएमडी प्रणाली मौजूद है। इन परीक्षणों को बीते 10 से 11 जून को लगातार तीन बार किया गया है। जिसमें पहले परीक्षण को नौसेना की मध्यम दूरी की एंटी शिप मिसाइल (एनएएसएम-एमआर) के जरिए पूरा किया गया। जिसमें मल्टी लेयर्ड बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस क्षमता ने सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया है। इंटरसेप्टर मिसाइलों ने अपने तय लक्ष्यों पर सटीकता के साथ वार कर उन्हें नेस्तनाबूद कर दिया। इस सिस्टम को मिसाइलों से जुड़े नए खतरों का सामना करने के लिए आधुनिक तकनीकों के साथ डिजाइन के साथ विकसित किया गया है।

सुदृढ़ होती राष्ट्र की रक्षा तैयारियां

परीक्षण के जरिए डीआरडीओ ने देश की रक्षा तैयारियों को और अधिक सुदृढ़ता प्रदान की है। जिसमें दुश्मन के हर तरह के खतरों से दो-दो हाथ करने के लिए तकनीकी रूप से अहम सफलता मिली है। इन सभी परीक्षणों का असली उद्देश्य शत्रु की लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के खिलाफ मल्टी लेयर्ड डिफेंस और मध्यम दूरी की एंटी शिप क्षमता को प्रदर्शित करना था। इन तमाम परीक्षणों का अवलोकन डीआरडीओ और रक्षा अधिकारियों द्वारा किया गया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109